फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12 प्रतिशत बढ़ सकती है कीमत - 12

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट - 12

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ, संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा - 13

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत - 14

आज का मौसम
31.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.10
सूर्यास्त 06.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी 06:38 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 23 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 215, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पश्चिम एशिया : चौथे सप्ताह की शुरुआत में खतरनाक हमलों के साथ युद्ध ने किया नए चरण में प्रवेश

मिसाइलों से दहले इजराइल-ईरान

अमेरिका ने अल्टीमेटम के 48 घंटे पूरे होने से पहले ही तेहरान पर किए हमले, टॉप लीडर्स को मौत के घाट उतारने का दावा

ईरान ने इजराइल के दो बड़े शहरों पर किए हमले, 300 लोग घायल इजराइली परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास गिरी मिसाइल

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। ये हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इसी धमकी के बीच अमेरिका ने ईरान के कई महत्वपूर्ण लोगों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए हैं।

अमेरिका ने दावा किया है कि इन हमलों में उसने ईरान के कई टॉप लीडर्स का सफाया कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडिया साझा करते हुए अमेरिका मिलिट्री नाम के अकाउंट से दावा किया गया है कि इन हमलों में ईरान के टॉप लीडर्स को मौत के घाट उताया गया। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि युद्ध अपने चौथे सप्ताह की शुरुआत में एक खतरनाक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश में दबाव का सामना कर रहे ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने घर से सोशल मीडिया पर यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को 48 घंटे में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलना होगा, अन्यथा अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं।

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अराद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने के खतरे में हैं। कम से कम 64 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डिमोना, परमाणु अनुसंधान केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर पश्चिम में है, जबकि अराद उससे करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। माना जाता है कि इजराइल पश्चिम एशिया का एकमात्र देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं, हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया।

डिमोना में ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित स्थल का सर्वेक्षण करते इजराइली सुरक्षा बल।

ईरान बोला- अमेरिकी धमकियों का जवाब मैदान में देंगे

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों के बाद ईरान ने सैन्य जवाब देने की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि देश के खिलाफ दी जा रही धमकियां और हमले ईरान को और ज्यादा एकजुट कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम इन बेतुकी धमकियों का मैदान में डटकर सामना करेंगे। पजशकियान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी साफ किया कि यह सभी के लिए खुला है, लेकिन जो ईरान की जमीन का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पूर्व ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज पूरी तरह नहीं खोला, तो पावर प्लांट्स को निशाना बनाएंगे।

जंग में ब्रिटेन भी कूदा, अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, यूएस को सौंपे मिलिट्री बेस

लंदन। ब्रिटेन की परमाणु-संचालित पनडुब्बी अरब सागर पहुंच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करने के संकेत दिए हैं। एचएमएस एंसन नाम की यह पनडुब्बी 6 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से रवाना हुई थी और अब माना जा रहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट उत्तरी अरब सागर में अपनी तैनाती ले ली है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक-4 लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश हैवीवेट टॉरपीडो भी लगे हुए हैं। मध्य-पूर्व क्षेत्र में इस पनडुब्बी की तैनाती ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

अमेरिका-इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।

मोदी ने की हाईलेवल बैठक ईंधन-ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति का लिया जायजा

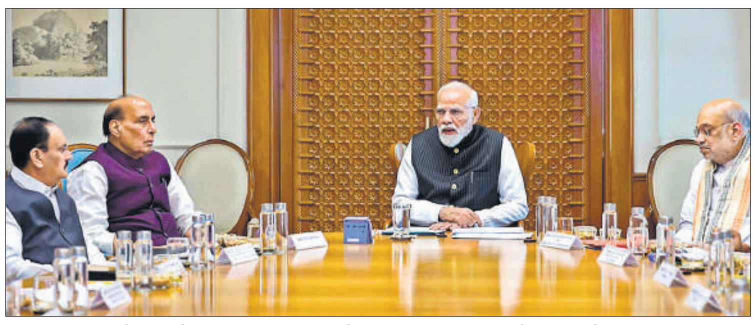

पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर समीक्षा बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण उपजी परेशानी से निपटने पर मंथन, शाह-नड्डा पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।

होर्मुज बंद से मंडराया संकट

ईरान ने होर्मुज को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और इसके जरिये दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा की ढुलाई होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान ने बहुत कम पोतों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। इसके कारण भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें... व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

रविवार को ईद का अवकाश होने के कारण परिशिष्ट लोक दर्पण आज के अंक के साथ पढ़ें।

www.amritvichar.com

दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 54 वर्षीय बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वहीं बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई। मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर के रूप में हुई है।

शहरों में गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने का निर्देश

- सीएनजी/पीएनजी के आवेदन तेजी से निपटाने व वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है।

अमेरिका का एलपीजी जहाज मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु। युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। पिक्सिस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज एक्वा टाइटन के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का 28 को उद्घाटन करेंगे मोदी

- कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे

नोएडा। मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। इस बैठक में अधिकारियों ने समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी। (विस्तृत प्रदेश पेज पर)

मोदी ने रचा इतिहास...सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का रिकॉर्ड

- बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे, पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा
- अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड दिनों की सराहना की
- कहा- सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर वे भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। नरेंद्र मोदी ने कुल 8931 दिन तक सरकार के प्रमुख के रूप में काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पार कर लिया।

पीएम मोदी पहले ही गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रह चुके हैं। साथ ही वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा अनुभव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

7 अक्टूबर, 2001 को सीएम के रूप में ली थी शपथ

मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

बहराइच में वृद्ध महिला को हाथी ने कुचलकर मार डाला

संवाददाता, बहराइच

कतर्नियाघाट रेंज अंतर्गत भवानीपुर गांव में एक वृद्ध महिला पर हाथी ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। महिला का शव जंगल से सटे गांव निवासी मुरली के खेत से बरामद हुआ। भवानीपुर गांव निवासी कुवारिया 80 पत्नी इतवारी सुबह 10:30 बजे के करीब जंगल के किनारे खेत में बकरी चराने निकली थी। इस दौरान टस्कर हाथी उसे दौड़ा लिया। जिसने हमला कर महिला को पैरों तले रौंदकर लहूलुहान कर दिया जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, परिवार के लोग व स्थानीय लोग मौके पर हाका लगाते हुए घटनास्थल पर पहुचे इस दौरान हाका लगाकर हाथी को जंगल की ओर भगाया। जिसके बाद महिला का क्षतविक्षत शव गांव के किनारे खेत के पास क्षतविक्षत अवस्था में बरामद किया। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया, परिवार के लोग फूट-फूटकर रोने लगे। लोगों ने सूचना वन विभाग और पुलिस को दिया। मौके पर पहुचे वन दरोगा राधेश्याम, वन रक्षक संतोष कुमार, वाचर सुनील गौड़ ने घटनास्थल का मुआयना किया। मौके पर पहुचे थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा, चौकी इंचार्ज मंजेश कुमार ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बदलाव

नवरात्र में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र, योगी बोले, पहले प्रत्येक पद के लिए चाचा-भतीजा व उनके सिपहसालार करते थे वसूली

प्रदेश में बिना सिफारिश, लेन-देन के मिल रही नौकरी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार को लोकभवन में 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों को रोजगार मिलना समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है, जहां बिना किसी सिफारिश या लेन-देन के योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिल रहा है। जबकि वर्ष 2017 के पहले प्रत्येक पद के लिए बोली लगती थी। चाचा-भतीजा और उनके सिपहसालार झोला लेकर वसूली पर निकलते थे। योगी ने 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों में 1,097 महिलाओं के शामिल होने को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताते हुए कहा कि आज नर्सिंग प्रोफेशन की मांग देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से बढ़ रही है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स के प्रति सम्मान है। ऐसे में नर्सिंग के साथ भाषा कौशल विकसित कर युवा वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले पूर्वी यूपी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के लिए जाना जाता था, लेकिन अब व्यापक सुधार हुए हैं। बंद पड़े 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों को पुनः संचालित किया गया है और 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 9.25 करोड़ लोग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से जुड़े हैं और 14.28 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ आईडी (आभा) जारी किए जा चुके हैं।

लखनऊ : लोकभवन में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नव चयनित महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव

- 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पुन : संचालित
- 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन
- 976 सीएचसी पर टेलीमेडिसिन सुविधा
- 14 .28 करोड़ से अधिक आभा आईडी जारी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज पर तेजी
- मेडिकल शिक्षा में एकरूपता और संस्थानों का नेटवर्क
- सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं

केजीएमयू का एनआईआरएफ रैंकिंग में आठवां स्थान

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 की एनआईआरएफ रैंकिंग में देशभर में आठवां स्थान हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में किडनी, लीवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू हो चुकी हैं, वहीं टेली-आईसीयू से कई मेडिकल कॉलेज जुड़े हैं। प्रदेश में लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर भी विकसित किए जा रहे हैं। बाबू कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स सेंटर स्थापित हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ में संगठन मजबूत करने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों से कहा कि इन राज्यों में पूरी निष्ठा के साथ बहुजन आंदोलन को आगे बढ़ाना जरूरी है, ताकि पार्टी को 'शासक वर्ग' के रूप में स्थापित किया जा सके। बसपा प्रमुख रविवार को राजधानी स्थित कार्यालय में एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ पार्टी इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। पिछले निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यों पर आंशिक संतोष जताया, लेकिन संगठन को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने पर जोर दिया। कांशीराम के अधूरे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और सक्रिय बनाने तथा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए रणनीति पर भी चर्चा की गई।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में अब तक 7340 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा 2000 करोड़ रुपये से अधिक का टर्म लोन स्वीकृत किया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ी गति मिली है। योजना के तहत प्रति इकाई औसत 10 लाख रुपये का टर्म लोन और करीब 4 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, जबकि प्रस्तावों की औसत स्वीकृति अवधि लगभग 100 दिन है। राष्ट्रीय स्तर पर बिहार दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर हैं।

नवरात्र में शक्तिपीठों पर होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश में इस बार भक्ति और सांस्कृतिक आस्था का विशेष संगम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सप्तमी, अष्टमी और नवमी (25, 26 व 27 मार्च) को प्रदेशभर के देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में देवी गीत, भजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और शक्ति आराधना के भव्य आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग ने इन आयोजनों की व्यापक तैयारी कर ली है और कलाकारों का चयन भी पूरा कर लिया गया है। कार्यक्रम स्थानीय प्रशासन के समन्वय से जनपद स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें लोक कलाकारों, भजन और कीर्तन मंडलियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। इन आयोजनों को योगी सरकार के महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण अभियान 'मिशन शक्ति' से भी जोड़ा गया है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास पर रंगदारी व दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग करने वाले एक आरोपी को एसटीएफ ने आगरा के बाह से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे क्राइम ब्रांच मुंबई के सुपुर्द कर दिया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच मुंबई कर रही है। आरोपी प्रदीप एसटीएफ के एएसपी राकेश के मुताबिक, बाह के बिजौली महावीरनगर निवासी आरोपी प्रदीप शर्मा अंतरराष्ट्रीय कुख्यात अपराधी शुभम लोनकर गैंग का सदस्य है। उसे शनिवार दोपहर करीब 3:50 बजे उसके घर के पास से दबोचा गया। रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग के मामले में शामिल दीपक, विष्णु कुशवाहा समेत अन्य पांच आरोपियों को 15 फरवरी को एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

'वाया' के सहयोग से कर्ज से उबरा परिवार

अमृत विचार, लखनऊ : वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन "वाया" के सहयोग से दिल्ली के पश्चिम विहार निवासी सीए विकास गर्ग का परिवार कर्ज के बोझ से मुक्त होकर नई शुरुआत कर सका है। गंभीर बीमारी के कारण नौकरी छूटने और आर्थिक संकट में फंसे इस परिवार को संस्था की मदद ने फिर से संभाल दिया। यह जानकारी औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने दी। नंदी ने कहा कि वाया संस्था समाज के सहयोग से जरूरतमंद परिवारों को सहारा देने का कार्य कर रही है। संस्था की कमेटी ने त्वरित निर्णय लेते हुए सभी लेनदारों को बुलाकर करीब 12.40 लाख रुपये का पूरा कर्ज चुका दिया।

खनन से बढ़ी आय, सोनभद्र आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महोबा, हमीरपुर, झांसी-जालौन भी टॉप सूची में
- फरवरी में 2543 करोड़ से अधिक राजस्व
- अवैध खनन पर सख्ती से बढ़ा राजस्व संग्रह

अमृत विचारः प्रदेश में खनिज एवं उपखनिज खनन से राजस्व प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। फरवरी माह में प्रदेश के दस प्रमुख खनिज संपन्न जनपदों से लगभग 2543.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें सोनभद्र जनपद सबसे आगे रहा।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सोनभद्र ने सर्वाधिक 678.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसके अलावा महोबा, हमीरपुर, झांसी और जालौन जैसे जनपद भी खनन आधारित आय में प्रमुख योगदानकर्ता रहे। विभाग के अनुसार, राजस्व वृद्धि के पीछे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, खनन गतिविधियों की सतत निगरानी और पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना प्रमुख कारण है। खनन पट्टों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ने से भी राजस्व संग्रह में सुधार हुआ है।

अन्य प्रमुख जिलों में सहारनपुर, बांदा और प्रयागराज ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया, जबकि फतेहपुर और कौशांबी से भी राजस्व प्राप्त हुआ। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप खनिज संसाधनों के संतुलित और सतत उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति है कि खनन गतिविधियां आर्थिक विकास का माध्यम बनें, लेकिन पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहे। इसी दृष्टिकोण के साथ विभाग तकनीक आधारित निगरानी और कड़े प्रवर्तन के जरिए व्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

'द शैडो' एप से बेटियों की सुरक्षा को तकनीक का कवच

प्रदेश सरकार की नई पहल, यूपीएसआईएफएस के छात्रों ने विकसित किया एप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

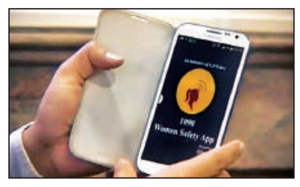

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बेटियों की सुरक्षा को तकनीकी मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) द्वारा विकसित "द शैडो" एप अब छात्राओं के लिए "डिजिटल परछाईं" की तरह काम करेगा। यह एप न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन को भी एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा।

संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, यह एप बीटेक छात्रों द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी व जवाबदेह प्रणाली तैयार करना है। एप के माध्यम से कैंपस में प्रवेश-निकास, अवकाश अनुरोध और अन्य गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसकी सबसे अहम विशेषता 'पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल सिस्टम' है, जिसमें छात्रा के कैंपस से बाहर जाने से पहले अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। इससे सुरक्षा के साथ अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत होगा।

एप की विशेषताएं

- पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल से बाहर जाने की अनुमति
- एसओएस इमरजेंसी अलर्ट से त्वरित सहायता
- रियल टाइम एंट्री-एग्जिट ट्रैकिंग
- क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास
- पढ़ाई, अटेंडेंस और प्रदर्शन की मॉनिटरिंग

इसके अलावा एप में इंटीग्रेटेड एसओएस इमरजेंसी फीचर दिया गया है, जिससे किसी भी खतरे की स्थिति में एक क्लिक पर संस्थान प्रशासन और परिजनों को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल गेट पास सिस्टम कैंपस में अनधिकृत प्रवेश पर भी प्रभावी नियंत्रण रखेगा। डॉ. नेहा सिंह के मार्गदर्शन में छात्र हर्ष और आदित्य मिश्रा द्वारा विकसित यह एप तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, जो बेटियों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देता है।

जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियां तेज

28 को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी ने निरीक्षण कर दिए व्यापक दिशा-निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गौतमबुद्धनगर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

अमृत विचारः नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर कार्यक्रम को भव्य व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे, साथ ही मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग, पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, हेलीपैड, पार्किंग और रैली स्थल का अवलोकन कर तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयसीमा के भीतर और तय मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

तैयारी के मुख्य बिंदु

चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू, ट्रैफिक और पार्किंग के लिए विशेष प्लान, पेयजल, शौचालय व चिकित्सा सुविधाओं पर जोर, कार्यक्रम की ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार-प्रसार।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों और आमजन की उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारू और प्रभावी हों। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली, साइनेज, परिवहन, चिकित्सा और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और ब्रांडिंग पर भी जोर दिया, ताकि इसे वैश्विक स्तर का आयोजन बनाया जा सके। साथ ही विभिन्न जनपदों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस को चार स्तरीय सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत योजना भी प्रस्तुत की गई। बैठक में कई जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

100 करोड़ जीएसटी चोरी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कई राज्यों में बोगस कंपनियां बनाकर असली फर्मों को बेचता था इनपुट टैक्स क्रेडिट
- एसटीएफ लखनऊ की टीम ने पुणे में दबोचा

अमृत विचारः फर्जी फर्मों के माध्यम से इनवाइस व ई-वे बिल बनाकर 100 करोड़ से अधिक की जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को एसटीएफ ने रविवार को पुणे से गिरफ्तार कर लिया। वह कई राज्यों में बोगस कंपनियां बनाकर असली फर्मों को इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बेचता था। आरोपी के खिलाफ लखनऊ में भी मामला दर्ज है।

आरोपी

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक, आरोपी केशवानी अब्बास हुसैन रमजान अली पुणे में रहता था। वह गुजरात के भावनगर स्थित बागे हुसैन प्रभूदास तालाब शिशु विहार का निवासी है। आरोपी के पास से दो लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक पासपोर्ट बरामद हुआ है।

आरोपी साथी रईस और मुंतजिर के साथ मिलकर महाराष्ट्र और गुजरात में अकाउंटेंसी का काम करता था। इसी आड़ में वह फर्जी दस्तावेजों के जरिए अलग-अलग राज्यों में बोगस फर्में रजिस्टर्ड करता था। इन फर्मों के नाम पर बिना किसी वास्तविक खरीद-फरोख्त के फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल जारी किए जाते थे। जांच में सामने आया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली और बेंगलुरु समेत कई राज्यों में सक्रिय था और सर्कुलर ट्रेडिंग के जरिए करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी को अंजाम दे रहा था।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी असली फर्मों से व्हाट्सएप के जरिए जीएसटी नंबर, माल का विवरण और कीमत प्राप्त करता था। इसके बाद अपनी फर्जी फर्मों के माध्यम से इनवॉइस और ई-वे बिल बनाकर जीएसटी पोर्टल पर अपलोड करता और संबंधित फर्मों को उपलब्ध करा देता था। इस प्रक्रिया में असली फर्में बिना माल खरीदे ही इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ ले लेती थीं, जिससे सरकार को भारी नुकसान होता था। फर्जी लेन-देन को असली दिखाने के लिए रकम बैंक खातों में ट्रांसफर दिखाई जाती थी। बाद में यह रकम कैश या अन्य फर्जी कंपनियों के जरिए वापस लौटा दी जाती थी। आरोपी के पास कई फर्मों के लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी थे, जिनके जरिए वह ओटीपी लेकर लेन-देन करता था।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक, आरोपी के गिरोह के खिलाफ इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज है। जिसमें आराध्या इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई। आरोपी ने लखनऊ के पते पर कई बोगस फर्म पंजीकृत करा रखी हैं। इसमें एसएम ट्रेडर्स, राठौड़ इंटरप्राइजेज, गौड़ ट्रेडिंग प्रमुख रूप से शामिल है।

पेस और मिताली सम्मानित, यूपी को 'स्टेट ऑफ द इयर' अवॉर्ड

- प्रदेश में बन रहा मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम: योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश की धरती पर आगमन पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। लखनऊ में 3आयोजित एक स्पोर्ट्स अवार्ड समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं और उन्हें नई दिशा देते हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को 'मेंटॉर ऑफ द इयर' और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश सहित कई अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश को खेल ढांचे और नीतियों के लिए 'स्टेट ऑफ द इयर' का पुरस्कार दिया गया। वहीं, 'टीम ऑफ द इयर' महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम और 'फेडरेशन ऑफ द इयर' बीसीसीआई को मिला।

इस अवसर पर पीटी उषा, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, बाइचुंग भूटिया, राजीव शुक्ला, कुलदीप यादव, हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और हरलीन देओल समेत कई खेल हस्तियां मौजूद रहीं।

क्रिकेटर मिताली राज को सम्मानित करते मुख्यमंत्री।

अभ्युदय योजना से लहराया परचम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मानसी

अदिति

तनिषा

- महंगी कोचिंग के बिना मिली यूपीएससी में सफलता, तीन बेटियों ने बनाई पहचान

अमृत विचारः प्रदेश की बेटियां अब सपनों को हकीकत में बदल रही हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उनके लिए ऐसा सशक्त मंच बनकर उभरी है, जिसके सहारे वे देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल कर रही हैं। वर्ष 2025 में इस योजना का लाभ लेकर प्रदेश की तीन बेटियों ने उल्लेखनीय सफलता दर्ज कर "नारी तू नारायणी" की भावना को साकार किया है।

खास बात यह है कि इस योजना के तहत बेटियां बिना महंगी कोचिंग के भी बड़ी सफलता हासिल कर रही हैं। अब तक ढाई सौ से अधिक अभ्यर्थी, विशेषकर बेटियां, इस योजना के जरिए सफलता प्राप्त कर प्रशासनिक सेवाओं में स्थान बना चुकी हैं।

गाजियाबाद की मानसी ने सीमित संसाधनों के बावजूद सेल्फ स्टडी और योजना के मार्गदर्शन से 444वीं रैंक हासिल की। झांसी की अदिति सिंह ने 859वीं रैंक पाई और तैयारी के साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों को पढ़ाकर सहयोग भी किया। वहीं आगरा की तनीषा सिंह ने घर से ऑनलाइन तैयारी करते हुए 930वीं रैंक हासिल कर सफलता पाई। इसके अलावा लखनऊ की कीर्तिका सिंह पहले ही इस योजना का लाभ लेकर डिप्टी एसपी बन चुकी हैं और युवाओं के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और विशेषज्ञों के सहयोग से अब बेटियां आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उतर रही हैं।

चुनाव से पहले संगठन को धार देने में जुटी भाजपा

नए चेहरों और जातीय संतुलन पर फोकस, 17 जिलों में अभी फंसा पेंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर संगठनात्मक चर्चा करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह।

अमृत विचारः पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन को मजबूत करने में जुटी है और जिला इकाइयों के गठन को लेकर तेजी से मंथन चल रहा है। पार्टी नए चेहरों को अवसर देने के साथ जातीय समीकरण साधने पर विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन कई जिलों में मतभेदों के कारण अंतिम सहमति बनने में देरी हो रही है।

प्रदेश मुख्यालय पर पिछले दो दिनों में विभिन्न क्षेत्रों की जिला टीमों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। शनिवार को कानपुर और काशी क्षेत्र, जबकि रविवार को अवध क्षेत्र के जिलों पर विचार-विमर्श किया गया। अब तक पांच क्षेत्रों के 82 संगठनात्मक जिलों पर चर्चा पूरी हो चुकी है, लेकिन 17 जिलों में अभी भी पेंच फंसा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, जिन जिलों में नए जिलाध्यक्ष बनाए जाने हैं, वहां संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद सामने आए हैं। पश्चिम क्षेत्र में बागपत, मेरठ, मुरादाबाद और अमरोहा, जबकि ब्रज क्षेत्र में अलीगढ़, आगरा, शाहजहांपुर, हाथरस और मैनपुरी में सहमति नहीं बन सकी है। काशी क्षेत्र में जौनपुर, वाराणसी महानगर, वाराणसी जिला और चंदौली, वहीं अवध क्षेत्र में अंबेडकरनगर, रायबरेली और लखीमपुर में भी प्रक्रिया अटकी हुई है।

हालांकि कानपुर क्षेत्र के सभी 17 जिलों में सहमति बन चुकी है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि मार्च के भीतर सभी जिला इकाइयों का गठन कर लिया जाएगा, ताकि संगठन चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो सके। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत जिला संगठन ही विधानसभा स्तर तक चुनावी जमीन तैयार करेगा और पार्टी के अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा।

बदलाव 160 एसटीपी से रोज 5000 एमएलडी नदियों का पानी हो रहा शुद्ध

प्रदेश में नौ वर्ष में 10 गुना बढ़े एसटीपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में क्षमता 1000 एमएलडी पार करने की तैयारी

अमृत विचारः प्रदेश में नदियों की निर्मलता को लेकर योगी सरकार ने बीते नौ वर्षों में बड़ा बदलाव दर्ज किया है। नमामि गंगे योजना के तहत जहां वर्ष 2017 से पहले मात्र पांच सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित हो पाए थे, वहीं इसके बाद 50 से अधिक नए एसटीपी स्थापित किए गए हैं। इस तरह सीवर शोधन ढांचे के विस्तार की रफ्तार लगभग दस गुना तक बढ़ी है।

वर्तमान में प्रदेशभर में करीब 160 एसटीपी संचालित हैं, जिनके जरिए प्रतिदिन लगभग 5000 मिलियन लीटर (एमएलडी) गंदे पानी का शोधन किया जा रहा है। इससे नदियों में गिरने वाले प्रदूषित पानी को रोकने में बड़ी सफलता मिली है। राजधानी लखनऊ में भी सीवेज शोधन के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। यहां नौ एसटीपी संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 624.50 एमएलडी है। भरवारा, दौलतगंज, हाथी पार्क, वृंदावन और सीजी सिटी जैसे क्षेत्रों में स्थापित इन संयंत्रों के माध्यम से गोमती और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण से बचाया जा रहा है।

नमामि गंगे की उपलब्धियां

*2017 से पहले केवल 5 एसटीपी
*2017 के बाद 50 से अधिक नए प्लांट
*कुल 160 एसटीपी पूरे प्रदेश में संचालित
*रोजाना 5000 एमएलडी पानी का शोधन

लखनऊ का मॉडल

* 9 एसटीपी संचालित, क्षमता 624.50 एमएलडी
*3 प्लांट निर्माणाधीन, 4 प्रस्तावित
*गोमती में जाने से पहले पानी का शोधन
*1000 एमएलडी क्षमता पार करने की तैयारी

इसके अलावा शहर में तीन नए एसटीपी निर्माणाधीन हैं, जिनकी क्षमता 153.50 एमएलडी होगी, जबकि चार अन्य प्लांट प्रस्तावित हैं। इनके तैयार होने के बाद लखनऊ की कुल शोधन क्षमता 1000 एमएलडी से अधिक पहुंचने का अनुमान है। सरकार का फोकस केवल नए प्लांट लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पुराने संयंत्रों के उन्नयन और ट्रीटेड वाटर के पुनः उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है।

नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कॉर्निया प्रत्यारोपण और आई बैंकिंग को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम
- सभी मेडिकल कॉलेज बनेंगे ट्रांसप्लांट सेंटर

अमृत विचार : प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को खत्म करने और नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स की अध्यक्षता संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के चिकित्सा अधीक्षक एवं सोटो यूपी के संयुक्त निदेशक प्रो. राजेश हर्षवर्धन करेंगे।

अपर मुख्य सचिव अमित घोष, आईएएस ने इसकी औपचारिक घोषणा करते हुए कहा कि नई टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में कॉर्नियल दान, आई बैंकिंग और कॉर्निया प्रत्यारोपण की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।

समिति में एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का गुप्ता को सह-अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर की विशेषज्ञ डॉ. शालिनी मोहन सदस्य सचिव और एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा की डॉ. शेफाली मजूमदार संयोजक नियुक्त की गई हैं।

इसके अलावा पीजीआई के नेत्र विभाग के प्रमुख प्रो. विकास कनौजिया, सीतापुर आई हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. मधु भदोरिया, नवोदय आई हॉस्पिटल, वाराणसी के निदेशक डॉ. अभिषेक चंद्रा सहित केजीएमयू और राम मनोहर लोहिया संस्थान के नेत्र रोग विशेषज्ञों को भी सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को पीजीआई में आयोजित 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम के दौरान हुई पैनल चर्चा में इस टास्क फोर्स के गठन का निर्णय लिया गया था।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ स्कंदमाता: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः

रामनवमी के आसपास सभी मंदिरों में होंगे ध्वजारोहण

भाजपा नेता विनय कटियार समेत मंदिर आंदोलन से जुड़े कई बड़े चेहरों को निमंत्रण, 2 को जयंती पर हनुमानजी के उप मंदिर पर भी ध्वजारोहण

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने अन्य मंदिरों पर भी ध्वजारोहण की तिथियां तय कर दी हैं। श्रीरामनवमी के पूर्व से पश्चात तक शेष मंदिरों में ध्वजारोहण कर लिया जाएगा। यह निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक दिवसीय बैठक में लिए गए हैं। यह भी तय किया गया है कि उपमंदिरों के ध्वजारोहण कार्यक्रम में मंदिर आंदोलन के बड़े चेहरे शामिल किए जाएंगे, जिसमें भाजपा के फायरब्रांड नेता व बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार व अन्य प्रमुख रूप से शामिल किए गए हैं।

मणिराम दास छावनी में राम मंदिर संबंधित बैठक करते हुए ट्रस्टी। अमृत विचार

महासचिव चंपतराय ने बताया कि श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माता अन्नपूर्णा मंदिर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के द्वारा ध्वजारोहण संपन्न किया जा चुका है। इसके बाद अब शेष छह उपमंदिरों पर भी ध्वजारोहण की तैयारियां हैं। जिन उपमंदिरों पर ध्वजारोहण होना है, उनमें भगवान सूर्य, माता भगवती, शिवलिंग, गणपति, शेषावतार और हनुमान जी के मंदिर शामिल हैं। इनमें मुख्य रूप से हनुमान जी के मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण का विशेष आयोजन 2 अप्रैल हनुमान जयंती को किया जाएगा। वहीं अन्य पांच उपमंदिरों पर 23 से 31 मार्च के बीच आयोजन संपन्न होंगे। इसके लिए ट्रस्ट सामान्य रूप से समिति लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न करेगा। प्रत्येक आयोजन में लगभग 50 संत, 50 गृहस्थ श्रद्धालु और इंजीनियर व श्रमिकों सहित करीब 200 लोग शामिल रहेंगे।

वहीं दो अप्रैल को हनुमान जयंती पर हनुमान जी के मन्दिर पर ध्वज आरोहित करने के लिए कुछ विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें विनय कटियार, साध्वी ऋतम्भरा, उमाभारती, जयभान पवैया, सुरेन्द्र जैन, कानपुर से प्रकाश शर्मा, प्रयागराज से केशव मौर्य है। ये ऐसे लोग हैं जो मन्दिर आंदोलन को घर घर पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाई है। इसलिए इन्हें बुलाने पर विचार हुआ है।

दो वर्ष में सात करोड़ श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन : राम मंदिर परिसर के संपूर्ण भ्रमण के लिए अभी आम श्रद्धालुओं को और इंतजार करना पड़ सकता है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर परिसर में पैदल ही चलना है। मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 80 हजार तक चलती है। 365 दिनों में अन्य किसी मंदिर में कभी नहीं हुई। दो साल में अनुमानित सात करोड़ लोगों ने दर्शन किया है। परिसर में कहीं पर भी बैरिकेडिंग नहीं है। वर्तमान में देश दुनिया में वातावरण किस तरह है यह समझा जा सकता है। इसलिए सर्वाधिक सुरक्षा में सतर्क रहना पड़ता है। इन सभी बातों का विचार करके ही निर्णय लिया जाएगा। इसके लिए सिर्फ ट्रस्ट ही नहीं बल्कि सीआरपीएफ की भी सहमति चाहिए, इस व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र बैठक में अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, सदस्य महंत दिनेंद्र दास, कृष्ण मोहन, डॉ अनिल मिश्रा, निर्माण समिति के अध्यक्ष व सदस्य नृपेंद्र मिश्र, पदेन सदस्य जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे रहे। बाकी अन्य जगद्गुरु वासुदेवाचार्य, स्वामी तीर्थ प्रसन्नाचार्य, युगपुरुष परमानंद, मुख्य ट्रस्टी के.परासरण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

अब तक के कार्यक्रम पर बनेगी संयुक्त पुस्तिका: राम मंदिर निर्माण में 5 अगस्त 2020 में भूमि पूजन, 22 जनवरी 2024 रामलला के प्राण प्रतिष्ठा, 3,4 और 5 जून 2025 को प्रथम तल पर राम दरबार और अन्य मंदिरों में देवी देवताओं व ऋषि मुनियों के प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा, 25 नवंबर 2025 ध्वजारोहण का आयोजन और 19 मार्च 2026 को श्री राम यंत्र की स्थापना तक के सभी कार्यक्रम हुए हैं। इन पर ट्रस्ट एक संयुक्त पुस्तिका सचित्र प्रकाशित करेगा।

चारों द्वार का होगा वर्चुअल लोकार्पण : राम मंदिर परिसर में प्रवेश के लिए चार प्रमुख द्वार का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें जगद्गुरु रामानंदाचार्य, आद्य शंकराचार्य व रामानुजाचार्य द्वार का निर्माण किया जा चुका है। अभी जगद्गुरु मध्वाचार्य द्वार निर्माणाधीन है। ट्रस्टी चंपतराय ने बताया कि सभी द्वारों का सामूहिक ऑनलाइन लोकार्पण सामान्य कार्यक्रम में होगा।

मेले में सिर ढंक कर आएं, पानी साथ लाएं: रामनगरी में बढ़ते गर्मी को देखते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने राम नवमी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि अपना सिर सफेद रंग के कपड़े से ढक कर ही आएं, इससे गर्मी कम लगेगी। स्वयं पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखें। अपने साथ सत्तू साथ रखें। तली-भुनी चीजों, विशेषकर आलू से बने खाद्य पदार्थ जैसे समोसे से परहेज करें।

निर्माण संस्था व श्रमिकों मिलेगा प्रशस्ति पत्र

श्रीराम जन्मभूमि परिसर में भव्य मंदिर निर्माण कार्य संपन्न करने वाले 6000 श्रमिकों को सम्मान से विदाई दी जाएगी। इसके लिए संस्थाओं के इंजीनियर, अधिकारी व श्रमिकों को सम्मानित करने की योजना बनाई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि बीते कार्यक्रम में श्रमिकों का सम्मान करने की योजना थी, लेकिन यह कार्यक्रम नहीं किया जा सका। अब पुनः सभी को सम्मानित करने के विचार को ट्रस्टियों ने सहमति दी है। इसके लिए ट्रस्ट कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, ट्रस्ट के सहयोगी अयोध्या राजा यतींद्र मोहन मिश्र और निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के द्वारा प्रशस्ति पत्र का प्रारूप तैयार करेंगे, जिसे निर्माण संस्था और अधिकारी इंजीनियर व निर्माण करने वाले श्रमिकों को प्रदान करने के लिए दो तरह से तैयार किया जाएगा। इसे किसी धातु या कागज पर आकर दिया जाएगा। यह चर्चा की जा रही है।

जिंगल बेल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते ग्रामीण बच्चे। अमृत विचार

तकनीकी साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए हुआ प्रोजेक्ट सुपर 60, चयनित होंगे बच्चे

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : तकनीकी साक्षरता को बढ़ावा देने एवं निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति के उद्देश्य से जीबीटीसी ट्रस्ट द्वारा जिंगल बेल अकादमी में प्रोजेक्ट सुपर 60 का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों से 60 प्रतिभाशाली बच्चों का चयन किया जाएगा। चयनित बच्चों को एक डिजिटल डिवाइस उपलब्ध कराई जाती है तथा उन्हें 11 महीनों तक प्रतिदिन 3 घंटे की विशेष ट्रेनिंग दी जाती है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों को कक्षा 6 से 12 तक के फ्री रेजिडेंशियल स्कूलों में प्रवेश के लिए तैयार करना है। डायरेक्टर सौमित्र दूबे ने बताया जिले के लगभग 25 स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा बच्चों को 400 घंटों से अधिक की ऑनलाइन कक्षाएं प्रदान की जा चुकी हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। जीबीटीसी ट्रस्ट कोरोना काल से ही प्रोजेक्ट इनेबल और सुपर 60 के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के सहयोग से बच्चों को निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध करा रहा है। प्रधानाचार्य वीके जोशी ने संस्था का आभार व्यक्त किया।

उपभोक्ताओं पर पावर कार्पोरेशन का चला चाबुक, लोग हलकान

सोहावल, अयोध्या

अमृत विचार : पावर कार्पोरेशन अब उपभोक्ताओं पर बड़ा चाबुक चला रहा है। बिना रीडिंग के अनाप-शनाप बिल का संकट झेल रहे उपभोक्ता अब दोहरे संकट से परेशान हैं। गरीब उपभोक्ताओं की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं अब ऊपर से सभी उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर यानि प्रीपेड के फरमान ने जान सांसत में ला दी है। गरीब उपभोक्ताओं के मनमानी आ रहे बिलो की अदायगी नहीं होने से बिजली विभाग को भारी नुकसान हो रहा था। बोझ कम करने की नीयत से एक मुश्त योजना में ब्याज सहित मूल बकाए में भारी कटौती करने का सरकार ने निर्देश दिया, लेकिन अधिकारियों की अफसर शाही के चलते छूट के हिसाब से मीटर रीडिंग के बिना दुगना तीन गुना बकाया का रजिस्टर कर वेबसाइट पर चढ़ गया। बिल दुरुस्तीकरण के लिए

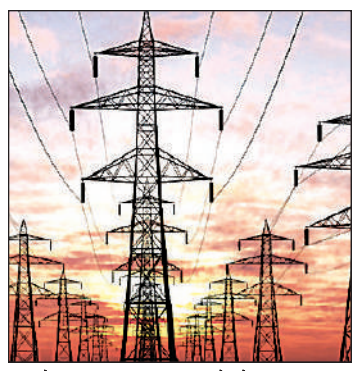

उपभोक्ता अवर अभियंता से लेकर खंड एवं अधिशाषी अभियंता अधिकारी के कार्यालयों के चक्कर काटते रहे, लेकिन कहीं सुनवाई नही हुई। अभी भी सैकड़ों की संख्या में उपभोक्ता परेशान घूम रहे हैं। इस बीच मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बिजली उपभोक्ताओं के मीटरों को प्री पेड स्मार्ट मीटर करने जा रहा है। जिसे लेकर उपभोक्ताओं की नींद उड़ गई है।

चाइनीज मांझे की चपेट में आया नेशनल खिलाड़ी, हालत गंभीर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जीआईसी से वजीरगंज जप्ती ओवरब्रिज पर शुक्रवार की शाम जिला रायफल क्लब से प्रशिक्षण के उपरांत स्कूटी से घर लौट रहे देवकाली निवासी शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी सिद्धार्थ कुमार (15) चाइनीज मांझे की चपेट में आने से घायल गए। इससे उनके गले में गंभीर चोटें आई। फिलहाल इलाज के बाद वह फिर से शूटिंग रेंज में लौट चुके हैं।

घायल सिद्धार्थ।

चाइनीज मांझे से हुए उक्त हादसे महज बानगी भर है। अयोध्या में ऐसे कई हादसे हुए हैं, जिनमें लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं, कुछ का लंबे समय तक इलाज भी चला है। यह हाल तब है जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को हत्या मानकर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में इसकी खरीद-फरोख्त जारी है।

उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन द्वारा बार-बार प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद अयोध्या में चाइनीज मांझे की बिक्री पूरी तरह थम नहीं पाई है। यह घातक मांझा बाजारों, गलियों और गुमटियों पर खुलेआम उपलब्ध है। इससे मासूम बच्चे, राहगीर और दोपहिया वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। शहर में इससे सबसे ज्यादा घटनाएं रीडगंज व जीआईसी ओवरब्रिज पर हो रही है। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी का कहना है कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध है। समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई भी की जाती है। बिक्री करने वाले दुकानदारों के खिलाफ विधिक कार्रवाई भी की जाती है। साथ ही लोगों से अपील भी की जाती है कि वह इसका प्रयोग न करें।

न्यूज ब्रीफ

भूमि पर कब्जा करने का लगाया आरोप

शाहगंज, अयोध्या : तहसील बीकापुर के बेरा गांव निवासी व रिटायर्ड पुलिस निरीक्षक ने अपनी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस में निरीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए सगे भाई आरके पाठक व राम मूर्ति पाठक का आरोप है कि उनके पड़ोसी व उनके परिवार के सदस्य उनकी भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे उनके परिवार में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत थाना इनायतनगर की शाहगंज चौकी पुलिस से की है। चौकी प्रभारी राममूर्ति कनौजिया ने बताया कि जांच करने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सूर्य कुंड पर योग कैंप बना आकर्षण का केंद्र

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम के आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अयोध्या परिक्षेत्र में आयोजित 'श्रीराम पर्व' इन दिनों सांस्कृतिक और सामाजिक जागरूकता का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। वर्ष प्रतिपदा से प्रारंभ हुआ यह भव्य आयोजन जनसहभागिता के साथ निरंतर गति पकड़ रहा है। दर्शन नगर स्थित सूर्य कुण्ड में सात दिवसीय योग शिविर विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। योग भारती के संस्थापक श्रीनिवास मूर्ति के निर्देशन तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. राजपाल के संयोजन में चल रहे इस शिविर में बड़ी संख्या में लोग योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली की ओर अग्रसर हो रहे हैं। आयोजन के सूत्रधार इंजीनियर रवि तिवारी ने बताया कि श्रीराम पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अयोध्या के सर्वांगीण सांस्कृतिक एवं सामाजिक उत्थान का एक व्यापक अभियान है।

विस चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी

फूटा गुस्सा

- रेल फाटक निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

बीकापुर, अयोध्या

अमृत विचार : कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के मरुई सहाय सिंह गांव के पास क्रॉसिंग संख्या 23/ 10 समपार के पास रेल फाटक अथवा अंडरपास निर्माण को लेकर रविवार को ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया। धरने में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद मुस्लिम शेख सहित क्षेत्र के कई जन प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

मरुई सहाय सिंह गांव में रेलवे फाटक निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

अयोध्या-प्रयागराज रेलखंड पर स्थित गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के मरुई सहाय सिंह गांव के पास रेल ट्रैक से गुजरने वाली सड़क पर काफी समय से रेल फाटक अथवा अंडरपास का निर्माण कराए जाने की मांग स्थानीय ग्रामीण कर रहे हैं। दशकों से लंबित मांग पूरी न होने पर रविवार को सुबह ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आसपास गांव के महिलाओं, बच्चों समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण रेल ट्रैक के किनारे एकत्र होकर आक्रोश जताते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग पूरी न होने पर आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान के बहिष्कार का निर्णय लिया। सूचना मिलने के बाद रेलवे के एसआईबी परमहंस चौरसिया मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा बुझाकर आक्रोश शांत कराया। ग्रामीणों द्वारा उन्हें मांग पत्र भी दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इस रेलवे ट्रैक से गुजरने वाली सड़क के आसपास के करीब एक दर्जन गांवों के लोगों के लिए यह सुगम रास्ता है। वर्तमान में रेलवे क्रासिंग के दोनों साइड में रेल विभाग द्वारा बड़े बड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं, जिससे आवागमन बाधित और असुरक्षित हो गया है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में सतीश पाठक, सभापति पाण्डेय, राजकुमार वर्मा, रामजीत यादव, राहुल सिंह, यदुवंश विश्वकर्मा, मुकेश दुबे, सुभाष यादव , धनंजय यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर परिसर में मौजूद लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम। अमृत विचार

आईपीएल के सुपर जायंट्स की टीम ने किया रामलला का दर्शन

अयोध्या कार्यालय : आईपीएल के सुपर जायंट्स टीम के खिलाड़ियों ने रामलला का दर्शन कर जीत का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान टीम के साथ मालिक गोयनका व कप्तान ऋषभ पंत भी मौजूद रहे। दर्शन पूजन के बाद मंदिर के बाहर आते ही खुशी जाहिर की। लखनऊ के स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैच में शामिल होने से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम दर्शन पूजन के लिए पहुंची थी। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतारने के बाद सुरक्षा व्यवस्था के बीच राम जन्मभूमि परिसर पहुंचे खिलाड़ियों का ट्रस्ट ने स्वागत किया। तेज गेंदबाज मयंक यादव, नमन तिवारी, प्रिंस यादव, मुकुल चौधरी, कोच भरत अरुण, हेड कोच जस्टिन लैंगर और टीम के डायरेक्टर टॉम मूडी भी शामिल रहे। राम मंदिर परिसर में आए खिलाड़ियों का स्वागत श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव ने किया। बताया कि टीम के सामूहिक दर्शन के लिए चार दिन पहले ही ट्रस्ट से मुलाकात कर अनुरोध किया था।

राम मंदिर ट्रस्ट ने जारी किया पहला वार्षिक कैलेंडर

वार्षिक कैलेंडर जारी करते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी। अमृत विचार

अयोध्या, अमृत विचार : नव संवत्सर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पहला वार्षिक कैलेंडर जारी किया है, जिसमें वर्ष भर में होने वाले व्रत और उत्सव संबंधित हिंदी तिथियों की जानकारी दी गई हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक मंदिर परिसर में पर्व व त्योहार पर होने वाले आयोजन की जानकारी जुटाई थी। प्रमुख धर्माचार्य से वर्ष भर में होने वाले आयोजन के संबंध में संतों से राय लिया गया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष।

पूराबाजार, अमृत विचार : ब्लॉक प्रमुख संघ के जिला अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का सीतापुर के नैमिषारण्य अतिथि गृह में स्वागत किया। बातचीत की। विश्वास दिलाया कि 2027 की विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2027 में पूरे प्रदेश में कमल खिलाना है। इसके लिए अभी से तैयारी करें।

संत अविमुक्तेश्वरानंद का पुतला फूंका

अयोध्या, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार के विरुद्ध दिए गए आपत्तिजनक बयान के विरोध में शनिवार की शाम को लता मंगेशकर चौराहे पर डॉ. अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में संत अविमुक्तेश्वरानंद का पुतला दहन किया गया। इस दौरान लोगों ने इंद्रेश कुमार का अपमान नहीं सहेगा अयोध्या, राष्ट्रभक्तों का अपमान बंद करो एवं देश विरोधी बयानबाजी मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। डॉ. अनिल ने कहा कि डॉ. इंद्रेश कुमार एक समर्पित राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रीय विचारक हैं। इस दौरान मनु प्रताप सिंह, बालक राम शर्मा, अजय कुमार सिंह, रवि भारती समेत अन्य मौजूद रहे।

ट्रस्ट महासचिव चंपत राय के बड़े भाई का निधन

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के बड़े भाई लाजपत राय (83) का रविवार की भोर में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका अपोलो हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार हरिद्वार में किया जाएगा। भाई के निधन की सूचना पर चंपत राय रविवार की सुबह हरिद्वार के लिए रवाना हो गए हैं।

विकास का हब

अयोध्या में 298 निवेशकों से 23074 करोड़ का एमओयू, 181 निवेशकों को भूमि उपलब्ध, आगे बढ़ रहीं परियोजनाएं

रामनगरी में लीला पैलेस व ताज जैसे होटलों की एंट्री

- पर्यटन सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश, होटल-रिजॉर्ट प्रोजेक्ट्स की भरमार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या में निवेश की बाढ़ आ गई है। रामनगरी अब न केवल आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रही है, बल्कि आर्थिक विकास का नया हब बन चुकी है। विभिन्न क्षेत्रों से अब तक कुल 298 निवेशकों ने एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका कुल निवेश मूल्य 23,074 करोड़ रुपये है। सबसे बड़ी बात यह है कि होटल इंडस्ट्री जगमगा रही है। अब तक लीला पैलेस व ताज जैसे होटलों की अयोध्या में एंट्री हो चुकी है।

यह आंकड़ा निवेश सारथी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों पर आधारित है। इनमें से 181 निवेशकों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इन परियोजनाओं में तेजी से प्रगति हो रही है। ऐसे में लोगों को इसका पूरा-पूरा तेजी से लाभ भी मिलेगा।

जिला उद्योग कार्यालय के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश प्रस्ताव आए हैं। होटल, रिजॉर्ट और गेस्ट हाउस जैसी परियोजनाओं की भरमार है। बड़े-बड़े ब्रांड्स अयोध्या में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। सॉलिटेयर ग्रुप के साथ साझेदारी में ताज होटल और लीला पैलेस जैसे प्रतिष्ठित लक्जरी होटल चेन की एंट्री हो रही है। ये परियोजनाएं न केवल श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करेंगी, बल्कि अयोध्या की पर्यटन क्षमता को कई गुना बढ़ाएंगी। जिले में पर्यटन क्षमता बढ़ने से जहां तेजी से विकास होगा वहीं ठीक-ठाक राजस्व भी प्राप्त होगा।

अयोध्या का विकास मॉडल देश के लिए प्रेरणादायक: अयोध्या अब राम की नगरी' से आगे बढ़कर 'विकास की नगरी बन रही है।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ-साथ आर्थिक उन्नति पर भी बराबर जोर दिया गया। यह निवेश अयोध्या को न केवल धार्मिक महत्व का केंद्र बनाए रखेगा, बल्कि इसे एक समृद्ध, आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करेगा। भविष्य में और अधिक निवेश आने की संभावना है, जो उत्तर प्रदेश को देश का निवेश हब बनाने के सपने को साकार करेगा। अयोध्या का यह विकास मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है।

पर्यटन के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी निवेश का विस्तार

राम मंदिर के उद्घाटन के बाद पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और ये निवेश उसी मांग को पूरा करने के लिए हैं। पर्यटन के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी निवेश का विस्तार हो रहा है। बायो एनर्जी और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में प्रमुख कंपनियां आगे आई हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज कंपनी बायो गैस और संबंधित इकाइयां स्थापित करने जा रही है। इसके अलावा पैक्स इंडस्ट्री, अक्षय शक्ति इंडस्ट्री और रसिक रिफ्रेशमेंट जैसी कंपनियां भी बायो एनर्जी एवं फूड प्रोसेसिंग प्लांट लगा रही हैं। ये परियोजनाएं नवीकरणीय ऊर्जा और खाद्य प्रसंस्करण में आत्मनिर्भरता की दिशा में योगदान देंगी। इन निवेशों से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। स्थानीय युवाओं को कुशल नौकरियां मिलेंगी।

बुलेट की टक्कर से अधेड़ की मौत

बीकापुर, अयोध्या: कोतवाली बीकापुर अंतर्गत अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर चौरे बाजार के पास बुलेट बाइक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान राम सिंगार (48) निवासी माझा सोनोरा थाना हैदरगंज के रूप में हुई। वह शनिवार शाम को साइकिल से चौरे बाजार गए थे। प्रयागराज हाईवे पार करते समय हादसा हुआ। दुर्घटना के बाद बुलेट भी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई, जिससे बाइक चालक युवक भी जख्मी हो गया। घायल को सीएचसी बीकापुर पहुंचाया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार,23 मार्च 2026 **अयोध्या**

न्यूज ब्रीफ

ईद मिलन पर दो पक्षों में विवाद,केस दर्ज

मवई, अयोध्या : मवई थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव में ईद मिलन के दौरान हुए विवाद के मामले में पुलिस ने इम्बिसात अहमद की तहरीर पर असलाफ हुसैन उर्फ शानू के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। शांति भंग की आशंका में इम्बिसात अहमद के बेटे का दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत चालान किया गया है। 21 मार्च को ईद की नमाज के बाद गांव में मुबारकबाद देने के दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी, जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। इम्बिसात की तहरीर के आधार पर पुलिस ने असलाफ हुसैन उर्फ शानू के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी सुरेश कुमार पटेल ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

डॉ. दिवाकर सिंह को मिला साइंटिस्ट आफ द ईयर अवार्ड

कुमारगंज, अयोध्या : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के जीव रसायन विभाग कृषि महाविद्यालय में कार्यरत सह प्राध्यापक डॉ दिवाकर सिंह को शिमला में आयोजित 13वीं अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दौरान साइंटिस्ट ऑफ द इयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. दिवाकर ने एक्सोजेनस एप्लीकेशन ऑफ ब्रासिनोस्टेरॉइड एनहांसेस यील्ड एंड क्वालिटी ऑफ़ टोमेटो (सोलेनम लाइकोपरसिकम एल.) विषय पर अपने शोध पत्र की मौखिक प्रस्तुति दी।कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह व कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ प्रतिभा सिंह सहित कृषि महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 72 का इलाज

बीकापुर, अयोध्या : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चौरे बाजार और कोछा में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। चौरे बाजार में प्रभारी चिकित्साधिकारी मोहम्मद इरशाद, फार्मासिस्ट कनिक राम चौधरी, और लैब टेक्नीशियन संतोष, स्टाफ नर्स प्रतिभा, एएनएम सीमा आदि ने 40 मरीजों का रजिस्ट्रेशन करके दवा वितरित की। अधिकतर मरीज मौसमी जुखाम, बुखार और सांस की बीमारी से पीड़ित थे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोछा में महिला चिकित्सक डॉ अंजली गुप्ता, फार्मासिस्ट दुर्गेश पांडे, वार्ड बॉय रईश हैदर, लैब टेक्नीशियन मोहम्मद शईद ने 32 मरीजों को चिकित्सीय सलाह व दवा दी।

जिले में सौहार्द के साथ मनाई गयी ईद, दुआ के लिए उठे हाथ

कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को मनाया गया पर्व, शहर से गांवों तक छाया रहा उल्लास, शिया समुदाय ने काली पट्टी बांधकर अदा की ईद की नमाज

अयोध्या कार्यालय

ईदगाह सिविल लाइन में शनिवार को ईद की नमाज़ अदा करते लोग। अमृत विचार

ईद की मुबारक बाद देते भदरसा चेयरमैन मोहम्मद राशिद।

अमृत विचार : ईद का पावन पर्व बेहद सौहार्द और सद्भाव के साथ शनिवार को जिले भर में उल्लास के साथ मनाया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई तो मुल्क में भाईचारे के लिए दुआ को हाथ उठे। लोगों ने एक दूसरे से गले मिल कर मुबारकबाद दी। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर और आलमे इंसानियत के अलमबरदार शहीद अयातुल्लाह सैय्यद अली हुसैनी खामनेई की शहादत पर शिया समुदाय ने काली पट्टी बांध कर ईद की नमाज अदा की और खुशी के इजहार से परहेज किया।

ईद की प्रमुख नमाज सिविल लाइन स्थित ईदगाह में शनिवार नौ बजे हुई जहां बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। इस मौके पर जामा मस्जिद टाटशाह के पेश इमाम शहर मुफ्ती मौलाना शमशुल कमर कादरी ने ईद की नमाज़ पढ़ाई। अपने खुतबे में उन्होंने ईरान और इजराइल के बीच युद्ध को लेकर शांति की अपील करते हुए कहा कि युद्ध सदा समाज और इंसानियत के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि शहीद सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनाई की शहादत पर सभी लोग गमगीन हैं।

सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व विधायक तेज नारायण पांडेय, मंडलायुक्त राजेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर समेत तमाम जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुसलमानों को ईद की बधाई दी। वहीं इमामबाड़ा जवाहर अली खां स्थित जामा मस्जिद में मौलाना इमामें जुमा मौलाना अहमद अली आब्दी ने ईद की नमाज पढ़ाई। अपने खुतबे में उन्होंने कहा कि अमेरिका जिस तरह से हस्ताक्षेप कर ईरान के खिलाफ है वह मानवाधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि समुदाय के लोग हर स्तर पर अपना विरोध प्रकट करते रहें।

चौक की मस्जिद हसन रज़ा खां में वसीका अरबी कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रख्यात मौलाना मोहम्मद मोहसिन ने नमाज़ अदा कराई। उन्होंने कहा कि हम लोग आज बहुत ही सादगी के साथ नमाज अदा कर रहे हैं और काली पट्टी बांधकर विरोध कर रहे हैं। मोती मस्जिद खजूर वाली मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों में शिया मुसलमान ने काली पट्टी बांधकर बड़े ही सादगी के साथ ईद की नमाज अदा की।

रुदौली में भी सौहार्द के साथ मनाया गया पर्व : रुदौली: जामा मस्जिद नेवरा के इमाम मौलाना कामिल हुसैन नदवी ने नमाज़ से पहले तकरीर करते हुए कहा कि मोहब्बत, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देता है। मरकजी ईदगाह नेवरा में ईद-उल-फितर की नमाज़ हाफिज मुईनुद्दीन अंसारी की इमामत में अदा की गई। इलाकाई ईदगाह रुदौली, भेलसर, ऐहार,सैदपुर, मवई, ईदगाह बरतरा, अशर्फियां ईदगाह मांजनपुर, मस्जिद बिलाल जैसुखपुर, ईदगाह सण्डवा, ईदगाह मखदूमपुर, मस्जिद सज्जादिया रानीमऊ, ईदगाह पैग़म्बर नगर, मस्जिद सैयदना बिलाल पारोली और नूरानी मस्जिद नेवरा समेत आसपास के सभी स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने समय से पहुंचकर नमाज़ अदा की। यहां भी शिया समुदाय ने काली पट्टी बांध कर ईद की नमाज़ अदा की।

पूराबाजार में एक दूसरे से गले मिल दी बधाई

पूराबाजार, अयोध्या, अमृत विचार : कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद का पर्व क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया। ईदगाहों पर नमाज अदा के साथ एक दूसरे से गले मिलकर लोगों ने ईद की मुबारकबाद दी। विकासखंड पूरा बाजार के बिलारी शरीफ पर गाड़ी नसीम चांद बाबू ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दिया। नगर पंचायत भारत कुंड भदरसा के चेयरमैन मोहम्मद राशिद ने भदरसा आवास पर आने वाले लोगों से सुबह से ही गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दिया। क्षेत्र के सराय चैमल,भगवाभीट, नरायनपुर, रसूलाबाद हंस जलालुद्दीन नगर में ईद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान थाना अध्यक्ष महाराजगंज राजेश सिंह सहित पुलिस की टीम तैनात रही।

मिल्कीपुर इलाके में हर्षोल्लास से ईद का त्योहार मनाया गया

बारुन, अयोध्या : मिल्कीपुर क्षेत्र के खिहारन, मेहदौना, मीठेगाँव, खजुरी मिर्जापुर, अरमारुपीपुर, परसौली, अलीपुर खजुरी आदि गांवों की ईदगाह में अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की गई। खिहारन ईदगाह में सुबह 8 :45 बजे मौलाना पेश इमाम हिदायतुल्लाह कादरी ने नमाज पढ़ाई। खिहारन स्थित मदरसा दारुल उलूम रजाए मुस्तफा में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संयोजक मौलाना हिदायतुल्लाह कादरी, भाजपा नेता एवं ग्राम प्रधान अजीत मौर्य, राजकुमार यादव, विश्राम रावत, इंद्रजीत बीडीसी, रामअंजोर रावत, सभाराज मौर्य, राजेंद्र शर्मा, हाफिज असलम रजा कादरी , रवीउल्ला आदि मौजूद रहे।

सशक्त किशोरी थीम पर निकाली पदयात्रा

अयोध्या कार्यालय

किशोरी को सम्मानित करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान फेज पांच के द्वितीय चरण के तहत रविवार को आरोही संस्थान की किशोरियों द्वारा सशक्त किशोरी, सशक्त समाज की ओर एक कदम थीम पर एक पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 500 किशोरियों ने भाग लिया।

नंसा बाजार में यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ बीकापुर पीयूष पाल, प्रभारी निरीक्षक तारुन देवेंद्र पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख तारुन सुशीला व सीएचसी अधीक्षक डॉ. अंशुमान गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर किया। नंसा बाजार से निकली यह पदयात्रा करीब सात किमी की दूरी तय कर तारुन थाने पहुंची। रास्ते में ग्राम सहसीपुर में नूर मोहम्मद द्वारा किशोरियों के लिए जलपान की व्यवस्था कर स्वागत किया गया। थाने के प्रवेश द्वार पर पुलिस कर्मियों द्वारा यात्रा में शामिल किशोरियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। थाने पर आरोही संस्थान व थाना तारुन की मिशन शक्ति टीम व किशोरियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

शालिनी द्वारा स्वागत गीत व एकता द्वारा मिशन शक्ति पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया गया। साथ ही एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसमें आरोही संस्थान की कोर पीयर लीडर फेलोज पिंकी, मौसम, शालिनी, सोनाली, अंशिका एवं अन्य किशोरियों ने भाग लिया। पुलिस अधिकारियों द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया व मौजूद बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव, घरेलू हिंसा के विरुद्ध कानून और विभिन्न सरकारी हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090, 181, 108, 1098, 112, 1930 के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान एसपी ग्रामीण ने लक्ष्मी, प्रेमलता, अनुष्का, शालू, अनन्या, मीनाक्षी व एकता को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

लोक अदालत के जनक थे बाबू शिवदयाल : प्रदीप

संवाददाता बारुन, अयोध्या, अमृत विचार : मिल्कीपुर क्षेत्र के सारी अजयनगर चौराहे पर रविवार को चौरसिया समाज ने जागरुकता कार्यक्रम और लोक अदालत के जनक बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया का जयंती पखवाड़ा मनाया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप चौरसिया ने पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को लोक अदालत का जनक बताया, कहा कि उन्होंने वंचित समाज को अधिकार दिलाने के लिए सदैव संघर्ष किया,इस कारण उन्हें पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक उत्थान के लिए गठित काका कालेलकर आयोग का सदस्य भी बनाया गया। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि डॉ. अशोक चौरसिया, डॉ. सूर्या चौरसिया ने तथा मुख्य वक्ता सुधीर चौरसिया, संयोजक लाल चन्द्र चौरसिया,डॉ. रवि कुमार चौरसिया, रितेश चौरसिया अंगद, राम सूरत चौरसिया सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद चौरसिया ने तथा संचालन संतोष कुमार गुप्ता ने किया।

राजस्थान के पत्रकारों ने किया अयोध्या भ्रमण

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को स्मृति चिन्ह भेंट करते राजस्थान के पत्रकार।

अयोध्या, अमृत विचार : भारत सरकार की डेवलपमेंट कम्युनिकेशन एंड इंफॉर्मेशन डिसेमिनेशन योजना के तहत राजस्थान के पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या की विभिन्न विकास परियोजनाओं, आधारभूत अवसंरचना के विस्तार और शहरी सुविधाओं को देखा। सड़कों के चौड़ीकरण, शहर के सौंदर्यीकरण, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं में किए गए उल्लेखनीय सुधारों की जानकारी भी ली। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम निखिल टीकाराम फुंडे से शिष्टाचार भेंट की। डीएम ने यहां चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं, उनके क्रियान्वयन, जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के बारे में जानकारी दी।

विहिप संस्थापकों में रहे ओपी मदान का निधन

अयोध्या, अमृत विचार : विश्व हिन्दू परिषद के संस्थापक सदस्यों में रहे वरिष्ठ समाजसेवी व प्रसिद्ध उद्योगपति ओमप्रकाश मदान का रायपुर छत्तीसगढ़ में आकस्मिक निधन हो गया। अयोध्या से फोन पर उनके बड़े पुत्र विशाल मदान से वार्ता के बाद विश्व प्रकाश रूपन ने बताया कि पंचायत के मुखिया व पंचगणों व परिवार व शुभचिंतकों से चर्चा के बाद अंतिम संस्कार का कार्यक्रम तय होने पर उसे अपनों के बीच जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि ओम प्रकाश मदान अवध विश्वविद्यालय के साकेत महाविद्यालय के प्रभावशाली छात्र नेता, विश्व हिन्दू परिषद के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, लायंस क्लब व अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़ कर समाज के पीड़ित वर्ग के लिए खड़े होने वाले शख्स थे। छत्तीसगढ़ में एक उद्योगपति के रूप में उन्होंने खासी सफलता प्राप्त की।

मौसम में बदलाव, सुबह-शाम ठंड का अहसास

अयोध्या, अमृत विचार : बीते तीन दिनों से मौसम में आए बदलाव के चलते फिर से सुबह शाम ठंड का एहसास हो रहा है। तापमान भी सामान्य के आसपास दर्ज हो रहा है। वहीं, रविवार को भी आसमान में बादल छाए रहे, दोपहर में कुछ देर के लिए धूप भी खिली, लेकिन ठंडी हवाओं ने मौसम को खुशनुमा बनाए रखा। आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिकी के मौसम वैज्ञानिक डॉ अमरनाथ मिश्र ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव हुआ था। इसका असर तीन दिन रहा। अब आगे मौसम शुष्क बना रहेगा। रविवार को अधिकतम तापमान 31 .5 (सामान्य) व न्यूनतम 15 .0 (सामान्य) डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

आंधी व बारिश में ढह गया मजदूर का घर

सोहावल अयोध्या : आंधी व बारिश में हूंसेपुर गांव के मजदूर राजेंद्र कुमार का कच्चा घर ढह गया। कमरे में सो रहे पांच बच्चे संग पत्नी रीना देवी को लेकर आनन-फानन में घर से बाहर निकल गए। बड़ी घटना होने से बच गई, लेकिन तहसील प्रशासन को घटना के दो दिन बाद भी मामले की जानकारी नहीं हो पाई। घर में रखा खाने पीने का सामान नष्ट हो गया। वैकल्पिक आवास न होने से परिवार जर्जर मकान में पन्नी डाल जान जोखिम में डालकर दो दिन से रहने पर विवश है। पीड़ित पत्नी रीना देवी ने वैकल्पिक व्यवस्था कराने के मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

सूर्यवंश क्षत्रिय महापंचायत को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल।

समाज को संस्कारयुक्त शिक्षा देकर बढ़ाएं आगे

पूराबाजार, अयोध्या : सूर्यवंश उत्थान समिति के तत्वावधान में भगवान बक्श सिंह व विधायक अभय सिंह के आयोजन में राजेपुर में बस्ती व अयोध्या सहित आधा दर्जन जिलों में बसे 121 गांव के सूर्यवंश क्षत्रियों को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल सिंह ने कहा कि क्षत्रिय अपने रक्षा धर्म का पालन करते हुए बच्चों को संस्कार युक्त उच्च शिक्षा दिलाएं, ताकि बच्चे आगे चलकर माता-पिता के साथ साथ क्षेत्र व देश का नाम रोशन करें। आपसी झगड़े पंचायत के माध्यम से हल करें। जिससे धन व समय की बचत हो सके। समाज के लोग रक्षा धर्म का पालन करें। अन्य लोगों की सहायता एवं सहयोग कर आगे बढ़े। आयोजक विधायक अभय सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कहा कि इस तरह के आयोजनों से आपसी भाईचारा बढ़ता है। समाज के लोगों से आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलता है। आग्रह किया कि उन्हें समाज में कार्य करने का अवसर दें जिससे वे उसे पूरा कर सकें। बस्ती जिले के समाज के अध्यक्ष प्रमोद सिंह ने कहा आज के दौर में समाज में एकता का महत्व है हम एक दूसरे का विरोध न करके एक जुट होकर आगे बढ़ें। हरैया विधायक अजय सिंह ने कहा कि समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उन्हें आर्थिक सहायता दी जाए। अध्यक्षता गुरु प्रसाद सिंह व संचालन लाल साहब सिंह ने किया। महापंचायत में राम प्रगट सिंह ,अरविंद सिंह, जीत बहादुर सिंह डॉ एमपी सिंह, राजेश सिंह, विश्वनाथ सिंह, अवधेश सिंह, संतोष सिंह ,रणधीर सिंह लल्ला, सुशील सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ : धर्मेंद्र

पूराबाजार, अयोध्या: कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होता है। कार्यकर्ताओं के सम्मान की सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी है। यह विचार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने पूराबाजार के एक पैलेस में भाजपा पूरा मंडल से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण को संबोधित कर रहे थे। इसके पहले उद्घाटन सत्र का प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने सामूहिक रूप से किया। नगर विधायक ने कहा कि कार्यकर्ताओं के सम्मान में कोई कोर कसर नहीं रखा जाएगा। कार्यक्रम में दिनेश कुमार मिश्रा, कपिल देव वर्मा, रामप्रीत वर्मा, देवता प्रसाद पटेल, शंभूनाथ सिंह दीपू,अरविंद सिंह, प्रदीप सिंह, अमित तिवारी, वरुण चौधरी सहित अन्य लोग थे।

132 मातृ शक्तियों का किया सम्मान

मां कामाख्या धाम महोत्सव में उत्कृष्ट कार्य करने वाली नारी शक्तियों के साथ मुख्य अतिथि महिला आयोग सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या व विधायक रामचंद्र यादव।

मवई, अयोध्या: मां कामाख्या धाम महोत्सव के दूसरे और तीसरे दिन सामाजिक सरोकार व लोकसंस्कृति का भव्य संगम देखने को मिला। महोत्सव में आयोजित कार्यक्रमों में क्षेत्रभर से आए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। द्वितीय दिवस शनिवार को मां कामाख्या आत्मनिर्भर नारी सम्मान व संगोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ प्रियंका मौर्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनेंगी, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 132 मातृशक्तियों को 'नारी शक्ति सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। मुख्य संरक्षक एवं रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को देवी स्वरूप माना गया है। महोत्सव के माध्यम से मातृशक्ति को सम्मानित कर समाज में सकारात्मक संदेश दिया जा रहा है।मां कामाख्या धाम न्यास के अध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन नारी सम्मान और सामाजिक जागरूकता को समर्पित है।

25 को भोजपुरी अभिनेता निरहुआ देंगे प्रस्तुति: तृतीय दिवस पर सरस मेले के साथ स्वास्थ्य मेले का भी आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मेले में चिकित्सकों की टीम ने लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। रक्तचाप, शुगर सहित विभिन्न जांचें की गईं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक गायक व उनकी टीम ने लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। पारंपरिक धुनों पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे। महोत्सव न्यास के अध्यक्ष रविकांत तिवारी मोनू ने बताया कि भोजपुरी कलाकार व पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ 25 मार्च को मां कामाख्या धाम महोत्सव में शिरकत करेंगे।

राहत एक अप्रैल से शुरू हो रहे नए शैक्षिक सत्र को लेकर अभियान में नई पहल

अब प्रवेश में बाधा नहीं बनेंगे आधार व जन्म प्रमाण पत्र

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : आगामी एक अप्रैल से शुरू हो रहे नए शैक्षिक सत्र 2026-27 में परिषदीय विद्यालयों में अधिक से अधिक संख्या में बच्चों के प्रवेश के लिए बड़ी राहत दी जा रही है। आगामी सत्र में नए प्रवेश के लिए आधार कार्ड और जन्म तिथि प्रमाण पत्र की बाधा नहीं रहेगी। शासन की ओर से जारी निर्देश के तहत अभिभावकों को इसके लिए छूट प्रदान की जाएगी। अभिभावकों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ही विद्यालयों में प्रवेश दिया जाएगा। हालांकि यह व्यवस्था अभी परिषदीय विद्यालयों के लिए है निजी स्कूलों को लेकर अलग से कोई गाइडलाइन नहीं जारी की गई है।

जानिए, अभियान के प्रमुख बिंदु

- **परिवार सर्वेक्षण :** शिक्षक अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वे करेंगे और वंचित व कामकाजी बच्चों को चिन्हित कर उनका नामांकन कराएंगे।
- **जनजागरुकता :** रैली, प्रभात फेरी और प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा।
- **बालिका शिक्षा :** शिक्षा से वंचित बालिकाओं को प्राथमिकता के आधार पर नामांकित किया जाएगा।
- **दिव्यांग बच्चे :** विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जाएगी।
- **विद्यालय वातावरण :** स्कूलों को स्वच्छ और आकर्षक बनाकर नामांकन बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।
- आंगनबाड़ी से कक्षा एक, कक्षा पांच से छह और कक्षा आठ से नौ में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा।

"इस बार नामांकन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। अभिभावकों से अपील है कि वे अपने बच्चों का नामांकन नजदीकी विद्यालय में अवश्य कराएं।"

-लालचंद,बीएसए

बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद ने बताया कि सभी प्रधानाध्यापकों और इंचार्ज प्रधानाध्यापकों को निर्देश जारी कर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने ड्रॉपआउट और आउट ऑफ स्कूल बच्चों को चिन्हित कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। अभियान के तहत एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसमें रैलियां, प्रभात फेरियां और दीवार लेखन के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों का नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सरकार की उपलब्धियों को लेकर लगाई प्रदर्शनी

अयोध्या कार्यालय: प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ साल और केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सर्किट हाउस आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विभागों से संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में सरकार से पिछले वर्षों में किए गए कार्यों को चित्रों, चार्ट्स और डिजिटल माध्यमों के जरिए प्रस्तुत किया गया, जिससे आमजन को योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिल सके। महापौर ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। इसके तहत सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

हर्षोल्लास से हुआ गणगौर प्रतिमा का विसर्जन

भेलसर रुदौली में गणगौर प्रतिमा विसर्जन के दौरान मारवाड़ी समाज की महिलाएं।

भेलसर, अयोध्या : चैत्र शुक्ल तृतीया को नगर में हर्षोल्लास के साथ प्रवासी राजस्थान परिवारों द्वारा गणगौर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। राजस्थान के इस प्रमुख पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में मारवाड़ी समाज के लोगों और महिलाओं ने शोभायात्रा में सहभागिता की। गणगौर का पर्व चैत्र शुक्ल तृतीया को मनाया जाता है, इसे गौरी तृतीया भी कहते हैं।होली के दूसरे दिन से जो कुमारी और विवाहित और नवविवाहित महिलाएं प्रतिदिन गणगौर पूजती हैं। विवाह के बाद अपनी पहली गणगौर पूज रही जिज्ञासा खेतान ने बताया कि चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। इसके बाद दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। इस व्रत को करने से कुवांरी लड़कियों को उत्तम पति मिलता है और सुहागिनों का सुहाग अखण्ड रहता है। इस अवसर पर मारवाड़ी समाज की सारिका खेतान, मोनिका खेतान, सुधा शर्मा, सारिका शर्मा, सुमन और ममता सिंघाई , गीता और संगीता सुलतानियां, प्रभा और रचना डालमिया उपस्थित रहीं।

एपीएल में चमका आईपीएल सितारा 69 गेंदों में बनाए नाबाद 195 रन

गोमती थंडर की ओर से खेलते हुए आरसीबी के स्वास्तिक ने जड़े 21 छक्के और 11 चौके

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचारः अयोध्या प्रीमियर लीग (एपीएल) टी-20 में रविवार को गोमती थंडर टीम की ओर से खेलते हुए आईपीएल की आरसीबी के खिलाड़ी स्वास्तिक चिकारा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 69 गेंद में 195 रन ठोक डाले। उसने मैदान पर चौके छक्कों की बरसात करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। उसने अपनी पारी में 21 छक्के और 11 चौके लगाए। वहीं पांच छक्के व 12 चौके की मदद से प्रियांशु ने 100 रनों की शतकीय पारी खेली। 20 ओवर के मैच में गोमती थंडर ने हिंडन टाइटन के खिलाफ बिना विकट खोए 307 रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया। एपीएल के आयोजन सचिव उमेर अहमद ने स्वास्तिक व अंश को मैन ऑफ द मैच के रूप में पुरस्कृत किया।

एपीएल के लीग मुकाबले में पुल शॉट लगाते एपीएल खिलाड़ी स्वास्तिक चिकारा।

डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल के क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को दो लीग मैच खेले गए। इस पहला मैच बेहद रोमांचक रहा। इस मैच में गोमती टीम ने बिना विकेट खोए 20 ओवरों में 307 रनों का विशाल स्कोर हिंडन टाइटन के सामने खड़ा कर दिया। गोमती टीम के स्वास्तिक चिकारा ने धुंआधार 21 छक्के और 12 चौकों की बारिश करते हुए 69 गेंदों पर अविजित 195 रन और प्रियांशु पांडेय ने 52 गेंदों पर पांच छक्के व 12 चौकों की मदद से नॉट आउट 100 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। जवाब में हिंडन टाइटन टीम 19.3 ओवरों में 218 रनों पर सभी विकेट खोकर सिमट गई। टीम के शेखर ने 68, विकास ने 25, कुशाग्र ने 24 रन टीम में जोड़े। गोमती के रितिक व वनिन्द्र ने तीन-तीन, प्रभाकर, आतिफ ने दो-दो विकेट लिया। गोमती टीम के स्वास्तिक मैन ऑफ द मैच रहे। दूसरे मुकाबले में मनोरमा वारियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट खोकर 191 रन बनाए। इसमें अंश ने 89, अमन ने 58 रनों का योगदान दिया। चंबल चार्जर्स टीम के शुभम शर्मा ने दो व शुभम यादव ने एक विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी चंबल चार्जर्स टीम निर्धारित ओवरों में दो विकेट के नुकसान पर 165 रन बना सकी। प्रशांत ने 58, सौरभ ने 48 व आदर्श ने 42 रन का सहयोग दिया। मनोरमा टीम के सोनू व पारस ने एक एक विकेट लिया। अंश मैन ऑफ द मैच रहे।

आल इंडिया ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाली अवध विवि की खिलाड़ी।

ताइक्वांडो में मानसी व गायत्री ने जीता मेडल

अयोध्या, अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो महिला प्रतियोगिता में सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। उड़ीसा के बालासोर में फकीर मोहन यूनिवर्सिटी में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी ताइक्वांडो महिला प्रतियोगिता में ताइक्वांडो के क्योरगी इवेंट के 57 किलोग्राम भार वर्ग में मानसी विष्ट ने कुशल खेल क्षमता का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया। वहीं प्रतियोगिता के समापन से पूर्व क्योरगी इवेंट के 53 किलोग्राम भार वर्ग में गायत्री शुक्ला ने अवध विश्वविद्यालय को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। ऑल इंडिया ताइक्वांडो इंटर यूनिवर्सिटी महिला प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन करने पर कुलपति कर्नल डॉ.बिजेंद्र सिंह ने सभी पदक प्राप्त एवं उच्च प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा की महानगर व जिला कमेटी घोषित

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने महानगर और जिला कमेटी की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति के बाद सूची जारी कर दी गई। महानगर कमेटी में उपाध्यक्ष तिलकराम मौर्य, रामप्रीत वर्मा, रवि शर्मा, शशि प्रताप सिंह, बालकृष्ण वैश्य, रीना द्विवेदी, अरविंद सिंह व हरिभजन गौड़ को बनाया गया है। महामंत्री के पद पर शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र व शिवेन्द्र सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंत्री प्रवीण दुबे, प्रदीप यादव, रवि सिंह, शिवम शुक्ला, स्वाति सिंह, गरिमा मौर्य, सर्वज्ञ सिंह व विपिन सिंह को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष विनय निषाद बनाए गए हैं। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि महानगर मीडिया प्रभारी का दायित्व अमित कुमार मिश्र को सौंपा गया है। सह-प्रभारी जय प्रकाश श्रीवास्तव को बनाया गया है। कार्यालय प्रभारी व्यंकटेश नारायण मिश्र बनाए गए हैं। सोशल मीडिया प्रभारी दिनेश कनौजिया व चंदन कसौरा तथा आईटी प्रमुख शुभम श्रीवास्तव व सह-आईटी प्रमुख ओमेश अग्रहरि को बनाया गया है। जिला कमेटी में उपाध्यक्ष के रूप में कृष्ण कुमार पाण्डेय 'खुन्नू', राम मोहन भारती, अखंड प्रताप सिंह, सरोज मिश्र, ऋषिकेश वर्मा, सुमन पासवान, लाल चन्द्र चौरेसिया व राजीव कुमार तिवारी को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री के रूप में अशोक कसौधन, राघवेन्द्र पाण्डेय व शिवानंद सिंह को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री के रूप में अशोक वर्मा, अनुज सिंह, तेज तिवारी, देवेंद्र सिंह, मंजू निषाद, वीरसेन काका, शांति देवी व अभिषेक यादव को दायित्व सौंपा गया है। जिला कोषाध्यक्ष शेखर गुप्ता को बनाया गया है। जिला मीडिया प्रभारी सुशील मिश्र और सह प्रभारी पुष्कर मिश्र बनाए गए हैं। आईटी संयोजक अतुल मिश्र, सह संयोजक अजीत सिंह व दिवाकर पाण्डेय बनाए गए हैं।

समाजसेवी ने पूरा किया संकल्प

कथा व्यास से आशीर्वाद लेते समाजसेवी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव।

अयोध्या कार्यालय : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के संकल्प को लेकर वर्षों तक प्रतीक्षा करने वाले समाजसेवी सुरेश यादव का सपना आखिरकार साकार हो गया है। मंदिर निर्माण पूर्ण होने की खुशी में उन्होंने नया घाट स्थित सरयू तट पर चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आठ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा और माता सरयू के विधिवत पूजन का आयोजन किया। समाजसेवी सुरेश यादव ने वर्षों पूर्व यह संकल्प लिया था कि जब प्रभु श्री राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, तब वे मां सरयू के सान्निध्य में भव्य कथा का आयोजन करेंगे। इसी क्रम में उन्होंने विधि-विधान से सरयू माता का पूजन-अर्चन किया और आरती उतारकर कथा व्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं, जिससे पूरा वातावरण राममय हो गया है। सुरेश यादव केवल धार्मिक कार्यों में ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी सदैव तत्पर रहते हैं।

रामकथा में दिखा आस्था व श्रद्धा का संगम

पूराबाजार, अयोध्या : सरायराशी में श्रीराम कथा महोत्सव में भक्ति, आस्था का संगम देखने को मिला। कथा व्यास स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज से मर्यादा पुरुषोत्तम की कथा सुनकर सभी श्रद्धालु भावविभोर हो गए। श्री राम कथा महोत्सव में कथा श्रवण के लिए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय, सांसद अलीगढ़ सतीश गौतम, एमएलसी बाराबंकी अंगद सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अंबेडकर नगर रमाशंकर सिंह, पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य विजय विक्रम सिंह, पूज्य महंत हनुमानगढ़ी बलराम दास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा का रसपान किया। मुख्य यजमान आलोक कुमार सिंह रोहित व जिपं अध्यक्ष रोली सिंह ने आरती उतार कथा व्यास स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज को व्यास गद्दी तक पहुंचाया।

शहीद भगत सिंह संदेश पुस्तिका का विमोचन

अयोध्या, अमृत विचार : जनवादी लेखक संघ के तत्वावधान में शायर मुजम्मिल फ़िदा के आवास पर आयोजित ईद मिलन के मौके पर 'शहीद भगत सिंह संदेश' पुस्तिका का विमोचन वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा किया गया। वरिष्ठ आलोचक डॉ रघुवंशमणि ने शहीद भगत सिंह की वैचारिक परिपक्वता और उनकी विचारधारा को रेखांकित किया। कवि प्राध्यापक डॉ विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि एक क्रांतिकारी के रूप में भगत सिंह युवाओं के लिए सदैव एक अमर प्रेरणा के रूप में मौजूद रहेंगे। चिंतक आर डी आनंद और आशाराम जागरथ ने मौजूदा समय में भगत सिंह के विचारों की ज़रूरत पर बल दिया। शायर एडवोकेट रामजीत यादव बेदार की अध्यक्षता में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कवि डॉ नीरज सिन्हा नीर के संचालन में हुई कवि गोष्ठी में चिंतक कवि आर डी आनंद, मुज़म्मिल फ़िदा, आशाराम जागरथ, राजीव श्रीवास्तव आदि ने कविताओं की प्रस्तुति की।

दिव्यांगों की सेवा सबसे सर्वश्रेष्ठ : वेद प्रकाश

अयोध्या कार्यालयः अग्रवाल भवन ट्रस्ट द्वारा कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पांच असहाय एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को कृत्रिम पैर प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगों की सेवा सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल भवन ट्रस्ट सदैव समाजसेवा के लिए तत्पर रहता है। डॉ. अतुल वर्मा ने कहा कि अब एडवांस टेक्नोलॉजी के अंग प्रदान किए गए हैं। डॉ आशीष श्रीवास्तव एवं डॉ अनिल कुमार के सहयोग से ट्रस्ट अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, संयोजक संजीव गोयल, महामंत्री अरुण कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अमित केडिया ने रामकिशुन, विजय बहादुर, गौरीशंकर, गुड़िया को वितरण किया गया। ट्रस्टी आशीष गर्ग, रविन्द्र अग्रवाल, मुकेश सर्राफ, राम बाबू अग्रवाल, रिषिकेश अग्रवाल, मोहनलाल अग्रवाल, मक्खन लाल झुनझुनवाला, अनिल अग्रवाल, एकता अग्रवाल, आशा केडिया, वंदना अग्रवाल, निशा गोयल उपस्थित रहीं। अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने सभी का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

आंबेडकर प्रतिमा स्थापना पर विवाद, एसडीएम ने रोका काम

- पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया, पीएसी बल की तैनाती

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद के जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के मखदूमपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की नई प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास को लेकर तनाव उत्पन्न हो गया। ग्राम पंचायत के मिलजुला गाटा संख्या 356 पर प्रतिमा के लिए नींव की खुदाई शुरू की गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। बता दें कि रविवार को आबादी से सटे मिलजुला गाटा संख्या 356 पर प्रतिमा के लिए नींव खोदने का काम शुरू हुआ। गांव के निवासी राजाराम, राधेश्याम और कपूर सहित कई ग्रामीणों ने इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। इसके बाद एसडीएम सुभाष सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने प्रतिमा स्थापना के काम को तत्काल रोकने का निर्देश दिया। इस दौरान थानाध्यक्ष आलापुर, राजेसुल्तानपुर, कटका और जैतपुर सहित लगभग आधा दर्जन थानों की पुलिस फोर्स को मौके पर बुलाया गया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो कंपनी पीएसी भी तैनात की गई, जिससे किसी बड़े विवाद को टालने में मदद मिली। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि विवादित स्थल पर प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति किसी भी कीमत पर नहीं दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संचारी रोग व दिमागी बुखार की रोकथाम प्राथमिकता

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

- सीडीओ की अध्यक्षता में हुई जिला टास्क फोर्स की बैठक
- 1 से 30 अप्रैल तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

अमृत विचारः जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश पर सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय अंतर्विभागीय जिला टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शासन के निर्देशानुसार माह अप्रैल में संचालित होने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत रणनीति तय की गई।

सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल ने बताया कि वेक्टर जनित रोगों, संचारी रोगों तथा दिमागी बुखार की रोकथाम और त्वरित उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी क्रम में 1 से 30 अप्रैल तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत जनपद में व्यापक साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा एवं फॉगिंग कार्य, शुद्ध पेयजल उपलब्धता, कूड़ा निस्तारण, नालियों की सफाई, हैंडपंपों के आसपास जलजमाव की समाप्ति तथा मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जाएंगी। दस्तक अभियान के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर बुखार, खांसी, सांस संबंधी लक्षणों, टीबी, कुपोषण और अन्य रोगों के संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाएगा। साथ ही समुदाय को स्वच्छता, हाथ धोने, सुरक्षित पेयजल उपयोग एवं रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए प्रत्येक गतिविधि की संबंधित विभागाध्यक्ष नियमित मॉनिटरिंग करें तथा निर्धारित समय सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें और जनपद में संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित रखें।

कुपोषित बच्चों की करें पहचान :

सीडीओ ने विभिन्न विभागों को उनके दायित्वों के संबंध में बताया कि सभी विभागों को शासन द्वारा निर्धारित दायित्वों और कर्तव्यों का समय बाद निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अभियान के तहत नगर निकाय और पंचायती राज विभाग को साफ-सफाई और कचरा निस्तारण सुनिश्चित करने, शिक्षा विभाग को विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने, बाल विकास सेवा, पुष्टाहार विभाग को कुपोषित बच्चों की पहचान, पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने, जल निगम एवं पेयजल विभाग को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा पशुपालन विभाग को पशुओं से फैलने वाले रोगों की रोकथाम के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

अधिवक्ता को बदमाशों ने जमकर पीटा, 3 गिरफ्तार

- 11 नामजद व 5-6 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : जनपद के महरुआ थाना क्षेत्र में एक अधिवक्ता पर एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। जिससे अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 11 नामजद और 5-6 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। खजूरी-महरुआ मार्ग पर तरसावां के पास कुछ बदमाशों ने कार से जा रहे अधिवक्ता प्रभात मिश्रा की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में भी तोडफ़ोड़ किया। बता दें कि भीटी थाना क्षेत्र के समंथा बाजार निवासी अधिवक्ता प्रभात मिश्रा खजूरी बाजार से महरुआ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तरसावां मोड़ के पास उन पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित अधिवक्ता प्रभात मिश्रा ने आरोप लगाया है कि हमलावर उन्हें अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी में जबरन बैठाकर ले गए और फिर बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद वे उनका मोबाइल फोन, गाड़ी की चाबी और सोने की चेन छीनकर मौके से फरार हो गए। यह घटना महरुआ थाना क्षेत्र के भीटी रोड पर तरसावां मोड़ के पास हुई। थानाध्यक्ष महरुआ महेंद्र सरोज ने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर पर अभिषेक त्रिपाठी, शुभम, आदित्य त्रिपाठी, इंद्रजीत, चंद्रजीत, दिलाजीत, अमरजीत, प्रांजल सहित 11 नामजद और 5-6 अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया गया है। वहीं तीन लोगों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हॉकी स्पर्धा में बेटियों ने दिखाया दम

अंबेडकरनगर, अमृत विचारः खेल निदेशालय यूपी के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय द्वारा देव इंद्रावती महिला महाविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता में पहला मैच मेरठ बनाम भदोही के बीच खेला गया। जिसमें मेरठ ने एक गोल कर जीत हासिल किया। जबकि भदोही को शून्य से संतोष करना पड़ा। वहीं दूसरा मैच अयोध्या हॉस्टल और अंबेडकरनगर के बीच हुआ। जिसमे अयोध्या ने 6 गोल से जीत हासिल किया। वहीं तीसरा मैच स्पोट्र्स कॉलेज गोरखपुर और भदोही के बीच खेला गया। जिसमें गोरखपुर हॉस्टल ने भदोही टीम को 3-0 से हराया। जबकि चौथा मैच स्पोट्र्स हड़ताल अयोध्या और गोरखपुर के बीच हुआ। जिसमें अयोध्या हॉस्टल ने गोरखपुर को 6-0 से प्रतियोगिता को हरा दिया। वहीं पांचवां मैच लखनऊ और मेरठ के बीच हुआ जिसने लखनऊ ने मेरठ को 3-0 से हराकर मैच जीत लिया। कार्यक्रम संयोजक जिला सचिव हॉकी संघ डॉ. हनुमान प्रताप सिंह ने बताया कि कड़े मुकाबले में हुए लीग मैच में स्पोट्र्स कालेज गोरखपुर, वाराणसी, स्पोट्र्स हास्टल अयोध्या और लखनऊ की टीमें सेमी फाइनल में पहुंचने में सफल रही हैं। सोमवार को स्पोट्र्स कालेज गोरखपुर बनाम वाराणसी और स्पोट्र्स हास्टल अयोध्या बनाम लखनऊ के बीच सेमीफाइनल मुकाबला होगा।

हॉकी प्रतियोगिता में दमखम दिखातीं महिला खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कब्जा हटाने पहुंची राजस्व टीम को दबंगों ने बनाया बंधक

- एसडीएम के आदेश पर दर्ज किया गया मुकदमा

आजमगढ़, अमृत विचार : जिले के माहुल नगर पंचायत क्षेत्र में जूनियर हाई स्कूल की जमीन से अवैध कब्जा हटाने गई राजस्व टीम के साथ अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में अहरौला पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत माहुल के अहरौला रोड स्थित गाटा संख्या 574 राजस्व अभिलेखों में उच्च प्राथमिक विद्यालय की भूमि दर्ज है। भूमि की पैमाइश के दौरान पूर्वी हिस्से में कुछ लोगों का अवैध कब्जा पाया गया था। कब्जा हटाने के लिए तहसीलदार फूलपुर के आदेश पर 19 मार्च को राजस्व टीम मौके पर पहुंची थी। लेखपाल सौरभ राय की तहरीर के मुताबिक, जब टीम जेसीबी मशीन लेकर कब्जा हटाने पहुंची, तभी स्थानीय निवासी राजकुमार गुप्ता और उनके भाई संदीप गुप्ता ने विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि दोनों ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए अभद्रता की, जान से मारने की धमकी दी और कुछ समय के लिए टीम तथा जेसीबी को बंधक बना लिया। उपजिलाधिकारी फूलपुर अशोक कुमार के निर्देश पर अहरौला पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, अभद्रता, बंधक बनाने और जान-माल की धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष अहरौला ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज को मिले 53 नर्सिंग अधिकारी

टांडा, अंबेडकरनगर

अमृत विचारः जनपद स्थित महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज को 53 नए नर्सिंग अधिकारी मिले हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की स्टाफ नर्स भर्ती प्रक्रिया के तहत हुई इन नियुक्तियों से राज्य के मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। लोक भवन से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इसके बाद मेडिकल कॉलेज आयोजित समारोह में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामसुंदर वर्मा ने नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम पाण्डेय ने प्रधानाचार्य द्वारा नर्सिंग हॉस्टल की कमी बताए जाने पर तत्काल आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि लिखित मांग पत्र सौंपने पर नर्सिंग हॉस्टल की कमी जल्द दूर कर दी जाएगी। विशिष्ट अतिथि धर्मराज निषाद ने नवनियुक्त नर्सिंग स्टाफ को सेवा भाव से कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने मरीजों की देखभाल में समर्पण को महत्वपूर्ण बताया। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने बताया कि कॉलेज में 255 स्वीकृत पदों के मुकाबले पहले केवल 79 नर्स तैनात थीं। इन नई नियुक्तियों के बाद अब कुल नर्सिंग स्टाफ की संख्या 132 हो जाएगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते जिला पंचायत अध्यक्ष।

- स्टाफ नर्स भर्ती प्रक्रिया के तहत हुई नियुक्तियों से मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

बैठक

प्रशासन ने शुरू किया अभियान, अफवाहों से दूर रहकर करें सहयोग, उपभोक्ता घर बैठे मोबाइल ऐप से करें ई-केवाईसी

एक सप्ताह में शत-प्रतिशत उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी करें पूर्ण

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचारः जनपद में एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को सरल, सुलभ एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के उद्देश्य से डीएम अनुपम शुक्ला व एसपी अभिजित आर शंकर की अध्यक्षता में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर के ऑडिटोरियम में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में जनपद के समस्त कोटेदार, जिला पूर्ति अधिकारी, ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधि, समस्त पूर्ति निरीक्षक और एलपीजी वितरक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कोटेदारों को एलपीजी कनेक्शन धारकों के ई-केवाईसी से संबंधित मोबाइल ऐप और पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध और सरल भाषा में समझाया गया। जिलाधिकारी ने सभी कोटेदारों से अपील करते हुए निर्देशित किया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में शेष नॉन-केवाईसी उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी आगामी एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक एलपीजी उपभोक्ता के लिए केवाईसी कराना अनिवार्य है, जिससे गैस सिलेंडर की निर्बाध और सुगम आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के सभी नॉन-केवाईसी उपभोक्ताओं की सूची संबंधित कोटेदारों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाकर आगामी एक सप्ताह में ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कराया जा सके। इसी के साथ जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुछ उपभोक्ताओं का कनेक्शन ग्रामीण क्षेत्र का है लेकिन वह शहरी क्षेत्र में निवासरत हैं उनका मैपिंग कराकर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। शादी-विवाह, अन्य अनुष्ठानों और समारोहों के लिए जलौनी लकड़ी की पर्याप्त उपलब्धता है। 2000 कुंतल से अधिक जलौनी लकड़ी उपलब्ध है। स्कूल, हॉस्पिटल, आवासीय विद्यालय, वृद्धा आश्रम, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य महत्वपूर्ण उपयोग के लिए जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला पूर्ति अधिकारी की कमेटी की स्वीकृति से सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बैठक करते जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक। ● अमृत विचार

पूर्ति निरीक्षक को दें ओवर रेटिंग की सूचना

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में किसी के प्रकार की ओवर रेटिंग की सूचना संबंधित पूर्ति निरीक्षक को दें, किसी भी स्तर पर ओवर रेटिंग की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित पर त्वरित विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि अफवाहों पर ध्यान ना दें। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी ने समस्त एलपीजी उपभोक्ताओं को अवगत कराया कि अब वह घर बैठे ही अपने गैस कनेक्शन का केवाईसी पूर्ण कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को गैस एजेंसी जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

कन्या सुमंगला योजना के तहत 33 हजार बेटियों को मिला लाभ

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत विचार : योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर महिला सशक्तिकरण और बालिकाओं के कल्याण में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई है। जनपद में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ने बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। इस योजना के तहत जनपद की 33 हजार 718 बेटियों को लाभ प्रदान किया गया है, जिसके अंतर्गत कुल 785.61 लाख रुपए की धनराशि वितरित की गई। यह आंकड़ा जनपद में बालिकाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और हजारों परिवारों के लिए आर्थिक सहारा बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना प्रदेश सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य बेटियों के जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक हर चरण में आर्थिक सहायता प्रदान कर परिवारों को बेटी के पालन-पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य के बोझ से मुक्त करना है। योजना के तहत कुल 25 हजार रुपए की सहायता विभिन्न चरणों में दी जाती है, जो बेटी के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों से जुड़ी हुई है। जनपद में इस योजना का क्रियान्वयन महिला कल्याण विभाग और संबंधित अधिकारियों द्वारा कुशलतापूर्वक किया जा रहा है। जनपद के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के गरीब परिवारों की बेटियां इस योजना से जुडक़र अपनी शिक्षा जारी रख पा रही हैं, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी आई है और बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। यह योजना मुख्य रूप से आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

राजभर का सपा पर हमला, बोले- भाजपा की 'बी' टीम

भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे कैबिनेट मंत्री, स्टालों का किया अवलोकन

संवाददाता, सुल्तानपुर

अमृत विचारः भाजपा सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की सपा, भाजपा की 'बी टीम' की तरह काम करती है। सपा नेता दिन में विरोध करते हैं, लेकिन रात में भाजपा नेताओं से मिलकर समर्थन जताते हैं।

पं. रामनरेश त्रिपाठी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से राजभर ने कहा कि मध्य प्रदेश और उत्तराखंड चुनावों में भी सपा की भूमिका भाजपा को फायदा पहुंचाने वाली रही है। उन्होंने दावा किया कि कई मौकों पर सपा ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया, जिससे भाजपा को सीधा लाभ मिला। राजभर ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए राहुल गांधी से 60 साल के शासन का हिसाब देने को कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने नौ साल का हिसाब देने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस को भी अपनी जवाबदेही तय करनी चाहिए। वहीं, भगवंत मान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब में मंत्री के खिलाफ एफआईआर कराना सराहनीय कदम है और कानून सबके लिए समान होना चाहिए। वाराणसी में गंगा में इफ्तार विवाद पर उन्होंने कहा कि अब कानून का राज है, इसलिए कार्रवाई हो रही है, जो विपक्ष को नागवार गुजर रही है। मथुरा में फरसा बाबा की मौत को लेकर उन्होंने इसे हादसा बताते हुए हत्या के आरोपों को खारिज किया।

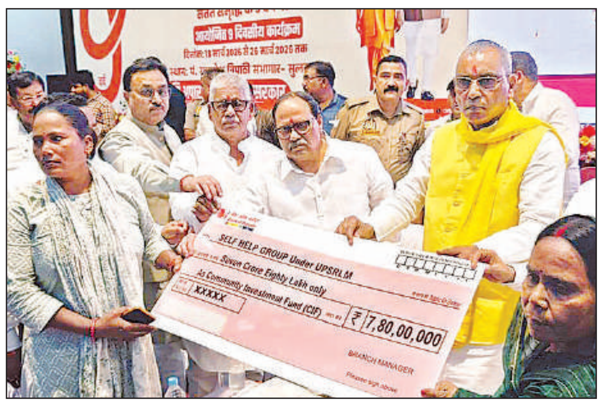

लाभार्थी को चेक वितरित करते जिले के प्रभारी मंत्री ओपी राजभर। ● अमृत विचार

मंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन, गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

संवाददाता, सुलतानपुर : केन्द्र सरकार के 11 वर्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पं. राम नरेश त्रिपाठी सभागार में 'नव निर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस दौरान एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक विनोद सिंह, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय समेत जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, वहीं विकासगाथा पर आधारित फिल्में भी दिखाई गईं। मंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि व चेक वितरित किए। अपने संबोधन में राजभर ने महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था, निवेश, कृषि, रोजगार और जनकल्याणकारी योजनाओं में सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भयमुक्त वातावरण और विकास की गति तेज हुई है।

न्यूज ब्रीफ

दो साल पुराने मामले में तीन वारंटी गिरफ्तार

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : कोतवाली देहात पुलिस ने मारपीट व जानमाल की धमकी के दो साल पुराने मामले में तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। वजूपुर गांव निवासी चन्नू उर्फ फूलचन्द्र, कमलेश और कल्लू उर्फ जवाहर लाल लंबे समय से फरार थे और कोर्ट में पेश नहीं हो रहे थे। क्षेत्राधिकारी लंभुआ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को दबिश देकर तीनों को उनके घरों से पकड़ लिया। सभी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश कर दिया है।

छात्रों ने दी प्रवेश परीक्षा

सुलतानपुर, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर विवेकानंद नगर में सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6, 9 व 11 की प्रवेश परीक्षा में अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी। सुलतानपुर समेत आसपास जनपदों से बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। परीक्षा से पूर्व विद्यालय परिसर में छात्रों व अभिभावकों का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा निष्पक्ष व सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई गई। अत्याधुनिक सुविधाओं व बेहतर शैक्षिक वातावरण के कारण विद्यालय की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

निषाद बस्ती में शिक्षा का 21वां सप्ताह सम्पन्न

सुलतानपुर, अमृत विचार : घर सुलतानपुर फाउंडेशन के ज्ञानदीप अभियान के तहत निषाद बस्ती में संचालित शिक्षा कार्यक्रम का 21वां सप्ताह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अभियान के अंतर्गत बच्चों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस सत्र में बच्चों को बेसिक गणित के शब्दार्थ और सोशल साइंस में पृथ्वी व ग्लोब से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी ने बच्चों को शिक्षा के महत्व पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में विनायक मिश्रा, मधुरम पाठक व शुभ साहू का सहयोग रहा। बच्चों में सीखने का उत्साह देखने को मिला। संस्था ने ऐसे प्रयास आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया।

पुआल में लगी आग दमकल ने पाया काबू

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : मुडिला डीह बाजार के पास खेतों में रखे पुआल के ढेर में शनिवार दोपहर अचानक आग लग गई, जिससे पूरा पुआल जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि बायोगैस के लिए कई बीघे में पुआल जमा किया गया था। चौकीदार भगवेंद्र प्रताप ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगाई गई हो सकती है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बेमौसम बारिश से गेहूं व सरसों को भारी नुकसान

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकासखंड क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। गौरा, पाल्हनपुर, सौराई बालमपुर समेत कई गांवों में गेहूं और सरसों (लाही) की फसल को भारी नुकसान हुआ है, वहीं आलू की खुदाई भी प्रभावित हो गई है। इस समय सरसों की फसल पककर तैयार है और कई किसानों ने कटाई भी कर ली थी, लेकिन खेतों में पड़ी फसल बारिश से खराब होने लगी है। वहीं, गेहूं की फसल खेतों में गिर गई है, जिससे उपज और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होने की आशंका है। किसानों का कहना है कि पहले हुई बारिश से भी नुकसान हुआ था और अब दोबारा हुई बारिश ने हालात और खराब कर दिए हैं। किसान मंगल प्रसाद और दिलीप कुमार ने बताया कि फसलों के नुकसान से आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। बारिश के कारण आलू की खुदाई में भी देरी हो रही है, जिससे लागत बढ़ने की चिंता सता रही है।

भाजपा की 31 सदस्यीय जिला टीम घोषित

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए जिले की 31 सदस्यीय जिला पदाधिकारी टीम की घोषणा कर दी है। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के बाद जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी द्वारा की गई। नई टीम में सामाजिक संतुलन का ध्यान में रखते हुए युवा, अनुभवी और सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने की रणनीति साफ झलकती है।

जिला टीम में जिला उपाध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र कुमार, आनन्द द्विवेदी, डॉ. प्रीति प्रकाश, आलोक कुमार, आशीष सिंह, अखिलेश जायसवाल, चन्दन नारायण सिंह और रामेन्द्र सिंह राणा को जिम्मेदारी दी गई है। रामेंद्र सिंह राणा की पृष्ठभूमि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ी मानी जा रही है। रामेंद्र भाजयुमो के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं। जिला महामंत्री के रूप में संदीप सिंह, विजय प्रताप त्रिपाठी और अयोध्या वर्मा को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री पद पर प्रदीप शुक्ला, मनोज मौर्य, मनोज श्रीवास्तव, रेखा निषाद, दिनेश चौरेसिया, अरुण जायसवाल, राजेश दूबे 'निर्माण' और शिवशंकर सरोज को स्थान मिला है। कोषाध्यक्ष पद पर गीता गुप्ता तथा सह-कोषाध्यक्ष के रूप में रचना अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला कार्यालय मंत्री राजेश सिंह और सहकार्यालय मंत्री आकाश जायसवाल बनाए गए हैं। वहीं, जिला टीम में विजय सिंह रघुवंशी को लगातार पांचवीं बार मीडिया प्रमुख बनाया गया है, जो पिछले 15 वर्षों से इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। मीडिया प्रबंधन में राहुल भान मिश्रा और अतुल कुमार सिंह को सहमीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। सोशल मीडिया की जिम्मेदारी अरुण कुमार दूबे व प्रदीप रावत को तथा आईटी विभाग में संजय उपाध्याय, कुसुमलता मौर्य व राजीव सिंह को दायित्व सौंपा गया है। इस तरह 31 सदस्यीय टीम में 12 पदाधिकारियों को दोबारा जिम्मेदारी देकर संगठन ने अनुभव और निरंतरता पर भी भरोसा जताया है।

● मिशन-2027 के दृष्टिगत अहम भूमिका निभाएगी नई टीम

मां काली मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर अमृत विचार : क्षेत्र के समरथपुर स्थित प्राचीन मां काली मंदिर में चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर मां के दर्शन, पूजन और अर्चन में जुटे रहे। पूरे दिन मंदिर परिसर "जय माता दी" के जयकारों से गूंजता रहा। भक्तों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर मां काली से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। दुकानदार रामनाथ गोस्वामी ने बताया कि इस बार नवरात्रि में विशेष रूप से महिलाएं सिंदूर और नारियल की खरीदारी अधिक कर रही हैं। इससे बाजार में भी अच्छी रौनक देखने को मिल रही है। मंदिर परिसर में स्थित हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में भी भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

वार्षिकोत्सव में मेधावियों का किया सम्मानित

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः राधा रानी कुंवर कृष्णा इंटर कॉलेज के सभागार में रविवार को वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार सम्मान समारोह प्रेरणा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों को सम्मानित करना तथा अभिभावकों को विद्यालय की प्रगति से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरपर्सन तृप्ति श्रीवास्तव, प्रबंधक संदीप श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्या विंदू श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें वर्षभर की शैक्षिक, सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का विवरण दिया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण प्रेरणा छात्रवृत्ति रही, जिसमें शिक्षा शर्मा ने प्रथम, शांभवी दुबे ने द्वितीय और अंशी पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेधावी छात्रों को शुल्क छूट एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षकों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

वार्षिकोत्सव में सम्मानित मेधावी छात्राएं। ● अमृत विचार

● प्रेरणा समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

अकीदत के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर का पर्व

सुलतानपुर टीम

अमृत विचारः जनपद में ईद-उल-फितर का पर्व अकीदत और उल्लास के साथ मनाया गया। शनिवार को जिले भर के ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की गई, जहां अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं। पूरे जिले में भाईचारे का माहौल देखने को मिला, वहीं प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

शहर के प्रमुख ईदगाह में मौलाना अब्दुल लतीफ ने सुबह 9 बजे नमाज अदा कराई। मरकज मस्जिद में मौलाना मुहम्मद उस्मान कासमी ने 8:30 बजे, जबकि जामिया इस्लामिया मदरसा में मौलाना मुहम्मद उसामा कासमी ने सुबह 8 बजे नमाज पढ़ाई। इसके अलावा बीवियां मस्जिद, सेनानी बिहार मस्जिद, झलियावा, करौंदिया यादनगर, इस्लाम ईदगाह और धाराएं ईदगाह में भी अलग-अलग समय पर नमाज अदा की गई। जिले के इसौली, कुड़वार, अलीगंज, हसनपुर, बंधुआ कला, दोस्तपुर, कादीपुर, लंभुआ और कूरेभार समेत अन्य क्षेत्रों में भी त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर समाजसेवी मेराज अहमद खान और शिक्षक नेता निजाम खान ने भी लोगों को बधाई दी।

बल्दीराय के नन्दौली ईदगाह में नमाज अदा करते नमाजी। ● अमृत विचार

● अमन-चैन और खुशहाली के लिए मांगी गईं दुआएं

शांति व भाईचारे के माहौल में अदा हुई नमाज

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर : बल्दीराय तहसील क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास, आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाया गया। क्षेत्र के 14 ईदगाहों और 3 मस्जिदों में ईद की नमाज सकुशल सम्पन्न हुई। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय में उत्साह का माहौल रहा और बच्चे, बुजुर्ग व युवा नए परिधानों में ईदगाहों की ओर जाते नजर आए। निर्धारित समय पर इसौली, पटैला, नन्दौली, बघौना, निनावां, चकमुसी और नटौली सहित सभी ईदगाहों व मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों में ईदी पाने का खास उत्साह देखने को मिला। उपजिलाधिकारी प्रवीण कुमार और क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। थाना प्रभारी नारदमुनि सिंह पुलिस बल के साथ संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहे। ईदगाहों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे।

नदी संरक्षण व जल बचाना सबकी जिम्मेदारी: मदन

सुलतानपुर, अमृत विचार : विश्व जल दिवस के अवसर पर गोमती मित्र मंडल ने साप्ताहिक श्रमदान कार्यक्रम जल बचाओ-जीवन बचाओ के संदेश के साथ आयोजित किया। सुबह छह बजे से शुरू हुआ श्रमदान नौ बजे तक चला, जिसमें परिसर की साफ-सफाई की गई। प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने कहा कि नदी संरक्षण और जल बचाना सभी की जिम्मेदारी है। युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अजीत शर्मा ने पानी की बर्बादी रोकने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने भी सहभागिता करते हुए जनजागरूकता का आह्वान किया। श्रमदान में कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया और जल संरक्षण के प्रति संकल्प लिया।

राजापुर बाजार में हनुमान मंदिर मार्ग बदहाल

सुलतानपुर, अमृत विचार : कुड़वार विकास खंड के अंतर्गत राजापुर बाजार स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर को जाने वाला मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और गड्ढों के कारण लोगों का चलना दूभर हो गया है। हालात इतने खराब हैं कि आए दिन राहगीर फिसलकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार इसी रास्ते से होकर रविवार और बुधवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में भी बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। बाजार के दिनों में भीड़ अधिक होने के कारण स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान से इस समस्या के समाधान की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। नतीजा यह है कि लोग मजबूरी में कीचड़ भरे रास्ते से गुजरने को विवश हैं। स्थानीय लोगों ने कहा है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई, तो बरसात के मौसम में हालात और भी खराब हो जाएंगे। उन्होंने उच्च अधिकारियों से जल्द से जल्द सड़क को दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि श्रद्धालुओं और आम जनता को राहत मिल सके।

मूल्यांकन केंद्रों पर शिक्षकों से मिले विधायक

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः गोरखपुर-अयोध्या क्षेत्र के शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने जिले के विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों का निरीक्षण कर शिक्षकों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज उतुरी, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज तथा नेशनल इंटर कॉलेज कादीपुर समेत कई केंद्रों का भ्रमण किया।

इस दौरान शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने विधायक का स्वागत किया। त्रिपाठी ने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि वे उनके हितों के लिए सदन से लेकर सड़क तक संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली, स्थानांतरण, पदोन्नति और तदर्थ शिक्षकों के मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की बात कही। साथ ही सेवा सुरक्षा से जुड़ी धारा 21 को नए शिक्षा आयोग में शामिल कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने शिक्षकों से संगठन पर विश्वास बनाए रखने और समस्याओं को संगठित रूप से उठाने का आह्वान किया। इस मौके पर जिले के कई पदाधिकारी और सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षकों की समस्याओं को सुनते शिक्षक विधायक। ● अमृत विचार

● शिक्षकों से सीधा संवाद कर सुनीं समस्याएं

तेरये में जल महोत्सव अभियान का शुभारंभ

लंभुआ/भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकास खंड भदैंया के तेरये ग्राम सभा में जल महोत्सव अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन के तहत जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र वर्मा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि अध्यक्षता पेयजल स्वच्छता समिति के अध्यक्ष सियाराम प्रधान ने की। कार्यक्रम में अधिकारियों ने गांव में बिछाई गई पाइपलाइन और हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना की जानकारी दी। बताया गया कि ग्राम सभा के लगभग 650 घर इस योजना से लाभान्वित होंगे। सहायक अभियंता व टीम ने ग्रामीणों को जल संरक्षण, रखरखाव और दुरुपयोग रोकने के प्रति जागरूक किया। इस दौरान जल जीवन निगम की कार्यदायी संस्था गायत्री रेमकी के प्रोजेक्ट मैनेजर अंकित उपाध्याय, आईएसए संस्था के दिनेश त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीराम के जीवन मूल्यों की कथा सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

सूरापुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः प्राचीन पंचमुखेश्वर महादेव द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर, भवानीपुर में चल रही श्रीराम कथा के चौथे दिवस पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्यास पीठ से कथावाचक इन्द्र कुमार झबलू ने जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत गीता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है, महाभारत हमें क्या नहीं करना चाहिए इसका बोध कराती है, जबकि रामायण हमें आदर्श जीवन का मार्ग दिखाती है।

उन्होंने भगवान श्रीराम के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीराम ने जीवन में आने वाली हर कठिनाई को धैर्य और प्रसन्नता के साथ स्वीकार किया, जो हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि प्रत्येक परिवार में रामचरितमानस की पुस्तक अवश्य होनी चाहिए और उसका नियमित पाठ किया जाना चाहिए। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में लीन होकर राम कथा का रसपान करते नजर आए। मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस मौके पर अखिलेश सोनी, श्याम बहादुर सिंह, जगदीश, शिवशंकर, राजेंद्र मोदनवाल सहित आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
पहले मेरा नाम PRIYANKA AJIT KUMAR VISVAKARMA था अब मैने बदलकर अपना नाम PRIYANKA रख लिया है भविष्य में मुझे PRIYANKA के नाम से जाना व पहचाना जाए।W/O- AJIT KUMAR R/O- 1850/4- PIKAURA SHIV GULAM POST GANDHI NAGAR KOTWALI BASTI 272001

सूचना
पहले मेरा नाम SHAHNEWAZ AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम SHAH NEWAZ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे SHAH NAWAZ AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- GULAM ZILANI R/O- FLAT NO-108, 1ST FLOOR, AJEET RESIDENCY SECTOR - 2, VIKAS NAGAR LUCKNOW-226022

सूचना
पहले मेरा नाम SADHANA KUMARI GUPTA था अब मैने बदलकर अपना नाम SADHANA GUPTA रख लिया है भविष्य में मुझे SADHANA GUPTA के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- MRITUNJAY KUMAR GUPTA R/O- WARD NO - POLICE CHAUKI POST BELTHARA ROAD BALLIA 221715

सूचना
पहले मेरा नाम VISVAKARMA AJITKUMAR RAM SURESH था अब मैने बदलकर अपना नाम AJIT KUMAR रख लिया है भविष्य में मुझे AJIT KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RAM SURESH VISVAKARMA R/O- 1850/4- PIKAURA SHIV GULAM POST GANDHI NAGAR KOTWALI BASTI 272001

सूचना
पहले मेरा नाम ATUL KUMAR MADHYESIYA था अब मैने बदलकर अपना नाम ATUL KUMAR रख लिया है भविष्य में मुझे ATUL KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RAM NIWAS PRASAD R/O- AZIMABAD GALI BELTHARA ROAD BALLIA

सूचना
मैं सयद अजीम अशरफ (SAYED AZEEM ASHRAF) पुत्र सयद मोहम्मद खालिद अशरफ निवासी-2824, की ब्लाक, इन्दिरा नगर लखनऊ उ0प्र0-226016, मेरे पासपोर्ट सं0-T4711643 में मेरा नाम अंग्रेजी के शब्द AZEEM ASHRAF SAYED त्रुटिवश अंकित हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरा वास्तविक नाम सथव अजीम अशरफ (SAYED AZEEM ASHRAF) है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र नितेश कुमार पुत्र स्व.ओम प्रकाश निवासी ग्राम ठकुराइन खेड़ा, मजरे रामपुर सुदौली, थाना-बछरावां जनपद रायबरेली के व्यवहार एवं आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। जिसका ना ही मुझसे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई वास्ता है और ना ही भविष्य में होगा। जो किसी भी प्रकार का कृत्य करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा उसका हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई लेना देना एवं वास्ता नहीं रहेगा। **विद्या देवी पत्नी स्व.ओम प्रकाश निवासिनी ग्राम ठकुराइन खेड़ा, मजरे रामपुर सुदौली, थाना-बछरावां, जनपद रायबरेली। वर्तमान पता दुर्गापुरी कॉलोनी निलमथा कैण्ट, थाना सदर, जनपद लखनऊ।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कु. सरिता यादव तथा सरिता दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। किसी भी प्रकार के शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकिंग अथवा अन्य दस्तावेजों में यदि कहीं कु. सरिता यादव तथा कहीं केवल सरिता नाम अंकित है, तो दोनों को एक ही व्यक्ति का नाम माना जाए। पिता का नाम: राम खेलावन पता : W/o संजय यादव, नील गोदाम, सोना हॉस्पिटल के पास, देवकाली, पोस्ट-फैजाबाद, जनपद-अयोध्या, उत्तर प्रदेश - 224001 भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति से बचने के लिए यह सूचना प्रकाशन जारी किया जा रहा है।

कार्यक्रम — अनुशासन, एकता और राष्ट्रभावना का दिया संदेश

वर्ष प्रतिपदा पर स्वयंसेवकों ने निकाला भव्य पथ संचलन

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में वर्ष प्रतिपदा के पावन अवसर पर नगर के हजारों स्वयंसेवकों ने भव्य पथ संचलन निकाला। संचलन महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज मैदान, सिविल लाइन से दो समूहों में प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से तिकोनिया पार्क पहुंचा और पुनः मैदान में समापन हुआ।

पहला समूह पीडब्ल्यूडी, हथियानाला, जिला जज आवास व सिविल कोर्ट चौराहे से होकर गुजरा, जबकि दूसरा समूह टाइनीटाट्स स्कूल, विजय डीलक्स होटल, सुपर मार्केट व पंचमुखी हनुमान मंदिर मार्ग से तिकोनिया पार्क पहुंचा। संचलन से पूर्व मुख्य वक्ता श्रीप्रकाश जी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि पथ संचलन से अनुशासन, संयम और संगठन की भावना मजबूत होती है, जिससे राष्ट्र सशक्त बनता है।

इस अवसर पर विभाग संघचालक डॉ. अरुण कुमार, सह विभाग संघचालक डॉ. हृदयराम, सह प्रांत शारीरिक प्रमुख गोकुल, विभाग कार्यवाह नवीन, कृष्ण मोहन, माता प्रसाद, राधाकृष्ण, राकेशमणि, डॉ. पवनेश, भूपेन्द्र, सह जिला संघचालक अजय, जिला प्रचारक आशीष, जिला प्रचार प्रमुख नीरज, अनिल, अर्पित, आदर्श, नगर संघचालक अमरपाल, सह नगर संघचालक सरदार सुदीप पाल, नगर कार्यवाह अजय जी, नगर प्रचारक सुनील जी, सह नगर कार्यवाह अनूप, प्रशांत, पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, रामचन्द्र मिश्र, रामेंद्र सिंह राणा सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

भारत विकास परिषद ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

भारत विकास परिषद् शाखा कुशभवनपुर के सदस्यों ने एमजीएस चौराहे पर शिविर लगाकर पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवकों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। आरएसएस के शताब्दी वर्ष व हिन्दू नववर्ष के अवसर पर निकले इस संचलन के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर भी नागरिकों, खासकर महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस मौके पर अध्यक्ष रविकांत अग्रहरि, आलोक कानोडिया, धनंजय मुखर्जी, दीपक जायसवाल, विक्की गुप्ता, अनिल सिं व प्रतीक सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

40 से अधिक मरीजों का हुआ इलाज

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत शम्भूगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। दोपहर 1 बजे तक 40 से अधिक मरीजों ने मेले में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। मेले में 15 मरीजों की विभिन्न जांचें की गईं, जिनमें शुगर, ब्लड प्रेशर, टाइफाइड, मलेरिया, एचआईवी और एएनसी (गर्भावस्था जांच) शामिल रहीं। सभी मरीजों को निःशुल्क जांच के साथ दवाएं भी वितरित की गईं। डॉ. मंजर एरन ने मरीजों का उपचार किया, जबकि फार्मासिस्ट विनोद कुमार श्रीवास्तव ने दवाओं का वितरण किया। इस दौरान स्टाफ नर्स वविता, एएनएम चंद्रावती, वार्ड ब्वॉय मनोज वर्मा सहित स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

ईद की नमाज अदा कर मांगी अमन-चैन की दुआ

ईद उल फितर पर मस्जिदों व ईदगाहों में अदा की गई नमाज, प्रशासन की ओर से किये गये थे सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : रविवार को जिले भर में ईद की नमाज अदा की गई और एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी। ईद को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था।

गोंडा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों धूमधाम से ईद का त्योहार मनाया गया। लोगों ने सजधज कर ईदगाह, मस्जिदों में नमाज अदा की। नगर पंचायत परसपुर सहित आसपास के इलाकों में शनिवार को ईद उल फितर का त्योहार हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। बालपुर परसपुर रोड पर ईदगाह में नमाज अदा की गई।

थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। तरबगंज नगर पंचायत में टेढ़ी नदी के किनारे स्थित ईदगाह पर भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करने पहुंचे। यहां नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों से आए लोगों की भारी भीड़ देखी गई। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। मनकापुर के आठ मस्जिदों और 33 ईदगाहों में नमाज अदा की गई। मनकापुर ग्रामीण स्थित प्रमुख ईदगाह पर कस्बे सहित धर्मपुर, गोहन्ना, लमती, कटहर बुटहनी, अशरफपुर, फिरोजपुर, कटहर शेख पुरवा, चौबेपुर, अंधियारी बाजार और कुड़ासन बाजार समेत आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में रोजेदार एकत्र हुए। उपजिलाधिकारी अवनीश त्रिपाठी और पुलिस क्षेत्राधिकारी उदित नारायण पालीवाल ने विभिन्न नमाज स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी प्रशांत कुमार पांडेय, योगेश यादव, मछली बाजार चौकी प्रभारी साहेब कुमार, दतौली चौकी प्रभारी वीरपाल सिंह, जिगना बाजार चौकी प्रभारी शिव कुमार गिरि सहित महिला पुलिस बल भी तैनात रहा। करनैलगंज नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में ईदुल फ़ित्र की नमाज अदा करते हुए बड़े ही हर्षोल्लास के साथ ईद मनाई गई। सबसे पहले मदीना मस्जिद पुरानी सब्जी मंडी व उसके बाद दरगाह बाबा शहीद मर्द, मस्जिद मनिहारान, यतीम खाना सफ़विया में मौलाना नाज़िम अल्जामियातुल अशरफिया मुबारकपुर व ईदगाह करनैलगंज में नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन व इमाम शमीम अहमद अच्छन ने नमाज अदा कराई। इस मौके पर ईदगाह कमेटी के सेक्रेटरी फहीम अहमद पप्पू ने ईदगाह कमेटी की तरफ से सभी को ईद की मुबारकबाद दी। एसडीएम नेहा मिश्रा, सीओ अभिषेक दावाच्या, कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय, इंस्पेक्टर क्राइम अरविंद कुमार, चौकी प्रभारी शिवनाथ गुप्त, चौकी प्रभारी मृत्युंजय सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस मौजूद रही।

करनैलगंज में ईद की नमाज अदा करते मुस्लिम समाज के लोग। ● अमृत विचार

परसपुर में मस्जिद के सामने तैनात पुलिस फोर्स। ● अमृत विचार

विदेश राज्यमंत्री ने 21 गरीब कन्याओं के विवाह के लिए दी आर्थिक सहायता

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार: समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए पूर्व मंत्री राजा आनंद सिंह के निधन के बाद उनके परिवार ने गरीब बेटियों के विवाह में सहयोग का जो वचन लिया था, उसे पूरी गरिमा के साथ निभाया गया। शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पुत्र कुंवर जयवर्धन सिंह ने 21 आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्रत्येक को 1 लाख 21 हजार रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए।

बताते चलें कि राजा आनंद सिंह का निधन 6 जुलाई को हुआ था। उनकी त्रयोदशी के अवसर पर परिवार द्वारा यह संकल्प लिया गया था कि समाज के गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग किया जाएगा। उसी संकल्प को साकार करते हुए चयनित 21 परिवारों को यह सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान कुंवर जयवर्धन सिंह ने भावुक होकर कहा कि उनके बाबा का पूरा जीवन जनसेवा और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उन परिवारों के सम्मान और खुशियों से जुड़ा एक प्रयास है। हम चाहते हैं कि कोई भी बेटी आर्थिक अभाव के कारण अपने सपनों से वंचित न रहे। वहीं कार्यक्रम में मंत्री प्रतिनिधि यूपी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सहयोग केवल चेक वितरण तक सीमित नहीं रहेगा। जिस दिन लाभार्थी कन्याओं का विवाह होगा, उस दिन राज परिवार का कोई न कोई सदस्य उनके घर पहुंचकर उन्हें आशीर्वाद देगा और उपहार भी भेंट करेगा। लाभार्थी परिवारों की आंखों में कृतज्ञता झलक रही थी। कार्यक्रम में कोट प्रबंधक हरीश पांडेय,नगर पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश सोनी,ब्लॉक प्रमुख जगदेव चौधरी, के के सिंह, राम सजन पांडेय,राम बहादुर तिवारी,गणमान्य नागरिकों और क्षेत्रीय लोगों की उपस्थिति रही।

लोगों के साथ विदेश राज्य मंत्री के पुत्र जयवर्धन सिंह व अन्य। ● अमृत विचार

भूमि विवाद में फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

गोंडा, अमृत विचार : जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना उमरी बेगमगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने जानलेवा हमला करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया है।

थाना उमरी बेगमगंज पुलिस ने दर्ज मुकदमा के आरोपी बांके उर्फ शिव ओंकार यादव को काजी पुरवा के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से 12 बोर का अवैध तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। आशीष पाण्डेय ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि बीती 21 मार्च की सुबह वह ट्रैक्टर से लकड़ी लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान जमीनी रंजिश के चलते आरोपी घात लगाकर बैठा था। जैसे ही वादी वहां पहुंचा, आरोपी ने अवैध असलहे से फायर कर दिया। हालांकि, वादी बाल-बाल बच गया।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सेमिनार में विचार व्यक्त करते पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह। ● अमृत विचार

लक्ष्य पाने को कड़ी मेहनत जरूरी : बृजभूषण

रुपईडीह, गोंडा, अमृत विचार : पिपरा बाजार स्थित सिद्धी विनायक महाविद्यालय में उत्कर्ष फाउंडेशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का विषय ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का परिदृश्य, चुनौतियां, समस्याएं और समाधान रहा। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य के प्रति समर्पण और कड़ी मेहनत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को अपने उद्देश्य के प्रति गंभीर रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में विधायक बावन सिंह ने कहा कि पहले जनपद में बहुत कम महाविद्यालय थे, लेकिन अब सैकड़ों महाविद्यालय स्थापित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं और विद्यार्थियों को उनका अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। महाविद्यालय के संस्थापक डॉ ओंकार प्रसाद मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ कल्पना पाठक, डॉ रामानंद तिवारी, डॉ मिथिलेश मिश्र, जगन्नाथ पाठक, आशीष पाठक, शिवमंगल पाठक, रमाकांत मिश्र, रमाकांत शुक्ल, निरंकार मिश्र, कौशल तिवारी, आकाश सिंह, हरीश शुक्ल, देवानंद शुक्ल, अनिल कुमार पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोबाइल बंद कर लापता हुआ गैस एजेंसी संचालक

उपभोक्ता परेशान

परसपुर, गोंडा, अमृत विचार: क्षेत्र के उपभोक्ताओं को रसोई गैस संकट का सामना करना पड़ रहा है। सूर्या गैस एजेंसी के संचालक द्वारा मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर गोदाम बंद किए जाने से गैस आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

बताया जाता है कि उक्त गैस एजेंसी शहरी क्षेत्र के नाम पर आवंटित होने के बावजूद गोंडा मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर दूर परसपुर क्षेत्र के त्योरासी गांव में संचालित की जा रही है। एजेंसी संचालक त्योरासी गांव के निवासी होने के कारण उसके द्वारा आसपास के दर्जनों गांवों के उपभोक्ताओं को कनेक्शन देकर गोदाम से ही गैस का वितरण किया जाता है। लेकिन वितरण व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है।गैस गोदाम पर उपस्थित गैस लेने आए लोगों ने बताया कि दस दिन से दौड़ रहे हैं। लेकिन उन्हें गैस नहीं मिल पा रहा है। वर्तमान समय में गैस की किल्लत के बीच एजेंसी संचालक का मोबाइल स्विच ऑफ है और गोदाम भी बंद पड़ा है। इससे उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल पा रही है और लोग दर-दर भटकने को मजबूर हैं। कई घरों में चूल्हे ठंडे पड़ गए हैं, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी भी की जा रही है, जिसके चलते आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस स्थिति से क्षेत्र में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस सम्बध में भारत गैस के क्षेत्रीय प्रबंधक चेतन शर्मा तथा नोडल अधिकारी शिव प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

धोखाधड़ी के मामले में वांछित गिरफ्तार

गोंडा, अमृत विचार : थाना कोतवाली नगर पुलिस ने आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित आरोपी सत्यम मिश्रा को मुन्नन खां चौराहा के पास से गिरफ्तार किया।

सतीश मिश्रा निवासी महराजगंज द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, उन्होंने वर्ष 2023 में भूमि खरीदी थी, जिस पर दीवार और टिनशेड बनाकर कब्जा भी कर लिया गया था। आरोप है कि वर्ष 2024 में उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर विपक्षी पक्ष ने दीवार तोड़ दी और अंदर रखा सामान चोरी कर लिया। आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर 6 फरवरी 2025 को उसी जमीन का फर्जी बैनामा कराकर कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध पर वादी को जान-माल की धमकी भी दी गई।थाना कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज किया गया था। सत्यम मिश्रा की संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

अखिलेश यादव के समक्ष सपा की सदस्यता लेते केटी तिवारी। ● अमृत विचार

कांग्रेस छोड़ केटी तिवारी ने थामी सपा की डोर

तरबगंज, गोंडा, अमृत विचार : 2027 के चुनाव से पहले तरबगंज क्षेत्र में सियासी हलचल तेज हो गई है। नगर पंचायत ढोढेपुर निवासी कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कृष्ण नरायन तिवारी उर्फ केटी तिवारी ने सपा का दामन थाम लिया। उनकी इस घर वापसी से जहां कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है, वहीं सपा को क्षेत्र में मजबूती मिली है। केटी तिवारी ने अखिलेश यादव की मौजूदगी में सपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सांसद राम शिरोमणि वर्मा, सांसद अवस्थी और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी भी मौजूद रहे। केटी तिवारी का राजनीतिक सफर काफी लंबा रहा है। उन्होंने 1984 में किसान यूनियन से राजनीति की शुरुआत की थी। 1992 में किसानों की समस्याओं को लेकर उन्होंने प्रदर्शन किया, जिससे वे चर्चा में आए। 1993 में वे सपासे जुड़े और सहकारिता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बनाए गए। बाद में उपेक्षा से आहत होकर 1998 में उन्होंने बसपा का रुख किया। 2012 में वे बसपा से टिकट के प्रबल दावेदार थे, लेकिन टिकट न मिलने पर बागी हो गए। इसके बाद उन्होंने निर्दल चुनाव लड़कर सफलता हासिल की। 2014 में उन्होंने कांग्रेस जॉइन की। 2017 में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। अब एक बार फिर सपा में वापसी कर उन्होंने सियासी समीकरण बदल दिए हैं। क्षेत्र में उनके इस कदम को 2027 चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानलेवा हमले का वांछित गिरफ्तार

गोंडा, अमृत विचार : थाना कोतवाली नगर पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने अभियुक्त नित्यानन्द तिवारी उर्फ नेता को गुरूनानक चौक के पास से गिरफ्तार किया है। हर्षवर्धन सिंह द्वारा थाना कोतवाली नगर में दी गई तहरीर में बताया गया था कि 27 जनवरी 2025 को पथवलिया में जमीन खरीद को लेकर बातचीत चल रही थी। इसी दौरान विपक्षी पक्ष के लोगों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में वादी के पिता के सिर पर गंभीर चोट आई, वहीं उनके सहयोगी अमर का कान कट गया और कामाख्या का पैर टूट गया। आरोपियों ने मौके पर खड़ी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस मामले में थाना कोतवाली नगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

चैत्र नवरात्र पर मिशन शक्ति अभियान तेज

गोंडा, अमृत विचार : चैत्र नवरात्र पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-05 के द्वितीय चरण के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

जिले के सभी थाना क्षेत्रों में यह अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया। अभियान के दौरान एंटी रोमियो स्क्वायड टीमों और महिला पुलिसकर्मियों ने मंदिरों, बाजारों तथा अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं व बालिकाओं से संवाद स्थापित किया। उन्हें उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और पुलिस की विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही त्योहार के दौरान सुरक्षित आवागमन और सतर्कता बरतने के प्रति भी जागरूक किया गया।

आयोजन | प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वेंकटाचार्य क्लब परिसर में आयोजित किया गया कार्यक्रम

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही सरकार : चौहान

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को वेंकटाचार्य क्लब परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को निःशुल्क टूल किट्स वितरित किए।

माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित टूल किट्स वितरण योजना के तहत 35 लाभार्थियों को विद्युत चालित चाक तथा 5 लाभार्थियों को पगमिल मशीनें प्रदान की गईं। वहीं ग्रामोद्योगी टूल किट्स वितरण योजना के अंतर्गत 9 लाभार्थियों को दोना मेकिंग मशीनें वितरित कर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया गया। इस मौके पर मंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं, जिससे पलायन पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। कार्यक्रम के दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड से चयनित 32 ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। मंत्री ने ग्राम प्रधानों से अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक ग्रामोद्योग इकाइयों की स्थापना कराने का आह्वान किया।

सरकार के नौ साल पूरे होने पर कार्यक्रम में उपस्थित प्रभारी मंत्री, विधायकगण व अन्य।

कार्यक्रम में विधायक सहित उपस्थित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्त्री।

नौ वर्ष में प्रदेश में लिखी गयी विकास की इबारत

तरबगंज, गोंडा, अमृत विचार : स्थानीय ब्लाक परिसर में सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर सुरक्षा एवं सुशासन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में विधायक तरबगंज प्रेम नरायन पांडेय मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि सरकार के नौ वर्ष सफल रहे। पूरे प्रदेश में विकास की परिपाटी लिखी गई है। तरबगंज विधानसभा में 2017 से पहले यह नहीं पता चल रहा था कि सड़क है या गड्ढा। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख मनोज पांडेय, जिपं सदस्य रामधोख मिश्र, बीडीओ रवि कुमार गुप्ता, नोडल अधिकारी जिला प्रोवेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी,जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार, प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी उर्मिला, एडीओ ग्राम्य विकास अंबरीष प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

मां पार्वती के प्राकट्य की कथा का कराया रसपान

खरगूपुर गोंडा, अमृत विचार : भटपी के बाबा पुरवा में आयोजित शतचंडी महायज्ञ व श्री राम कथा में प्रावचक देवी ऋषिता ने भक्तों को शनिवार देर शाम माता पार्वती के प्राकट्य की कथा का रसपान कराया। उन्होंने कहा कि पार्वती देवी, सती का पुनर्जन्म हैं, जो हिमालय राज हिमवान और रानी मैना की पुत्री के रूप में अवतरित हुईं। उन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की। राजा दक्ष के यज्ञ में पति का अपमान होने पर सती ने योगाग्नि में अपने प्राण त्याग दिए थे, जिसके बाद वे शिव के वियोग में सती के शव के इक्यावन भाग होकर शक्तिपीठ बने। हिमालय राज हिमवान के घर जन्मी पार्वती ने पूर्वजन्म की तरह ही महादेव को पुन : पति रूप में पाने के लिए कठिन तपस्या का मार्ग चुना। इस मौके पर सुभाष चंद्र गोस्वामी, कलावती, संतोष बाबा, कामिनी प्रसाद पांडेय, बाल किशुन गोस्वामी, राजकुमार गोस्वामी, विनय शुक्ल, सुनील गोस्वामी आदि रहे।

कथा सुनातीं देवी ऋषिता।

सामाजिक समरसता व गौ-रक्षा पर दिया जोर

रामोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ करते विहिप के नेता। ● अमृत विचार

खरगूपुर, गोंडा, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में एक स्कूल परिसर में रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि देव रावत (अखिल भारतीय सद्भाव प्रमुख, विश्व हिंदू परिषद) ने कहा कि छुआछूत एक पाप है और समाज को इसे त्यागकर आपसी सद्भाव से मिलजुल कर रहना चाहिए। उन्होंने भगवान राम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि त्याग, मर्यादा और आदर्शों के कारण ही भगवान राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री विजय कुमार ने कहा कि भगवान राम का 500 वर्षों का वनवास समाप्त हो चुका है और अब अयोध्या धाम में भव्य मंदिर में वे विराजमान हैं। विकासखंड रुपईडीह के खंड कार्यवाह प्रशांत मिश्र ने कहा कि गौ-रक्षा और गरीबों की सेवा करना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है। कार्यक्रम का आयोजन बजरंग दल के प्रांत गौ-रक्षा प्रमुख धर्मेंद्र मिश्र द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

वार्षिक खेल दिवस में बच्चों ने दिखाया दमखम

खेल उत्सव में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : पडाव मोहल्ले के नेहरू पार्क में टाइनी टॉट्स इंटरनेशनल स्कूल द्वारा रविवार को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सतेंद्र सिंह व विशिष्ट अतिथि डॉ. देवेंद्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की निर्देशिका बिन्नी सिंह द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्ले ग्रुप से कक्षा एक तक के बच्चों ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अभिभावकों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेता छात्रों एवं अभिभावकों को मुख्य अतिथियों द्वारा मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रों की माताओं ने रस्साकशी प्रतियोगिता में भाग लिया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रधानाचार्या ज्योति तिवारी एवं समस्त अध्यापक-स्टाफ का आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा।

क्षत्रिय महासभा की कमान अब जितेंद्र सिंह के हाथ

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : तुलसीपुर माझा गांव निवासी जितेंद्र सिंह उर्फ कलेबाज सिंह को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का गोंडा जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उन्हें संगठन की ओर से आगामी तीन वर्षों के लिए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। रविवार को गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की गई। पूर्वांचल प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह की संस्तुति पर प्रदेशीय वरिष्ठ महामंत्री अश्वनी कुमार सिंह ने जितेंद्र सिंह को मनोनयन पत्र देकर सम्मानित किया। जिम्मेदारी मिलने के बाद जितेंद्र सिंह ने कहा कि वह संगठन को मजबूती प्रदान करने, समाज को एकजुट करने और युवाओं को सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। उनके मनोनयन पर संग्राम सिंह, विशाल सिंह, विजय सिंह, विशाल तिवारी, सूरज मिश्रा, गिरजेश त्रिपाठी, डीके, राम मनोरथ, अनिल कुमार सिंह सहित कई लोगों ने खुशी जताते हुए बधाई दी है।

इंस्टीट्यूट का किया उद्घाटन

इटियाथोक, गोंडा, अमृत विचार : अमिरका प्रसाद वर्मा इंस्टीट्यूट आफ कंप्यूटर एजुकेशन पूरे मुसद्दी इटियाथोक का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक महेंद्र कुमार व कमलेश निरंजन मुख्य ट्रस्टी सरदार पटेल सेवा संस्थान द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महेंद्र कुमार ने ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के कंप्यूटर इंस्टिट्यूट का शुभारंभ ग्रामीण बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राम उजागर वर्मा प्रबंधक राजमनि वर्मा, संरक्षक रामू वर्मा सहित तमाम ग्रामीण अभिभावक उपस्थित रहे।

यक्ष एप से खुला चोरी का राज, दो दिन में बुलेट बरामद

गोंडा, अमृत विचार : आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना वजीरगंज पुलिस ने यक्ष एप की मदद से चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद कर एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने पारंपरिक जांच के साथ डिजिटल तकनीक का सहारा लेते हुए यक्ष एप के माध्यम से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की लोकेशन ट्रेस की और फुटेज का जांच की। संदिग्ध की तस्वीरें एप में अपलोड कर पहचान सुनिश्चित की गई, जिसके बाद मात्र दो दिनों के भीतर सफलता मिल गई। अजय यादव निवासी लक्ष्मनपुर चंदापुर ने थाना वजीरगंज में तहरीर देकर बताया कि 18 मार्च को वह अपनी बुलेट मोटरसाइकिल क्लीनिक के बाहर खड़ी कर ड्यूटी पर गए थे, लेकिन लौटने पर वाहन चोरी हो चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान यक्ष एप के जरिए मिले सुरागों के आधार पर 20 मार्च को वाहन चेकिंग के दौरान एक बाल अपचारी को पकड़ा गया और उसके कब्जे से चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। पूछताछ में बाल अपचारी ने बताया कि उसने मौके का फायदा उठाकर चाभी लगी मोटरसाइकिल चोरी की और उसे अरहर के खेत में छिपा दिया था। वह बाइक को नेपाल ले जाकर बेचने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे पहले ही पकड़ लिया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रवीण सिंह, हेड कांस्टेबल राजकरन यादव, विनोद कुमार सोनी एवं कांस्टेबल शिवम पाल की अहम भूमिका रही।

विधायक प्रतिनिधि के पिता का निधन

देवी प्रसाद दूबे (फाइल फोटो)

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री के प्रतिनिधि वेद प्रकाश दूबे के पिता देवी प्रसाद दूबे का शनिवार सुबह करीब 7 :30 बजे लंबी बीमारी के बाद 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शनिवार को नवाबगंज गिर्द के अगमपुर स्थित आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। विभिन्न जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक व्यक्त करने वालों में सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह, मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री, प्रमुख प्रतिनिधि सुमित भूषण सिंह, गोंडा सांसद प्रतिनिधि कमलेश पांडेय, नगरपालिका अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र सिंह, भाजपा नेता जनार्दन तिवारी, सूर्य लाल दूबे,डॉ विनोद त्रिपाठी, गिरजेश त्रिपाठी लल्लू, विवेक पांडे, मनोज साहू, दुर्गेश गुप्ता, बाबूलाल शास्त्री, प्रधान विनोद सिंह, प्रधान दुर्गा सिंह, मुकेश पाण्डेय, अशोक कुमार सिंह, बब्बू सिंह, सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

भाईचारे और खुशियों के माहौल में मनी ईद-उल-फितर

मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर देश में अमन-चैन की मांगी दुआ

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : बलरामपुर में ईद-उल-फितर का त्योहार पूरे हर्षोल्लास, भाईचारे और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। जिले भर की मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा कर देश में अमन-चैन और आपसी सौहार्द की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और सिवइयों व पकवानों का दौर देर रात तक चलता रहा।

शनिवार को जिले के करीब सात सौ मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई। गोविंदबाग स्थित हाजी इब्राहीम मिस्त्री मस्जिद में तकरीर करते हुए सैय्यद अहमद उल्लाह ने कहा कि ईद हमें सब्र, शुक्र और मोहब्बत का संदेश देती है। उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों की मदद बिना दिखावे के करने की नसीहत दी।

ईदगाह में नमाज अदा करते अकीदतमंद। ● अमृत विचार

ईद की नमाज के दौरान भ्रमण करते डीएम और एसपी। ● अमृत विचार

नगर के बीबी बांदी साहिबा मस्जिद, रहीम बख्श ईदगाह, यतीमखाना मस्जिद और नौशहरा की बड़ी ईदगाह सहित कई स्थानों पर नमाज अदा की गई। बारिश के कारण कुछ जगहों पर मस्जिदों में ही नमाज हुई। उतरौला, तुलसीपुर और अन्य क्षेत्रों में भी ईद की रौनक देखने को मिली। यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन कर नमाजियों को सुविधा दी। रविवार को भी ईद मिलन का सिलसिला जारी रहा।

जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की सतत निगरानी में ईद-उल-फितर की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पर्व को देखते हुए प्रशासन ने पूर्व से ही व्यापक तैयारियां की थीं। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई और ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी रखी गई।

दोनों अधिकारियों ने नगर क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा, साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया तथा आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए सौहार्द बनाए रखने की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पचपेड़वा के 100 छात्र शैक्षिक भ्रमण पर गोरखपुर रवाना

शैक्षिक भ्रमण के लिए रवाना होता शिक्षकों और बच्चों का दल। ● अमृत विचार

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत परिषदीय विद्यालय पचपेड़वा के छात्र-छात्राओं को एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के लिए गोरखपुर रवाना किया गया। भ्रमण दल को खंड शिक्षा अधिकारी घनश्याम वर्मा ने बौद्ध परिपथ मार्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीईओ ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र के करीब 100 बच्चों को शासन की मंशा के अनुरूप शैक्षिक भ्रमण पर भेजा गया है, जिससे उनके बौद्धिक और व्यवहारिक ज्ञान का विकास हो सके। इस दौरान छात्र तारामंडल गोरखपुर, बुद्ध संग्रहालय और चिड़ियाघर गोरखपुर सहित विभिन्न शैक्षिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। भ्रमण में दिनेश वर्मा, मुक्तिनाथ, साधना, प्रभावरानी, संगीता और इंदु यादव सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद रहीं।

वाहन कर जमा कराने के लिए विशेष कैंप

बलरामपुर, अमृत विचार : परिवहन विभाग के निर्देशों के क्रम में बलरामपुर में वाहन कर बकाया जमा कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बृजेश यादव द्वारा इस अभियान के तहत 24 और 25 मार्च को कार्यालय परिसर में विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप के माध्यम से उन वाहन स्वामियों को विशेष सुविधा दी जाएगी जिनके वाहनों का कर लंबे समय से बकाया है। विभाग ने सभी वाहन मालिकों, संचालकों और ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपना बकाया कर जमा करें। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान शासन द्वारा निर्धारित छूट का लाभ भी दिया जाएगा (ओटीटी को छोड़कर)। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि समय पर वाहन कर जमा करना प्रत्येक वाहन स्वामी की जिम्मेदारी है। बकाया कर न जमा करने पर भविष्य में जुर्माना और अन्य कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

आज कई इलाकों में बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

बलरामपुर, अमृत विचार : विद्युत विभाग ने रखरखाव और सुरक्षा कार्यों के मद्देनजर शहर और आसपास के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद रखने का निर्णय लिया है। विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पूरबटोला एवं नगर क्षेत्र से संबंधित लाइनों पर पेड़ों की छंटाई और अन्य तकनीकी कार्य किए जाएंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 23 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान 33 केवी पूरबटोला लाइन तथा विभिन्न 11 केवी फीडरों से जुड़े क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी।

इन क्षेत्रों में रहेगा असर : बिजली आपूर्ति बंद रहने से पूरबटोला, खलवा, झंझरा,कस्बा, सिटी पैलेस, कालिथान चौराहा, डीएवी स्कूल, नई बस्ती, मेजर चौराहा, चूड़ी बाजार, बड़ापुल, ठठेरी बाजार आंशिक, चौक उत्तर लाइन, बड़ी इमली, चुंगी नाका, भंडारखाना, मेवालाल तालाब समेत उपकेंद्र से जुड़े सभी इलाके प्रभावित रहेंगे। इसके अलावा 11 केवी हॉस्पिटल फीडर से जुड़े संयुक्त जिला चिकित्सालय बलरामपुर परिसर एवं ग्राम कलवारी का आंशिक क्षेत्र, 11 केवी जेल फीडर से जुड़े जिला कारागार परिसर, नगर के आसपास के क्षेत्र, उतरौला रोड, धर्मपुर, जोकहिया और आरटीओ कार्यालय के आसपास के इलाकों में भी बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।वहीं 11 केवी धर्मपुर फीडर से जुड़े बलुहा, मुरलीपुर, गर्ल्स कॉलेज चौराहा, गदुरहवा टेढ़ी बाजार, देवीदयाल तिराहा सहित आसपास के क्षेत्रों में भी शटडाउन का असर पड़ेगा। अधिशासी अभियंता ने बताया कि यह कार्य विद्युत लाइनों की सुरक्षा और सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग और आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से कर लेने की अपील की है।

शादी का झांसा दे किशोरी को भगा ले गया युवक

श्रीदत्तगंज, बलरामपुर, अमृत विचार : क्षेत्र में एक किशोरी को शादी का झांसा देकर भगाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि किशोरी घर से करीब एक लाख रुपये नकद और लाखों के जेवरात लेकर युवक के साथ चली गई। पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पिता के अनुसार 18 मार्च को वह अपने बेटे के साथ गोंडा में मुकदमे की पेशी पर गए थे। घर पर उनकी पुत्रवधू और 16 वर्षीय बेटी मौजूद थीं। इसी दौरान ग्राम तख्तरवा निवासी कृष्ण कुमार उर्फ बाले किशोरी को बहलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि घटना में युवक के पिता ओमप्रकाश, मां रामादेवी और चाचा ओमकार उर्फ लाले ने भी सहयोग किया। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला।

थानाध्यक्ष अविरल शुक्ल ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। किशोरी की बरामदगी के लिए पुलिस टीम गठित कर दबिश दी जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

मां कूष्मांडा के गूंजे जयकारे

चैत्र नवरात्र

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को जनपद भर में भक्तिभाव का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नगर से लेकर दूरदराज के गांवों तक भक्ति और आस्था का माहौल पूरे दिन बना रहा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां कूष्मांडा की विधि-विधान से पूजा करने पर भक्तों के रोग, कष्ट और शोक दूर होते हैं तथा जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। इसी आस्था के चलते श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से मां की उपासना की।

शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में तड़के से ही लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने फूल, फल, नारियल और प्रसाद अर्पित कर मां से परिवार की खुशहाली और शक्ति की कामना की।

बच्चे का मुंडन करातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

मंदिरों में विशेष आरती, दुर्गा सप्तशती पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रमुख स्थलों पर पुलिस बल तैनात रहा।

वहीं ग्रामीण अंचलों में भी नवरात्रि की आस्था पूरे उत्साह के साथ देखने को मिली। गांवों में स्थापित देवी मंदिरों में महिलाओं ने समूह बनाकर भजन-कीर्तन किए। कई स्थानों पर अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर दुर्गा पाठ और हवन-पूजन का आयोजन किया गया। घर-घर में भी श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना के साथ नियमित पूजा करते हुए मां कूष्मांडा का स्मरण किया और सुख-समृद्धि की कामना की। बच्चों और युवाओं में भी नवरात्रि को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

रामकथा से मिलता है शांति, सद्भाव व एकता का संदेश

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : ग्राम पंचायत गुरचिहवा स्थित श्री आदिशक्ति समय माता मंदिर पर आयोजित आठ दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा के प्रथम दिन श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। कथा व्यास आचार्य रविकांत शास्त्री ने कहा कि रामकथा मानव जीवन को सही दिशा देने के साथ शांति, सद्भाव और एकता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र से हमें परिवार, समाज और यहां तक कि शत्रु के प्रति भी व्यवहार करना सीखना चाहिए। रामनाम और सत्संग से व्यक्ति के भीतर विवेक और सद्बुद्धि का विकास होता है, जो जीवन को सरल और सार्थक बनाता है। उन्होंने रामचरितमानस को "राम कथा की गंगा" बताते हुए कहा कि इसमें हर व्यक्ति आस्था के साथ जुड़कर आत्मिक शुद्धि प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रबंधक सतीश चंद्र मिश्र, उपाध्यक्ष हरिराम प्रजापति, सचिव गिरिजेश कुमार पांडे सहित प्रधान रमेश कुमार व अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

राम कथा सुनाते आचार्य रविकांत शास्त्री।

बिजली गिरने से मौत पर प्रशासन की त्वरित मदद

बलरामपुर, अमृत विचार : तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम धुसाह में 20 मार्च को आकाशीय बिजली गिरने से तीरथ वर्मा की मौत हो गई थी। जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के परिजनों को 4 लाख की आपदा राहत राशि उनके बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी। डीएम के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की गईं। इस त्वरित पहल से को तत्काल राहत मिल सकी।

महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

महिलाओं को सुरक्षा कानून की जानकारी देते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

बलरामपुर अमृत विचार : महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नए कानूनों और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसी क्रम में देहात कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी के नेतृत्व में ग्राम श्रीनगर जुआथान में चौपाल लगाकर जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने 1090, 181, 112, 1098 और 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए आपात स्थिति में इनके उपयोग पर जोर दिया। साथ ही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी।

राप्ती नदी में फूल विसर्जन के दौरान वृद्ध लापता

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : कोतवाली उतरौला क्षेत्र के ग्राम फत्तेपुर निवासी 70 वर्षीय सुमिरन मौर्य संदिग्ध परिस्थितियों में राप्ती नदी में लापता हो गए। बताया जा रहा है कि वह शुक्रवार शाम नदी में फूल विसर्जन करने गए थे, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल सका।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और एनडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों की टीम को खोजबीन के लिए लगाया गया। गोताखोरों द्वारा नदी में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, लेकिन खबर लिखे जाने तक वृद्ध का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

मौके पर तहसीलदार, प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज, ग्राम प्रधान ज्ञानेंद्र कुमार वर्मा और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि महिपाल वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे और बचाव कार्य की निगरानी करते रहे। प्रशासन द्वारा परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिया गया है।

रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान दो शातिर गिरफ्तार

गोंडा, अमृत विचार : गोंडा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त गश्त के दौरान प्लेटफार्म नंबर दो के पश्चिमी छोर से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। दोनों के कब्जे से एक मोबाइल फोन और दो कलाई घड़ियां बरामद हुई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने ट्रेनों में चढ़कर यात्रियों का सामान चोरी करने की बात स्वीकार की है।

आरपीएफ के उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, कांस्टेबल संजय सिंह, कांस्टेबल विवेक सिंह तथा जीआरपी के उप निरीक्षक मनोज कुमार यादव रविवार को अपनी टीम के साथ संयुक्त गश्त पर थे। गश्त के दौरान टीम प्लेटफार्म संख्या दो के पश्चिमी छोर स्थित शौचालय के पास पहुंची, जहां दो युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों मौके से भागने लगे, लेकिन तत्परता दिखाते हुए उन्हें तत्काल पकड़ लिया गया। पूछताछ में पकड़े गए युवकों ने अपना नाम मोहम्मद अहद उर्फ मोहम्मद अहमद पुत्र स्व. मुर्तजा, निवासी महारानीगंज घोसियाना, थाना कोतवाली नगर, जनपद गोंडा तथा मोहम्मद अल्तमश पुत्र जियाउल्लाह, निवासी महारानीगंज घोसियाना, थाना कोतवाली नगर, गोंडा बताया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म पर आने-जाने वाली ट्रेनों में चढ़कर यात्रियों के मोबाइल, घड़ी व अन्य सामान चोरी करते थे और चोरी का माल बेचकर नशे की जरूरतें पूरी करते थे। तलाशी के दौरान उनके पास से एक वीवो मोबाइल फोन और दो कलाई घड़ियां बरामद हुईं। बरामद सामान की कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई गयी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की विवेचना जीआरपी के उप निरीक्षक इंद्रबली यादव को सौंपी गई है।

ऊंचाई से गिरकर मजदूर की मौत

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : दतौली स्थित मनकापुर चीनी मिल में रविवार को एक हादसा हो गया, जहां काम के दौरान ऊंचाई से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। देवरिया के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरी निवासी वीरेन्द्र पांडेय (51) पुत्र राम ससनेही चीनी मिल के प्रोडक्शन यूनिट में बॉयलर के पास कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। मिल प्रबंधन ने घायल मजदूर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीएचसी के चिकित्सक डॉ. डी.के. भास्कर ने बताया कि घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। वहीं कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि सीएचसी से मिली सूचना के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

स्वास्थ्य मेलों में 1453 मरीजों को मिला उपचार

स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण करते सीएमओ। ● अमृत विचार

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : जनपद के सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में कुल 1453 मरीजों को उपचार मिला। लाभार्थियों में 673 पुरुष, 609 महिलाएं और 171 बच्चे शामिल रहे। मेलों में सामान्य स्वास्थ्य जांच, बीपी-शुगर, टीबी, कुष्ठ, नेत्र व दंत रोगों की जांच, गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, टीकाकरण तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपरा एकडंगा में आयोजित मेलों का निरीक्षण किया।

नवयुग स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रतनपुर बारी सहिजन, सुलतानपुर (उ0प्र0)

मे स्ववित्तपोषित योजनातंर्गत आवश्यकता है

स्नातक स्तर पर बी0बी0ए0 पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता– 06 पद
स्नातक स्तर पर बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता – 06 पद
स्नातक स्तर पर बी0लिब0 पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता – 06 पद
एवं परास्नातक एम0कॉम0 पाठ्यक्रम हेतु प्रवक्ता – 06 पद
योग्यता व वेतनमान – एआईसीटीई, यूजीसी एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार । इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 10 दिनो के भीतर अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखो की स्वप्रमाणित छायाप्रति के महाविद्यालय के पते पर संपर्क करे।

भवदीय– **प्रबंधक**
मो0– 9919332588

विश्व जल दिवस

उप कृषि निदेशक ने किसानों से की ड्रिप सिंचाई और जल संरक्षण अपनाने की अपील

भू-जल संकट से बचने को सामूहिक प्रयास जरूरी

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार : विश्व जल दिवस के मौके पर पानी संस्थान की तरफ से संचालित पुरस्कार परियोजना के अंतर्गत रविवार को पंडरी कृपाल एवं झंझरी ब्लॉक स्थित मेरी गोल्ड लॉन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में किसानों को आर्थिक स्थिति में सुधार करते हुए कम लागत, कम खाद और कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की तकनीकों की जानकारी दी गई और किसानों को घटते भू-जल स्तर के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि उप कृषि निदेशक प्रेम ठाकुर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि पानी बचाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है और यह जिम्मेदारी केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से ड्रिप सिंचाई अपनाने की अपील की। तकनीकी निदेशक रवि सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में बोरवेल और ट्यूबवेल के माध्यम से अत्यधिक जल दोहन किया जा रहा है, जिससे भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांवों के पारंपरिक जल स्रोत जैसे कुएं और तालाब लगभग समाप्ति की ओर हैं, जिसके कारण वर्षा जल संरक्षण प्रभावित हो रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले समय में पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। किसानों को जल संरक्षण के लिए मल्चिंग, सहफसली खेती, कम जल मांग वाली फसलों को बढ़ावा, शून्य जुताई पद्धति और श्री विधि जैसी तकनीकों को अपनाने की सलाह दी गई। साथ ही तालाबों के नवीनीकरण और सोख पिट निर्माण पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान लोक गायिका ममता मिश्रा ने गीतों के माध्यम से घर और खेती दोनों में जल संरक्षण का संदेश दिया। अन्य गतिविधियों और जागरूकता माध्यमों से भी किसानों को जल बचाने के लिए प्रेरित किया गया।

गायिका ममता मिश्रा को सम्मानित करते डीडीए प्रेम ठाकुर। ● अमृत विचार

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, हाइड्रोजियोलॉजिस्ट, तकनीकी निदेशक रवि सिंह, अविनाश सिंह, राजीव मिश्रा, लोक गायिका ममता मिश्रा, वीरेंद्र कुमार, सुभाष चंद्र, निर्भय और जितेंद्र सहित कई लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के सफल संचालन में अंकिता मिश्रा और प्रिया श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसान रोली, मयंका वर्मा, ननकई, गिरजा देवी, कुमकुम मिश्रा, मीना देवी, रीना जायसवाल, रीना वर्मा और सतना देवी को सम्मानित किया गया।

1650 बच्चों ने दी सर्वोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

गोंडा, अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग की तरफ से संचालित तीनों जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा रविवार को हुई। यह परीक्षा जनपद के 4 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई। जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि प्रथम पाली में कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। इसमें कुल 932 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 799 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 133 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

वहीं द्वितीय पाली में कक्षा 7, 8 एवं 9 के लिए प्रवेश परीक्षा कराई गई, जिसमें कुल 982 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 851 अभ्यर्थी उपस्थित रहे तथा 132 अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए। सभी परीक्षा केंद्रों पर जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी।

मनीराम वर्मा एजूकेशनल इंस्टीटयूट
मड़ना उपरहार, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है-

प्राचार्यः 01 पद। स्नातक स्तर पर कला संकाय (बी.ए.) पाठ्यक्रम हेतु हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान एवं चित्रकला विषयों में 01–01 पद प्रवक्ताओं की।
योग्यता एवं वेतामान यू.जी.सी. एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार ।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 दिवसों के अन्दर अपने शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति के साथ महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय- प्रबंधक
धर्मवीर वर्मा
मो :– 9919003436

एन0बी0एस0 लॉ कॉलेज
भादा (निकट प्रतापगंज बाजार), सुलतानपुर (उ0प्र0)–227816

में स्ववित्तपोषित योजनातंर्गत आवश्कता है

स्नातक स्तर पर विधि संकाय (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) एल0एल0बी हेतु प्राचार्य विधि– 01 पद, प्रवक्ता विधि– 10 पद।
योग्यता व वेतनमान – बीसीआई, यूजीसी एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार । इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 10 दिनो के भीतर अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखो की स्वप्रमाणित छायाप्रति के महाविद्यालय के पते पर संपर्क करे।

प्रबंधक– 7880821965

न्यूज ब्रीफ

मार्ग हादसे में पीआरडी जवान घायल

कानीबोझी (श्रावस्ती) : मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम शिकारी चौड़ा के मजरा गणेशपुर निवासी बुधराम (45) पीआरडी जवान के पद पर कार्यरत है। बुधराम रविवार को बाइक से ड्यूटी के लिए भिनगा जा रहे थे। इसी दौरान मल्हीपुर-भिनगा मार्ग पर ग्राम भंगहा के निकट सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से बुधराम की बाइक टकरा गई। इससे वह सड़क पर गिर गए। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा पहुंचाया। वहीं, दूसरा बाइक सवार मौके से वाहन लेकर चला गया।

नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख की ठगी

सिरसिया (श्रावस्ती) : सिंचाई विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर एक महिला से 10 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। एसपी के आदेश पर भिनगा कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के लक्ष्मनपुर बाजार निवासी सावित्री देवी ने बताया कि बलरामपुर जिले के गौरा थाना क्षेत्र स्थित परसापुरैया खजुरिया गांव निवासी अशोक कुमार ने उनके बेटे ओम प्रकाश को सिंचाई विभाग में नौकरी दिलाने को कहा था। इसके बदले में रुपयों की मांग की। महिला ने विश्वास कर कई किस्तों में अशोक को 10 लाख 25 हजार रुपये दे दिए, लेकिन बेटे को नौकरी नहीं मिली। पीड़िता ने पैसा वापस मांगा तो अशोक कुमार ने धमकी देते हुए भगा दिया। महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस आरोपित के विरुद्ध मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

24 को श्रावस्ती में आएंगे प्रभारी मंत्री

श्रावस्ती : प्रभारी अधिकारी प्रोटोकॉल व उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव ने बताया कि प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग व जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल एक दिवसीय भ्रमण के लिए 24 मार्च मंगलवार को श्रावस्ती आएंगे। वह दोपहर 1.30 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट स्थित तथागत सभागार में चल रहे प्रदर्शनी व मेले में प्रतिभाग करेंगे। दो बजे कलेक्ट्रेट सभागार में प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पर आधारित जनसंवाद व संगोष्ठी में शामिल होंगे। 3.30 बजे वह लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

मनचला गिरफ्तार

जमुनहा (श्रावस्ती) : सोनवा थाने की मिशन शक्ति टीम की ओर से मिशन शक्ति अभियान के द्वितीय चरण के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान रविवार को टीम शाहपुर कठौतिया बाजार में भ्रमण कर रही थी। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक शिल्पी ने देखा कि एक व्यक्ति बाजार में खरीदारी करने आई महिलाओं एवं बालिकाओं को देखकर तेज आवाज में अश्लील गाने गाकर अभद्र व्यवहार कर रहा था। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने उसको गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शाहपुर कठौतिया निवासी राजा पांडेय उर्फ अंग्रेज पांडेय पुत्र रामकुमार पांडेय के रूप में हुई है।

ई-रिक्शा व बाइक में टक्कर, दो घायल

मल्हीपुर (श्रावस्ती) : बदला मल्हीपुर मार्ग पर ग्राम सचिवालय के पास बाइक व ई-रिक्शा में टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार थाना क्षेत्र के चिरैया गांव निवासी अमित भार्गव पुत्र राजेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अमरीश पुत्र साबितराम को हल्की चोटें आई। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल बहराइच भिजवाया।

4-लेन से व्यापार और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नई उम्मीदः बाराबंकी-बहराइच हाईवे बनने पर मिलेगी राष्ट्रीय राजमार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी

जरवलरोड (बहराइच)

अमृत विचार। केंद्र सरकार द्वारा बाराबंकी से बहराइच तक 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे को मंजूरी मिलने से क्षेत्र में विकास की नई उम्मीद जगी है। लगभग 48.28 किलोमीटर लंबी यह परियोजना हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर बनाई जाएगी और राष्ट्रीय राजमार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह हाईवे बाराबंकी, रामनगर, जरवल, कैसरगंज, फखरपुर और बहराइच को जोड़ते हुए यातायात को सुगम बनाएगा तथा क्षेत्रीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा देगा। कई बाईपास के निर्माण से शहरों में जाम की समस्या भी कम होने की उम्मीद है।

हालांकि, इस परियोजना को लेकर एक महत्वपूर्ण स्थानीय मुद्दा भी सामने आ रहा है। प्रस्तावित मार्ग के अनुसार रामनगर से सीधे जरवल और कैसरगंज को जोड़ा जा रहा है, जिससे बीच का एक प्रमुख और ऐतिहासिक पड़ाव जरवलरोड इस मुख्य मार्ग से बाहर होता दिखाई दे रहा है। जबकि जरवल रोड में, चीनी मिल जरवलरोड रेलवे स्टेशन जो जंक्शन का रूप जल्द ही मिलेगा मंजूरी मिल गई बीआरसी भवन इंटर कॉलेज ब्लॉक संसाधन केंद्र थाना जैसे महत्वपूर्ण संस्थान है फिर भी जरवल रोड को अछूता छोड़ दिया गया है।

दूसरी ओर स्थानीय लोगों का मानना है कि जरवलरोड वर्षों से इस क्षेत्र का व्यापारिक, सामाजिक और परिवहन का अहम केंद्र रहा है। यहां रेलवे स्टेशन, बाजार और विभिन्न सेवाओं के कारण यह स्थान आसपास के दर्जनों गांवों की जीवनरेखा माना जाता है। ऐसे में इस हाईवे से इसके सीधे जुड़ाव का न होना भविष्य में व्यापारिक गतिविधियों और स्थानीय आवागमन पर प्रभाव डाल सकता है। वहीं विशेषज्ञों का सुझाव है कि परियोजना में जरवलरोड के लिए समुचित लिंक रोड या कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि विकास का लाभ सभी क्षेत्रों तक समान रूप से पहुंच सके। साथ स्थानीय लोगों को भी इसका लाभ मिले।

पयागपुर में 21 किमी सड़क चौड़ीकरण को मिली स्वीकृति, विकास को मिलेगी रफ्तार

पयागपुर (बहराइच), अमृत विचार। विधानसभा पयागपुर क्षेत्र के अंतर्गत पुरैना-विशेश्वरगंज-गंगाजमुनी बॉर्डर तक लगभग 21 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति मिल गई है। इस सड़क के निर्माण में 37.65 करोड़ की लागत आएगी इस परियोजना से क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा इस सड़क के निर्माण और चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। स्वीकृति मिलने के बाद अब लोगों में खुशी का माहौल है। यह सड़क पयागपुर क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ते हुए मुख्य मार्ग के रूप में कार्य करेगी, जिससे स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। इस संबंध में विधायक सुभाष त्रिपाठी ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से न केवल आवागमन बेहतर होगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इस परियोजना को स्वीकृति दिलाने में सांसद करण भूषण सिंह एवं विधायक सुभाष त्रिपाठी के प्रयासों की अहम भूमिका रही। वहीं, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात और पुष्पगुच्छ देकर क्षेत्रवासियों की तरफ से आभार व्यक्त किया है। दूसरी ओर स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के चौड़ीकरण से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यात्रा समय भी घटेगा, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिलेगा।

सीएम से मुलाकात कर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने जताया आभार।

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। रानीपुर इलाके में एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा जहां पर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

देहात कोतवाली इलाके में स्थित गोकुलपुर ग्राम का रहने वाला अकरम नाम का युवक रविवार को बाइक से हुजूरपुर इलाके में स्थित अपनी ससुराल में ईद मिलने जा रहा था। जब वो कुट्टी बाजार के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, घटना के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया, लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा लेकिन उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सड़क हादसे में वृद्ध महिला की मौत

श्रावस्ती, अमृत विचार। कोतवाली भिनगा के बौरिहवा निवासी मालती देवी (65) पत्नी छैल बिहारी को रविवार को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध महिला की मौत हो गई। बेटे के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पुत्र नन्द कुमार कसौधन ने बताया कि वह किसी काम से बैठिहवा गया था। तभी उसे मोबाइल के जरिए सूचना मिली की उसकी माता की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। मौके पर पहुंचे नन्द कुमार ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस दुर्घटना करने वाले वाहन की तलाश कर रही है।

जिले में डायल 112 बेड़े में शामिल हुए सात नए वाहन

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार। पीड़ित को समय से पुलिस सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की ओर से जिले को सात नई पीआरवी स्कार्पियो वाहन आवंटित किया गया है। इन वाहनों का लक्ष्य सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस गश्त को मजबूत करने के साथ ही आपात स्थिति में आम लोगों को प्रभावी सहायता पहुंचाना है।

एसपी राहुल भाटी तथा एएसपी व नोडल डायल 112 मुकेश चंद्र उत्तम की ओर से सातों नई पीआरवी स्कार्पियो वाहनों को पुलिस लाइन भिनगा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन पीआरवी वाहनों को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सतर्क निगरानी व नागरिकों को समय पर सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित किया जाएगा। एसपी ने बताया कि यह वाहन जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, वायरलेस संचार व्यवस्था, बाडी वार्न कैमरा, मोबाइल डाटा टर्मिनल तथा सीयूजी मोबाइल फोन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लैस हैं। इससे पुलिस बल की प्रतिक्रिया क्षमता, पारदर्शिता व जनविश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही इन वाहनों में मेडिकल किट व अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण भी लगे हुए हैं। इससे मार्ग दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा में पुलिसकर्मी आमजन को जरूरी सहयोग उपलब्ध करा सकेंगे।

नई पीआरवी वाहनों को हरी झंडी दिखाते एसपी व एएसपी। अमृत विचार

धूमधाम से निकली झूलेलाल की शोभायात्रा

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। सिंधु सेवा समिति की ओर से सिंधी समाज के इष्ट भगवान झूलेलाल जी की एक भव्य शोभायात्रा जिला अस्पताल स्थित झूलेलाल मंदिर से निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग इसमें शामिल हुए।

यह शोभायात्रा झूलेलाल मंदिर से अस्पताल चौराहा, छोटी बाजार, घण्टाघर, छावनी चौराहा, अग्रसेन चौक होते हुए झूलेलाल धाम, हनुमानपुरी कॉलोनी, स्टेशन रोड पर संपन्न हुईं। शोभा यात्रा में सबसे आगे सिंधियों के इष्ट देवता की प्रतिमा बग्घी पर विराजमान रही तथा समाज के युवाओं ने सफेद वस्त्र, गले में भगवान झूलेलाल की माला और माथे पर अपने इष्ट देवता के चित्र वाला रुमाल लगाया। शोभा यात्रा में सिंधी समाज के पुरुषों और महिलाओं ने सिंधी गीतों और राजस्थान के अलवर से आये बैंड पर जमकर डांडिया नृत्य किया। शोभा यात्रा स्टेशन रोड हनुमान कॉलोनी स्थित झूलेलाल धाम पहुँच कर संपन्न हुईं जहाँ पूरे समाज के लोगों के लिए भण्डारे की व्यवस्था रही जहाँ सिंधी समाज के लोगों ने भगवान झूलेलाल का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सत्या, पूर्व नगर पालिका चेयरमैन कन्हैयालाल रुपानी, फ्रेंड्स आफ कतर्नियाघाट के बीडी लखमानी, जगदीश सत्या, भीम सेन रुपानी, व्यापार मंडल श्रावस्ती के अध्यक्ष सुभाष सत्या, प्रदीप चावला, सुंदर लखमानी महिलाओं में हेमा रुपानी, शारदा लखमानी, गुंजा कोतवानी, वर्षा तलरेजा, मीना रुपानी, जमुना लखमानी समेत सिंधी समाज के पुरुष महिलाएं एवं बच्चे रहे।

शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

आस्था

लापरवाही पर दो पुलिस कर्मी निलंबित

जमुनहा (श्रावस्ती), अमृत विचार। मल्हीपुर थाने में तैनात दो पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की गई है। पदीय कर्तव्यों में लापरवाही के आरोप में दोनों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध जांच के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, स्वेच्छाचारिता व अनुशासनहीनता में एक उप निरीक्षक व एक आरक्षी को किया निलंबित कर दिया गया है। मल्हीपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक सतीश चंद्र मिश्रा व आरक्षी विजय लाल की ओर से लापरवाही, स्वेच्छाचारिता व अनुशासनहीनता का आरोप संज्ञान में आने पर एसपी ने पुलिस की छवि धूमिल करने का दोषी मानते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। साथ ही दोनों के विरुद्ध नियमों के अनुरूप विभागीय जांच कराए जाने के आदेश दिए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की हुई मौत

बहराइच, अमृत विचार। जिले के दरगाह थाना क्षेत्र में घर से निकला युवक कुछ दूर पर बेहोशी की हालत की हालत में मिला सूचना पर परिवार के लोग उसे इलाज के लिए लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। दरगाह इलाके में स्थित सुसरौली ग्राम के रहने वाले ग्रामीण जीतू के बेटे पिंटू को इसी माह 24 मार्च को शादी होनी थी। शनिवार को वो घर से घूमने के लिए निकला लेकिन काफी देर वो वापस नहीं लौटा, देर रात ग्राम से कुछ दूरी पर वो बेहोशी की हालत में मिला, ग्रामीणों की सूचना पर परिजनों ने मौके पर पहुंच उसे इलाज के लिए लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां पर रविवार को उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता जीतू ने बताया कि उसकी 24 मार्च को देहात कोतवाली इलाके में स्थित मरी माता मंदिर में शादी होनी थी। उसने पता नहीं क्या खा लिया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने पर मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

विश्व वानिकी दिवस पर हुआ पौधरोपण

जमुनहा (श्रावस्ती), अमृत विचार। ककरदरी रेंज स्थित जगपति धाम मंदिर राप्ती बैराज के पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार को विश्व वानिकी दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महंत रीता गिरी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वन दरोगा बृज लाल यादव ने कहा कि विश्व वानिकी दिवस का उद्देश्य वनों की कटाई पर नियंत्रण तथा सतत वन प्रबंधन को बढ़ावा देना है। यह दिन वैश्विक स्तर पर पौधरोपण अभियानों को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। इस दौरान आंवला, इमली, साखू, बेल, शीशम, बेहड़ा, विजय शाल, पीपल, पाकड़, जामुन व मौलश्री सहित करीब 100 पौधे का रोपण किया गया। इस मौके पर वनरक्षक विपिन कुमार, ग्राम प्रधान राजू यादव, आजाद अहमद, पीसी यादव, दिनेश श्रीवास्तव, विमल श्रीवास्तव सहित वन विभाग के कर्मचारी व स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

पौधरोपण करते जगपति धाम मंदिर के सदस्य।

बरसात ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी

बेमौसम बरसात से सिरसिया क्षेत्र में गिरी गेहूं की फसल। अमृत विचार

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार। जिले में शुक्रवार सुबह तेज हवाओं के साथ शुरू हुई बरसात रुक रुक दूसरे दिन भी जारी रही। करीब 24 घंटे हुई इस बरसात के कारण कई स्थानों पर खेतों में लगी गेहूं की फसल गिर गई। वहीं इसका असर सरसों, मसूर आदि फसलों पर भी पड़ा। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक भैंस की भी मौत हो गई।

खेतों में लगी गेहूं व अरहर को छोड़कर शेष अलसी, मसूर, सरसों व तेरिया आदि की फसल पक कर पूरी तरह तैयार है। ज्यादातर किसान इन फसलों को काटकर मड़ाई की तैयारी कर रहे है। वही तमाम किसान काटने की तैयारी कर रहे है। ऐसे में शुक्रवार व शनिवार को हुई बेमौसम बरसात ने किसानों की तैयारियों पर बाधा डाल दिया। जिन किसानों ने अपनी फसल काट लिया उनके मड़ाई का काम बाधित हो गया। तेह हवाओं के साथ हुई बरसात से खेतों में लगी गेहूं व मटर की फसल गिर गई। इससे इन फसलों के खराब होने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में किसान पैदावार को लेकर परेशान है।

● **खेतों में तैयार सरसों व मसूर की फसल को भी हुआ नुकसान**

जायद की फसल को होगा फायदाः तराई में बेमौसम हुई बरसात से मक्का, उर्द, मेंथा व गन्ना सहित सब्जियों की फसलों को फायदा होगा। खेतों में नमी होने व तापमान में गिरावट से किसानों को इनकी सिंचाई करने से कुछ दिन की मोहलत मिल जाएगी। हालांकि इस बरसात के कारण जिन किसानों की फसल गिर गई है। उनका नुकसान होना तय है।

बिजली गिरने से मवेशी की मौतः जमुनहा- शनिवार को गरज चमक के साथ हुई बरसात के बीच मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ककरदरी गांव में सुबह बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से गांव निवासी मंगली यादव के एक भैंस की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब वह अपने मवेशी चराने के लिए बाहर ले जा रहा था।

प्रशिक्षण से ही वैचारिक रूप से सशक्त होते हैं कार्यकर्ताः बृजेश

पयागपुर (बहराइच)

अमृत विचार। भाजपा के पंडित दी नदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण म हाअभियान के तहत पयागपुर मंडल मुख्यालय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वह पाठशाला है, जहाँ से कार्यकर्ता वैचारिक रूप से परिपक्व होकर निकलता है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि पंडित दी नदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन हमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा की प्रेरणा देता है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से आगामी चुनावों और सांगठनिक विस्तार के लिए विशेष रणनीति भी साझा की गई संगठन को मजबूती देने के लिए शनिवार रात वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ रात्रि प्रवास किया। जिलाध्यक्ष बृजेश पांडेय व विधानसभा संयोजक निशंक त्रिपाठी ने भारत सिंह मैरिज विशेश्वरगंज में रात्रि प्रवास कर कार्यकर्ताओं से संवाद किया तो वहीं पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी ने बस स्टॉप पयागपुर पर कार्यकर्ताओं के साथ रात्रि विश्राम कर जमीनी फीडबैक लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष राम गोपाल शुक्ला ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री विपिन त्रिपाठी ने किया।

शिविर को संबोधित करते जिलाध्यक्ष ब्रजेश पांडेय व मौजूद अन्य।

हर क्षेत्र में अग्रणी हो रहा है श्रावस्तीः एडीएम

संवाददाता, श्रावस्ती, अमृत विचार। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने पर कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में नौ दिवसीय प्रदर्शनी व मेले का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को पांचवे दिन कई कार्यक्रम आयोजित हुए। इसका शुभारम्भ एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, नोडल अधिकारी/एसडीएम प्रवीण यादव व डीएसओ दीपक कुमार वार्ष्णेय ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भिनगा की छात्रा साबरीन एवं इल्तिशा ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में एडीएम व एसडीएम ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के छह लाभार्थियों को गैस सब्सिडी चेक व अन्त्योदय के 13 लाभार्थियों को राशन कार्ड प्रदान किया। इस दौरान गिलौला गुरुकुल के छात्रों ने गीता के अध्यायों का मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया। वहीं गुरुकुल के ही छात्र सौरभ पाठक आरम्भ है प्रचंड गीत पर नृत्य व राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं ने थारू लोक नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान एडीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार के कार्यकाल के नौ वर्ष पूर्ण होने पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। श्रावस्ती विगत नौ वर्षो में दिन-प्रतिदिन हर क्षेत्र में अग्रणी हो रहा है। लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

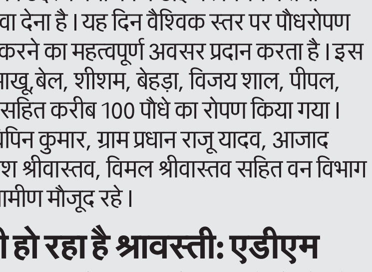

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्र व अधिकारी।

पुलिस लाइन में निकाली गई वाहन रैली

श्रावस्ती, अमृत विचार। पुलिस लाइन परिसर से शनिवार को बाइक रैली निकाली गई। यह रैली भिनगा नगर के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करते हुए लोगों को महिलाओं से होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूक किया। मिशन शक्ति अभियान-5 के द्वितीय चरण के दौरान पुलिस लाइन परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें एसपी राहुल भाटी ने कहा कि पुलिस विभाग महिलाओं और बालिकाओं के प्रति होने वाले अपराधों को लेकर अत्यंत गंभीर है और उनकी सेवा में सदैव तत्पर है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि वह किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। साथ ही वूमेन पावर लाइन 1090, इमरजेंसी सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, 1930, 181, 102, 108, 101 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करके कुछ ही मिनटों में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि द्वितीय फेज में महिलाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया जाएगा। इस दौरान एसपी व एएसपी मुकेश चंद्र उत्तम ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर खैरी मोड, ईदगाह तिराहा, दहाना तिराहा होते हुए नई बाजार में भ्रमण कर लोगों को महिलाओं के प्रति संवेदनशील व सम्मानजनक व्यवहार करने के लिए जागरूक किया। इस मौके पर सीओ इकौना भरत पासवान, सीओ अपराध आलोक कुमार सिंह व आरआई अखिलेश कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

ईदगाहों में जुटी भीड़

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी

ईद की नमाज में अमन-चैन और भाईचारे की मांगी गई दुआ

जरवल रोड (बहराइच)

अमृत विचार। ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर जरवल व जरवलरोड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकत्र होकर नमाज अदा की। नमाज के बाद देश में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान पूरे क्षेत्र में खुशियों और उल्लास का माहौल देखने को मिला। छोटे-बड़े सभी लोग नए कपड़े पहनकर ईद की खुशियां मनाते नजर आए।

स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे मोबाइल टीम व्यवस्था का जायजा लेते रहे। समाजसेवी कमाल भाई के साथ दर्जनों लोग तथा जरवल रोड क्षेत्र में डॉक्टर जहीर आलम सिद्दीकी अनीश रईस रायनी जमाल अहमद शमीम जमील अंसारी कमाल अहमद, बशारत उल्लाह गुडान, आदिलोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी।

मस्जिद में एक-दूसरे ईद की बधाई देते मुस्लिम समुदाय के लोग।

गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते लोग। अमृत विचार

अकीदत के साथ अदा हुई ईद की नमाज, श्रावस्तीः जिले भर में शनिवार को हर्षोल्लास के साथ ईद मनाई गई। ईदगाहों पर ईद की नमाज अदा कर अमन-चैन की दुआ मांगी गई। इसके बाद एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इसी के साथ ही शुरू हुआ सेंवई खाने-खिलाने का दौर दूसरे दिन भी जारी रहा। भिनगा सहित जिले की अन्य ईदगाहों पर शनिवार को ईद की नमाज अदा करने के लिए भारी तादाद में लोग सुबह से ही पहुंचने लगे। नमाजियों की भारी भीड़ को देखते हुए ईदगाहों में भारी इंतजाम किए गए थे। पेशे इमाम की अगुवाई में ईद की नमाज अदा की गई। मौसम खराब होने के बावजूद ईदगाहों पर भारी भीड़ जुटी। नमाज के दौरान कोई असुविधा न हो, इसके लिए ईदगाह तिराहे से लेकर तहसील तिराहे तक आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया था। यही हाल इकौना, गिलौला, सिरसिया, जमुनहा, हरदत्त नगर गिरंट, बदला, नासिरगंज, भंगहा, लक्ष्मनपुर बाजार व सेमगढ़ा आदि क्षेत्रों का भी रहा। जहां लोगों ने ईद की नमाज अदा कर अमन-चैन की दुआ मांगी, साथ ही एक-दूसरे के गले मिलकर उन्हें ईद की मुबारबाद दी। त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना रहा। इस दौरान सुरक्षा के भारी प्रबंध किए गए थे। सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय पुलिस के साथ ही पीएसी व होमगार्ड के जवानों को भी तैनात किया गया था। भिनगा ईदगाह पर नमाज के दौरान डीएम अश्विनी कुमार पांडेय, एसपी राहुल भाटी, एसडीएम भिनगा आशीष भारद्वाज, सीओ, कोतवाल दल-बल के साथ मौजूद रहे।

अमृत विचार
सोमवार, 23 मार्च 2026

अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।
–चार्ली चैपलिन, हॉलीवुड अभिनेता

इस छूट के मायने

अमेरिका द्वारा ईरान से सीमित अवधि के लिए तेल खरीद की छूट विरोधाभासी है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके तेल राजस्व को रोकने की कोशिश की गई, उसी को अचानक "राहत" क्यों? यह निर्णय किसी उदारता से अधिक जटिल भू-राजनीतिक गणित का परिणाम है। लक्ष्य है ऊर्जा बाजार को तात्कालिक झटके से बचाना, आपूर्ति की कमी से कीमतों को काबू में रखना और समुद्र में फंसा तेल चीन की ओर न चला जाए इसकी व्यवस्था। इसीलिए विरोधाभास से आंखें मूंदकर यह फैसला लेना पड़ा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पश्चिम एशिया में तनाव, शिपिंग जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल गैस आपूर्ति को इतना संवेदनशील बना दिया कि इस मामले ऐसी रियायत देनी पड़ी। सीमित समय सीमा मात्र इसलिए ताकि यह "नियंत्रित वाल्व" की तरह काम करे। थोड़ी अतिरिक्त आपूर्ति आए, तेल बाजार में कीमतें नरम पड़ें, पर स्थायी ढील न बने, पर इससे कीमतें लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रहने वाली।

समुद्र में फंसे लगभग 170 मिलियन बैरल तेल को बाजार तक लाने से अल्पकालिक राहत ही मिलेगी स्थायी समाधान नहीं। अगर भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है, तो यह राहत कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों से ज्यादा टिकाऊ नहीं होगी। ऊपर से ईरान का यह कहना कि उसके पास "सरप्लस तेल नहीं है", संकेत देता है कि उपलब्ध अतिरिक्त आपूर्ति सीमित है या तो तेल पहले ही अनुबंधित है या ऐसे व्यवस्थागत ढांचे में है, जिसे तुरंत मोड़ा नहीं जा सकता। इससे वास्तविक आपूर्ति बनाम अपेक्षा के बीच अंतर पैदा होगा, जो कीमतों में अस्थिरता बनाए रख सकता है। रूस पर प्रतिबंध और ईरान को छूट की दोहरी नीति का आरोप अमेरिका पर भले लगे, लेकिन व्यवहार में यह परिस्थिति-आधारित रणनीति है। रूस के मामले में उद्देश्य उसके युद्ध वित्त को बाधित करना था, वहीं ईरान के मामले में लक्ष्य तत्काल आपूर्ति झटके को कम करना और ईरानी तेल तक चीन की निर्बाध पहुंच को संतुलित करना है। यानी यहां सिद्धांत नहीं, हित-आधारित लचीलापन काम कर रहा है। भुगतान और लेन-देन की शर्तें महत्वपूर्ण होंगी।

व्यवहार में कई शर्तें वॉशिंगटन की रूपरेखा के अनुसार होंगी। अमेरिकी निगरानी में लेन-देन होने से डॉलर, यूरो या विशेष एस्क्रो व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। "शैडो फ्लीट" पर लदे तेल के कारण बीमा, ट्रैकिंग और भुगतान जोखिम बढ़ते हैं, इसलिए खरीदार देशों को प्रशासनिक अनुपालन और जोखिम प्रबंधन में सावधानी रखनी होगी। भारत के लिए यह अवसर के साथ परीक्षा भी है। भारतीय रिफाइनरियां सीमित मात्रा में ईरानी ग्रेड्स, जो तकनीकी रूप से उपयुक्त और कभी-कभी प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलते हैं, उसका लाभ उठा सकती हैं, पर उन्हें अमेरिकी दिशा-निर्देशों, भुगतान चैनलों और बीमा शर्तों का पालन करना ही होगा। रूस के तेल की तुलना में ईरानी तेल हर बार सस्ता हो, यह तय नहीं, पर लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता और अनुबंध शर्तों के आधार पर यह आकर्षक विकल्प बन सकता है। भारत को चाहिए कि वह इस मौके का उपयोग आपूर्ति विविधीकरण, रणनीतिक भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा में तेज निवेश के साथ करे। क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी उत्तर बाजार की दया पर नहीं, नीतिगत दूरदृष्टि और आत्मनिर्भरता पर टिका होता है।

प्रसंगवश

शहीद दिवसः क्या राष्ट्रप्रेम अब प्रतीक भर रह गया है

भारत हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में अंकित वह क्षण है, जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर इतिहास को अमर कर दिया। आज, जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पार कर चुका है, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम उस बलिदान की अग्नि को अपने भीतर जीवित रख पाए हैं या वह केवल औपचारिक स्मरण तक सिमट गई है? आधुनिक भारत की हाईटेक और डिजिटल होती पीढ़ी के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह उन अनगिनत क्रांतिकारियों की कीमत पर मिली, जिन्होंने अपने जीवन, अपने सपने और अपने परिवार तक को राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया।

भगत सिंह महज 23 वर्ष के थे, जब उन्होंने फांसी को गले लगाया। यह वही उम्र है, जब आज का युवा अपने करियर, सुविधाओं और निजी आकांक्षाओं के बारे में सोचता है। ऐसे में यह तुलना स्वयं में एक

अरविंद रावल
लेखक

प्रश्न बन जाती है कि क्या हमारे समय का युवा उस युग के युवा के समान अर्थ रखता है? साइमन कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय पर हुए निर्मम लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भारतीय युवाओं के मन में क्रांति की ज्वाला भड़का दी। इसी ज्वाला का परिणाम था सांडर्स वध, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को यह संदेश दिया कि भारत का युवा अब अन्याय सहने को तैयार नहीं है। इसके बाद केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना, जिसे भगत सिंह ने "बहरों को सुनाने का प्रयास" बताया था। सिर्फ एक विस्फोट नहीं था, बल्कि विचारों का उद्घोष था। बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर उन्होंने गिरफ्तारी दी ताकि उनका संदेश पूरे देश में गूंज सके। जब अंग्रेजी हुकूमत ने इन युवाओं को फांसी की सजा सुनाई, तब पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हो गया। चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, परंतु अल्फ्रेड पार्क में लड़ते हुए उन्होंने भी अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंततः 23 मार्च 1931 की शाम, नियत तिथि से पहले ही, अंग्रेजों ने भयवश तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी। यह केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना और भी अधिक जागृत हो उठी। आज स्थिति बदल चुकी है। राष्ट्रप्रेम अब कई बार प्रतीकों और अवसरों तक सीमित दिखाई देता है। सोशल मीडिया के स्टेटस, औपचारिक समारोह और दो चार देशभक्ति गीतों तक। सबसे अधिक चिंताजनक यह है कि समाज में एक विभाजनकारी मानसिकता पनप रही है, जहां समृद्ध वर्ग अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक भविष्य चाहता है, जबकि सीमाओं की रक्षा का दायित्व मानो केवल सामान्य या मध्यम वर्ग पर छोड़ दिया गया है। यह सोच न केवल असंतुलित है, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए भी खतरा है।

राष्ट्रप्रेम कोई अवसर विशेष की भावना नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है। यह जाति, धर्म, वर्ग और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का दृष्टिकोण है। यदि आज की पीढ़ी इस मूल भावना से दूर होती गई, तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्र का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। इसलिए, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह देखने का कि क्या हम उस स्वतंत्रता के योग्य नागरिक बन पाए हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने का अवसर देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नाटो से बाहर हो सकता है अमेरिका

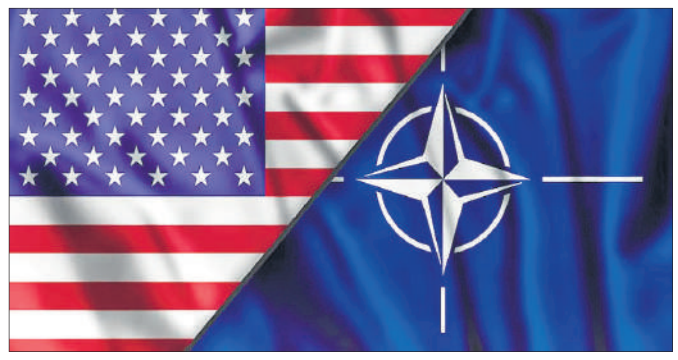

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और अब ईरान पर हमला करके उन्होंने खाड़ी देशों को युद्ध की आग में झोंक दिया। वे यहीं नहीं रुके हैं। उनका अगला निशाना क्यूबा और ग्रीन लैंड होगा। यह बात पूरी दुनिया को पता है। यही वजह है कि नाटो के सदस्य देश अब न सिर्फ ट्रंप की मनमानी को रोकना चाहते हैं, बल्कि खुद की सैन्य शक्ति को बढ़ाकर रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ईरान की बढ़ती आक्रमकता के बाद ट्रंप ने नाटो सदस्य देशों से अपने युद्धपोत होर्मुज में भेजने के लिए कहा था, पर सबने मनाकर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आए और उन्होंने अपने बेस से ईरान पर हमले की इजाजत ट्रंप को देदी।

परिणाम यह हुआ कि ईरान ने डिएगो गासिर्या पर हमला कर यह बता दिया कि जो भी देश अमेरिका के साथ खड़ा होगा उसके वहां उसकी मिसाइलें गिरेंगी और तबाही मचाएंगी। डिएगो गार्सिया पर चार हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल से ईरान के प्रहार ने न सिर्फ नाटो देशों में सकते में ला दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अमेरिका और इजरायल ने अब बड़ी गलती कर दी है, क्योंकि ईरान का मकसद अब युद्ध को न सिर्फ लंबा खींचना है, बल्कि एक के बाद एक अमेरिकी सहयोगी देश पर हमला करके इस युद्ध को व्यापक बनाना है। यही वजह है कि अब नाटो बिखरता हुआ दिख रहा है और ट्रंप नाटो से बाहर आने के संकेत दे रहे हैं।

हमले से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। यदि वह परमाणु बम का परीक्षण कर लेगा तो फिर इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। उन्होंने इसका डर अमेरिकी जनता के साथ ही यूरोपीय और खाड़ी देशों को भी दिखाया। जबकि पिछले साल जब अमेरिका और इजराइल ने हमला किया था, तो यह दावा किया था कि उसकी एयर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जबकि अमेरिकी सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को दी गई अपनी लिखित गवाही में अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने यह स्वीकार किया है कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई थी। परिणाम स्वरूप ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को दोबारा शुरू करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की। इस रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति ट्रंप आलोचनाओं में घिर गए हैं, पर वे युद्ध की इस कार्रवाई को सही ठहराने में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिक और वहां के थिंक टैंक का आरोप है कि इजरायल के प्रधानमंत्री के कहने पर ट्रंप ने अमेरिका को बिना वजह युद्ध में शामिल किया। इस बात की कसक फ्रांस समेत कई नाटो देशों को भी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का गठन जब हुआ था तब तय किया गया था कि नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो सदस्य देश उसकी मदद को आगे आएंगे। तुर्किए नाटो का सदस्य है।

अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान ने तुर्किए पर मिसाइल व ड्रोन से प्रहार किया, लेकिन एक भी नाटो सदस्य देश उसके बचाव में आगे नहीं आया। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा तेल और गैस लदे जहाजों पर हमले के बाद भी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ग्रीस जैसे देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने से मनाकर दिया। इन देशों को पता है कि यदि वे वहां अपने युद्धपोत भेजते हैं, तो ईरान जो हाल सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई का कर रहा है, वही उनका भी करेगा। ईरान उनके यहां भी एयरपोर्ट, सैनिक ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर तबाही मचाएगा। इस तबाही की भरपाई मुश्किल होगी। डिएगो गासिर्या पर प्रहार से पहले ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिटेन को धमकी दी थी कि यदि वह अमेरिका की मदद करेगा, तो फिर इसका अंजाम बुरा होगा, लेकिन ब्रिटेन ने इस धमकी को नजरअंदाज किया। परिणाम स्वरूप डिएगो गार्सिया पर हमला करके ईरान ने बता दिया कि उसकी मिसाइलों की जद में फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम नाटो देश हैं, जहां वह कभी भी हमला कर सकता है। हालांकि फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी जैसे देश पहले ही डोनाल्ड ट्रंप से साफ कह चुके हैं कि वे इस युद्ध में अमेरिका की कोई मदद नहीं करेंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस इनकार की कई वजहें हैं। ट्रंप अब मनमानी पर उतर आए हैं। वे फ्रांस, जापान समेत तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों को बात-बात पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। नाटो से निकलने की धमकियां देते हैं और बिना वजह युद्ध करना चाहते हैं। ऐसे में कोई भी देश उनका साथ देने को तैयार नहीं है। रही बात इजराइल की तो वह इस्लामिक राष्ट्रों से घिरा हुआ है और उसे अपना अस्तित्व बचाना है इसलिए वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध हो उसमें शामिल होगा।

नाटो देशों द्वारा मदद से इनकार से ट्रंप बौखलाए हुए हैं और नाटो का अस्तित्व समाप्त होने की धमकी दे रहे हैं, पर ब्रिटेन के अलावा कोई भी अन्य देश उनकी गीदड़ भभकी में नहीं आया। ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है और वह अंतिम दम तक लड़ेगा। युद्ध लंबा खिंचेगा तो इसके बारूद की आग कई और देशों को अपनी चपेट में लेंगी, जो किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होगा। सदस्य देशों से नाराज डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नाटो से बाहर आने की फाइल पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ऐसी आशंका है।

> ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है।

आमने सामने

आरजी कॉलेज की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी बंगाल में नहीं जीतेगी। हर जगह बीजेपी वोट की चोरी कर के जीत हासिल करती है। इतिहास में पहली बार चुनावों के दौरान बंगाल से 50 से ज्यादा अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।
–शत्रुघ्न सिन्हा, सांसद, टीएमसी

एसआईआर में जो वोट काटे गए, वे घुसपैठियों, दिवंगत लोगों के थे। वहां, एक आदमी कई वोट डालता था, एक आदमी के कई जगहों पर वोट थे। अगर ऐसे आदमी का वोट काटा गया, तो उन्हें क्या एतराज है? क्या आप बंगाल को बाकी भारत से अलग करना चाहते हैं? बंगाल के लोग सब देख रहे हैं और वहां बीजेपी की सरकार जरूर बनेगी। – विजय कुमार शर्मा, डिप्टी सीएम, छत्तीसगढ़

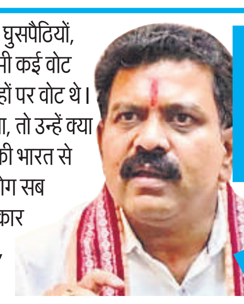

दिखावटी चुनाव में एक तानाशाह की बल्ले-बल्ले

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15 वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने न कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंग का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हां में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है।

ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी, लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है। वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं।

इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया, जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं, जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज-पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया, तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे। मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या न कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी, तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कइयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्राध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56 वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है।

सोशल फोरम

सकारात्मक संकेत

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ईरान और पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ईरान इजरायल के कारण बढ़ते तनाव और क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थितियों ने भारत की प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति श्रृंखला को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। खाड़ी क्षेत्र के बढ़ते तनाव और हालिया

आर एन शाही
गोरखपुर

क्षेत्रीय अस्थिरता से पहले, भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात के माध्यम से पूरी करता रहा है। भारत के प्रमुख गैस आपूर्ति भागीदारों में कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता (कुल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत रहा। यह पूरी आपूर्ति फिलहाल ठप है और बहाल होने में लंबा समय लगने की आशंका है, क्योंकि ईरानी हमले से इसके प्लांट संयंत्रों को भारी क्षति पहुंची है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी गैस आयात में भारी वृद्धि की है। ऑस्ट्रेलिया दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से एक स्थिर स्रोत बनकर उभरा है, जो लंबे समय तक राहत देगा। अन्य देशों में अंगोला, नाइजीरिया और ओमान जैसे देश हैं, जिनकी आपूर्ति जारी रहने वाली है। हालांकि भारत पाइपलाइन (आईपीआई पाइपलाइन) के माध्यम से ईरान से सीधे गैस नहीं ले पा रहा था, लेकिन ईरान 'फारस की खाड़ी' और 'होर्मुज जलडमरूमध्य का द्वार है, जहां से भारत की 60 प्रतिशत से अधिक गैस आपूर्ति गुजरती है। यह पूरी की पूरी आपूर्ति फिलवक्त अवरोध और अनियमितता का शिकार है। हालिया संघर्षों के कारण सीधे तौर पर गैस के कुओं से उत्पादन कम होने की अपेक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में बड़ी बाधाओं के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। अनुमान है कि लाल सागर और फारस की खाड़ी में तनाव के कारण भारत की कुल गैस आपूर्ति का लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्सा अनिश्चितता के घेरे में आया है। मुख्य रूप से उन देशों से आने वाली सप्लाई प्रभावित हुई है, जो लाल सागर मार्ग का उपयोग करते हैं, जैसे कुछ यूरोपीय स्रोत और अल्जीरिया। युद्ध के खतरे के कारण जहाजों के समुद्री बीमा में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जिससे लैंडिंग लागत बढ़ गई है। भारत ने अपनी रणनीति को "विविधीकरण" पर केंद्रित किया है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया से हटकर अफ्रीका और अमेरिका की ओर रुख कर रहा है, जो भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह किसी भी सरकार के लिए चाहे भारत हो या चीन, जादू की छड़ी घुमाने जैसी कोई चमत्कारिक कार्यवाही नहीं है।

– फेसबुक वॉल से

सामयिकी

मार्च में सर्दी-गर्मी जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

प्रकृति का अपना एक निश्चित अनुशासन और संतुलन होता है। सदियों से पृथ्वी पर ऋतुओं का क्रम तय रहा है। वसंत की मधुरता, ग्रीष्म की तपिश, वर्षा की हरियाली, शरद की शांति, हेमंत की ठंडक और शीत ऋतु की सिहरन। भारत जैसे देश में यह ऋतुचक्र केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और कृषि व्यवस्था का आधार रहा है। किंतु हाल के वर्षों में यह संतुलन तेजी से बिगड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने इस असंतुलन को स्पष्ट कर दिया। हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। विशेष रूप से सरसों और गेहूं जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, क्योंकि यह समय उनके पकने का होता है। ऐसे में मौसम की थोड़ी-सी भी अनियमितता उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है।

राजेश जैन
लेखक

किसान अपनी खेती का समय ऋतुओं के अनुसार तय करता है और त्योहार व परंपराएं भी मौसम से गहराई से जुड़ी होती हैं, लेकिन जब मौसम ही अनिश्चित हो जाए, तो पूरी जीवन व्यवस्था प्रभावित होती है। यह असामान्य मौसम केवल संयोग नहीं, बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या जलवायु परिवर्तन का संकेत है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। रबी फसलों- जैसे गेहूं, चना और सरसों के लिए मार्च का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान तापमान अचानक बढ़ जाए, तो दानों का विकास प्रभावित होता है और उत्पादन घट जाता है। वहीं, अचानक बारिश, ठंड या ओलावृष्टि तैयार फसल को नष्ट कर सकती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। अचानक बदलते मौसम के कारण शरीर को अनुकूलन का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित होते हैं। कई बार अचानक बढ़ती गर्मी हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं भी इसी असंतुलन का संकेत हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, जंगलों में आग और भूस्खलन जैसी घटनाएं अब अधिक बार देखने को मिल रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के प्रवाह और जलस्तर में बदलाव आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में जल संकट और भी गहरा सकता है। इस असंतुलन के पीछे मानव गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या और विकास की दौड़ में हमने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण ने पर्यावरणीय संतुलन को कमजोर कर दिया है। पेड़-पौधों की कमी के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान नियंत्रित रखने वाली प्राकृतिक प्रणाली प्रभावित हो रही है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ असंतुलन का परिणाम मानव को ही भुगतना पड़ता है। यदि समय रहते हमने अपनी जीवनशैली और विकास की दिशा में सुधार नहीं किया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए, आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

हाथ की उंगलियों में पहनी जाने वाली खूबसूरत अंगूठियां

अंगूठी एक ऐसा आभूषण है, जो सदियों से सुंदरता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने हाथों की उंगलियों में अंगूठी पहनना पसंद करते हैं। यह केवल सजावट का साधन नहीं है, बल्कि कई बार यह प्यार, रिश्ते और भावनाओं का प्रतीक भी होती है। खासकर सगाई और शादी में अंगूठी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। आजकल बाजार में अंगूठियों की बहुत सारी सुंदर डिजाइन मिलती हैं। सोने, चांदी, हीरे और अलग-अलग रंगों के पत्थरों से बनी अंगूठियां हाथों की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती हैं। कुछ लोग साधारण और हल्की अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग भारी और डिजाइनर अंगूठियां पहनना पसंद करते हैं। हर व्यक्ति अपनी पसंद और स्टाइल के अनुसार अंगूठी चुनता है।

नूर हिना खान
लेखिका

अंगूठियों की डिजाइन

अंगूठियों की डिजाइन समय के साथ बदलती रहती है। पहले साधारण गोल डिजाइन अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन आजकल फ्लावर डिजाइन, हार्ट शेप, क्राउन डिजाइन और मिनिमल स्टाइल की अंगूठियां बहुत ट्रेंड में हैं। खासकर युवतियां पतली और स्टाइलिश अंगूठियां पहनना पसंद करती हैं, जो उनके हाथों को और भी आकर्षक बनाती हैं। आज के समय में अंगूठियां केवल आभूषण नहीं रह गई हैं, बल्कि यह फैशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी भी पार्टी, शादी या खास अवसर पर एक सुंदर अंगूठी पूरे लुक को और भी खास बना देती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अंगूठी छोटी जरूर होती है, लेकिन इसकी सुंदरता और महत्व बहुत बड़ा होता है।

साधारण अंगूठी

यह हल्की और सादी डिजाइन की होती है। इसे रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। ऑफिस, घर या सामान्य काम करते समय ऐसी अंगूठियां सबसे अच्छी रहती हैं।

डिजाइनर अंगूठी

डिजाइनर अंगूठियों में अलग-अलग स्टाइल, नक्काशी और नए फैशन की डिजाइन होती हैं। इन्हें पार्टी, शादी, त्योहार या किसी खास मौके पर पहनना ज्यादा अच्छा लगता है।

फैशन अंगूठी

फैशन अंगूठियां ट्रेंड के अनुसार बनाई जाती हैं। आजकल पतली, मिनिमल और स्टैकिंग (एक साथ कई अंगूठियां पहनना) स्टाइल बहुत लोकप्रिय है। युवतियां इन्हें कैजुअल और पार्टी दोनों में पहनती हैं।

स्टोन या रत्न वाली अंगूठी

इन अंगूठियों में अलग-अलग रत्न लगे होते हैं, जैसे पन्ना, माणिक, मोती या नीलम। कई लोग इन्हें ज्योतिष के अनुसार पहनते हैं, क्योंकि माना जाता है कि सही रत्न जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सगाई या शादी की अंगूठी

यह सबसे खास अंगूठी मानी जाती है। सगाई और शादी में जो अंगूठी पहनाई जाती है वह रिश्ते और प्यार का प्रतीक होती है। अक्सर इसमें हीरा या सुंदर पत्थर लगा होता है।

कैसे चुनें अच्छी अंगूठी

अच्छी अंगूठी चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले अंगूठी का साइज सही होना चाहिए ताकि पहनने में आराम रहे। दूसरा, उसकी डिजाइन आपके हाथों और स्टाइल पर सूट करनी चाहिए। तीसरा, उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि वह जल्दी खराब न हो। कुल मिलाकर अंगूठी एक छोटा सा आभूषण है, लेकिन यह व्यक्ति की खूबसूरती और व्यक्तित्व को और भी निखार देती है। सही अंगूठी सही समय पर पहनी जाए, तो हाथों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

67 साल बाद एक गीत की वापसी

Choo, choo train, a-chugging down the track
Gotta travel on, never coming back
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues
Bye, bye love, my baby's leaving me
Now lonely teardrops are all that I can see
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues

यह गीत हाल के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 67 साल बाद अचानक फिर से वायरल हो गया है, जो यह दर्शाता है कि संगीत की कोई समय सीमा नहीं होती। 1959 में नील सेडका द्वारा लोकप्रिय बनाया गया यह गीत अपने भावनात्मक बोल और मधुर धुन के कारण पहले भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना चुका था, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया ने इसे एक नई पहचान दी है। आजकल सोशल मीडिया पर सैकड़ों की संख्या में इसके एआई वर्जन और लोगों द्वारा बनाई गई रील्स वायरल हैं।

इस गीत के वायरल होने का सबसे बड़ा कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम और टिक टॉक हैं, जहां लोग पुराने गानों को नए ट्रेंड्स के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। खासतौर पर रील्स और शॉर्ट वीडियो में इस गाने के इस्तेमाल ने इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाया, जो शायद पहले इस गीत से परिचित नहीं थी।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

गीत की धुन में एक तरह की उदासी और सादगी है, जो आज के तेज-तर्रार और शोर-भरे संगीत के बीच एक अलग ही सुकून देती है। यही कारण है कि लोग इसे बार-बार सुनना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, इस गाने के बोल, जो एकतरफा प्रेम और बिछड़ने की पीड़ा को व्यक्त करते हैं, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। यह भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी लोकप्रियता का मूल कारण है। वायरल होने का एक और पहलू यह है कि लोग अब रेट्रो चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पुराने गाने, फैशन और स्टाइल एक बार फिर ट्रेंड में आ रहे हैं और One Way Ticket to the Blues इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। यह नॉस्टैल्जिया और नवीनता का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। अंततः इस गीत का दोबारा लोकप्रिय होना यह साबित करता है कि अच्छी कला कभी पुरानी नहीं होती। समय बदलता है, माध्यम बदलते हैं, लेकिन भावनाएं और सच्चा संगीत हमेशा जीवित रहते हैं। यह वायरल ट्रेंड न केवल एक पुराने गीत को नया जीवन देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नई पीढ़ी भी क्लासिक संगीत को उतनी ही सराहना देती है।

पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए पंजाबी आवाज वाले गायक जसपाल

जिंदगी का सफर

होली के हिंदी फिल्मी गीतों के संग्रह में शायद ही किसी के पसंदीदा गानों में 'जोगी जी धीरे-धीरे...' न हो! इसे या 'नदिया के पार' के अन्य गीतों को सुनते हुए अक्सर ख्याल आता था कि भारत के पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए यह सरल, जादुई आवाज किसकी है, जो यूपी-बिहार के गांवों की भाषा और भावों को इतनी सहज और सुंदर अभिव्यक्ति देती है।

फिर जब यह पता चला कि यह मधुर आवाज एक पंजाबी गायक जसपाल सिंह जी की है तो और ताज्जुब होना ही था। एक पंजाबी पृष्ठभूमि की आवाज और भारत के पूर्वी क्षेत्र की भाषाई मिठास इतनी खूबसूरती से संजोये हुए। फिर लगा शायद हिंदी क्षेत्र से कोई संबंध रहा हो। मगर ऐसा भी कोई उल्लेख कहीं मिला नहीं।

उनका जन्म 23 मार्च 1943 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उन्हें स्कूल और कॉलेज के दिनों में ही गायन का शौक हो गया था। वे पढ़ाई के दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। जसपाल जी मोहम्मद रफी साहब के बहुत बड़े प्रशंसक थे और बचपन से ही उनके गाने-सुनते और मौका मिलते ही गाते थे। गायन के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए वे मुंबई चले गए, जहां उनकी बहन रहती थीं।

अभिषेक मिश्र
लेखक

उनकी प्रतिभा को सर्वप्रथम 1968 में प्रसिद्ध महिला गायिका और संगीतकार ऊषा खन्ना जी ने पहचाना और पहला ब्रेक दिया। इनके संगीत निर्देशन में इन्होंने 'बंदिश' और 'अनजान है कोई' फिल्मों में गाने गए। मगर न इन फिल्मों को ज्यादा सफलता मिली न इन्हें कोई विशेष पहचान। मगर इनका सही वक्त अभी आना शेष था। राजश्री की फिल्म 'गीत गाता चल' में संगीतकार रविन्द्र जैन जी के निर्देशन में उनकी आवाज पूरे देश में छा गई। इसके बाद उन्होंने 'नदिया के पार', 'अंखियों के झरोखों से', 'सावन को आने दो' जैसी कई हिट बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया। चूंकि उस समय के सभी ख्यात गायक अलग-अलग लोकप्रिय नायकों के साथ जुड़े हुए थे। इस कारण नायक सचिन को ब्रेक देने वाली आवाज के रूप में पार्श्व गायन करने के लिए नए गायक जसपाल सिंह को चुना गया था। मगर यह सफलता उनके राह की बाधा भी बन गई। नायक के रूप में सचिन का कैरियर बहुत सफल और लंबा नहीं रहा, जबकि जसपाल जी सचिन की आवाज के रूप में सीमित पहचान में बंधते चले गए। आने वाला दौर हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायन के स्तर में गिरावट का भी रहा, जो जसपाल जी जैसे प्रतिभावान गायकों के लिए अनुकूल नहीं रहा और वो इस नए दौर में गुमनामी में खोते गए।

उनके कंठ से निकले कुछ यादगार गीतों में-धरती मेरी माता, पिता आसमान, गीत गाता चल ओ साथी गुनगुनाता चल, मंगल भवन अमंगल हारी (फिल्म- गीत गाता चल), कौन दिशा में लेके चला रे, साची कंहे तोरे आवन से हमरे (फिल्म- नदिया के पार), जब-जब तू मेरे सामने आए (फिल्म- श्याम तेरे कितने नाम), सावन को आने दो (फिल्म- सावन को आने दो) आदि शामिल हैं। सफलता-असफलता से परे उनके दिल से गाए गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं और आगे भी उनकी उपस्थिति का अहसास बन फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

फिल्म समीक्षा

नए भारत की कूटनीति को बयां करती फिल्म

धुरंधरः द रिवेंज, एक ऐसी फिल्म, जिसे आप दम साधे पूरी देखना चाहेंगे। कोई डिस्टरबेंस आप को पसंद नहीं आएगा, आप की नजरें रुपहले पर्दे पर ही टिकी होगी, जिज्ञासा चरम पर होगी इसके बाद क्या? आप बस यही सोचेंगे, इसके सिवाय कुछ नहीं... यदि आप ने धुरंधर का पहला भाग देखा है, तो आप अनुभूत करेंगे कि ये उस से कहीं बेहतर है, फिल्म की एडीटिंग गजब की है, स्क्रिप्ट भी बेहतरीन और एक्टिंग तो ऐसी की, भाई सभी कलाकारों को सैल्यूट करने को जी करता है। ये भारतीय सिनेमा की सफल और बेहतरीन फिल्मों की सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएगी।

डॉ.संजय अनंत
समीक्षक

सन 2014 के बाद का भारत, अब केवल बदला नहीं लेता, घर में घुसकर मारता भी है। मोदी जी, टीवी पर नोटबंदी की घोषणा करते हैं और बर्बाद पाकिस्तान होता है, ये फिल्मी शोशा नहीं, हकीकत थी। कराची में आईएसआई के इशारे पर बड़े पैमाने पर फेक करेंसी यानी नकली नोट बड़े पैमाने पर छपते और ये नेपाल या कश्मीर के रास्ते से भारत लाया जाता। ठीक है फिल्म की कहानी में कुछ नाटकीयता है, किंतु इसके बाद भी ये फिल्म, कराची के इस सदी के प्रथम दशक की कहानी बयां करती है। रॉ के लोग पहले भी पाकिस्तान में सक्रिय थे, वे सूचना भेजते, किंतु उस पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती थी, पर अब अजीत डोभाल देश की सुरक्षा संभाल रहे है, जो स्वयं कभी पाकिस्तान में भारत के जासूस रहे है, अब जो इनपुट हमारे एजेंट्स वहां से भेजते हैं, उस पर तुरंत कार्यवाही होती है। यूपी के माफिया अतीक अहमद, पाकिस्तान की संस्थाएं, दाऊद सबका गठबंधन सच्चाई है और यही इस फिल्म का आधार है। बीते वर्ष में अनेक मोस्ट वांटेड आतंकी या उनके अन्नदाता जो पाकिस्तान में थे, अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा कत्ल कर दिए गए।

यही है नया भारत। जमील साहब यानी राकेश बेदी साहब की एक्टिंग तो कमाल की है, आर माधवन, सान्याल साहब के रूप में, संजय दत्त एसपी चौधरी के रूप में, फिल्म का हीरो रणवीर सिंह, सब ने अपने रोल के साथ न्याय किया है, अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) क्रूरता घृणा चेहरे से झलकी, गजब की एक्टिंग, दो कमियां भी बताते चलूं, अत्याधिक वीभत्स हिंसक सीन और कुछ अश्लील संवाद, इसलिए सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, निर्देशक इसके बिना भी यदि फिल्म बनाते तो वो उतनी ही प्रभावशाली होती, इसकी जरूरत नहीं थी। यह फिल्म निश्चित ही सुपरहिट होगी और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में अपना स्थान बनाएगी। निर्देशक और पटकथा लेखन, दोनों आदित्य धर ने किया, वे निश्चित ही बधाई के पात्र हैं और पुरस्कार के भी।

जंजीर जिसने बदल दी अमिताभ बच्चन की तकदीर

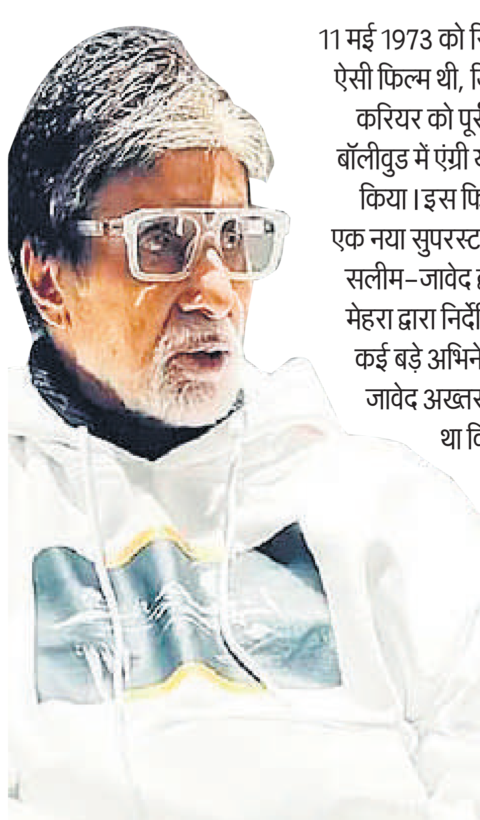

11 मई 1973 को रिलीज हुई 'जंजीर' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को पूरी तरह से बदलकर, उन्हें बॉलीवुड में एंग्री यंग मैन के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म ने फिल्म इंडस्ट्री को एक नया सुपरस्टार दिया। गौरतलब है कि सलीम-जावेद द्वारा लिखित और प्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को पहले कई बड़े अभिनेताओं ने ठुकरा दिया था। जावेद अख्तर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जंजीर धर्मेंद्र को लेकर लिखी गई थी, लेकिन धर्मेंद्र ने किन्हीं कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था।

अमिताभ बच्चन ने 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उनकी 11 फिल्में रिलीज हुई, जिनमें भुवन सोम, परवाना, रेशमा और शेरा, प्यार का घर आदि शामिल हैं, पर कोई भी बड़ी हिट साबित नहीं हुई। 1971 में आई फिल्म आनंद जरूर सफल रही पर सारा क्रेडिट राजेश खन्ना ले गए।

जंजीर में इंस्पेक्टर विजय खन्ना के किरदार ने अमिताभ बच्चन को एक गुस्सैल, कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया, जिसे तब के युवा दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन की तकदीर बदल गई और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गया गाना 'यारी है ईमान मेरी' आज भी बहुत पसंद किया जाता है।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

अमिताभ बच्चन को जंजीर इतनी आसानी से नहीं मिली। वे इस फिल्म के लिए पहली पसंद तो कतई नहीं थे। इससे पहले उनकी कई फिल्में फ्लॉप हो चुकी थीं। धर्मेंद्र के बाद राजकुमार और देवानंद ने भी निजी कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था। एक दिन प्रकाश मेहरा 'मुंबई टू गोवा' फिल्म देख रहे थे। अमिताभ की एक्टिंग देख उन्होंने तय किया कि उनकी फिल्म के हीरो वही होंगे। कहते हैं कि प्राण ने भी प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया था।

जंजीर की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर की मशहूर जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म की कहानी, डायलॉग और सीन लोगों को इतने पसंद आए की फिल्म सुपरहिट साबित हुई और अमिताभ भी रातों-रात स्टार बन गए। इसके बाद इस जोड़ी ने अमिताभ के साथ कई हिट फिल्में दीं, जिनमें शोले, दीवार, काला पत्थर, शान, त्रिशूल, डॉन आदि शामिल हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन इंस्पेक्टर विजय खन्ना के रोल में थे, जबकि जया बच्चन उनकी प्रेमिका माला तथा प्राण ने शेर खान का रोल निभाया था। इनके अतिरिक्त इस फिल्म में अजीत, ओमप्रकाश, इफ्तिखार, केस्टो मुखर्जी, बिंदु आदि कलाकार भी शामिल थे। फिल्म में संगीत कल्याण जी आनंद जी का था।

यह फिल्म लगभग 90 लाख की बजट में बनी थी और इस फिल्म ने 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जंजीर के लिए उस साल अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार बॉबी के लिए ऋषि कपूर को मिला था।

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा

मुंबई। पिछले सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आंकलन करेंगे। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृहद आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है।

अमृत विचार
अयोध्या, सोमवार, 23 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को भी देश में स्थिर बने रहे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी 95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है।

महत्वपूर्ण खनिजों के ब्लॉक की नीलामी का 7वां चरण शुरू होगा

नई दिल्ली। सरकार सोमवार को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए नीलामी का सातवां चरण शुरू करेगी, जिसके तहत कई राज्यों में फैले 19 ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के बीच सरकार का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, उर्वरकों और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। अब तक, नीलामी के छह दौर हो चुके हैं, जिसमें 46 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक की बिक्री की जा चुकी है। खान मंत्रालय ने कहा, सातवें चरण में खनन पट्टे और संयुक्त लाइसेंस के तहत कई राज्यों में 19 ब्लॉक पेश किए जाएंगे।

श्रीलंका ने की बिजली और ईंधन के सीमित इस्तेमाल की अपील

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने रविवार को जनता से वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता के बीच संभावित कमी से निपटने के लिए ईंधन और बिजली का सीमित व सोच-समझकर उपयोग करने की अपील की। यह अपील ऐसे समय आई है जब द्वीपीय देश ने आधी रात से ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा दिए हैं, जो एक सप्ताह में दूसरी बढ़ोतरी है। सरकार ने प्रत्येक वाहन के लिए जारी क्यूआर कोड के आधार पर ईंधन की बिक्री निश्चित मात्रा में शुरू कर दी है। श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नलिंदा जयतिस्सा ने कहा,हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे बिजली और ईंधन का समझदारी से उपयोग करें और ऊर्जा खपत को न्यूनतम रखें।

स्कोडा ऑटो का वर्ष 2026 में बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उत्पादों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''कंपनी ने अपने मध्यम आकार के मॉडल एसयूवी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है। कंपनी ने भविष्य में एक लाख इकाइयों की सालाना बिक्री का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, यह 2026 में नहीं होगा।

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर, निर्माण और उर्वरक क्षेत्र पर बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो भारत पर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकता है। सेमीकंडक्टर और निर्माण क्षेत्रों पर असर पड़ने के साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत भी बढ़ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है और इसका असर खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैफ्था, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट

दो महीने संघर्ष जारी रहा तो देश में आ सकती है मंदी

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को पैकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव झेलना पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्त्र, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों पर लागत बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने का असर पड़ेगा, हालांकि कुछ क्षेत्रों को अल्पकालिक इन्वेंट्री लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि संघर्ष दो महीने से अधिक समय तक जारी रहता है, तो इससे गंभीर आपूर्ति संकट, लागत में वृद्धि और वैश्विक तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक मंदी का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

- उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत के बढ़ने की भी आशंका

प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है राजकोषीय घाटा

प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है।

फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12% बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोदरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है।

इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण कई उद्योगों पर पड़ रहा प्लास्टिक महंगा होने का असर

एसी की मांग में आ सकती है कमी

देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। उन्हें आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी।

उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें बढ़ने पर ग्राहक महंगे मॉडल के बजाय सस्ते या कम क्षमता वाले उत्पाद खरीद सकते हैं।

एथनॉल उद्योग ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए की 20% से ज्यादा आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का कहना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई 20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

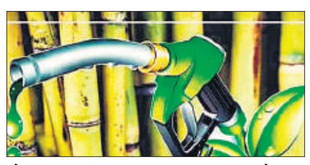

- पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होने का किया दावा

सरकार को सुझाव

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण का लक्ष्य 30 प्रतिशत तक बढ़ाएं

भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मोदी सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए।

एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव को दें बढ़ावा

इसके अलावा एआईडीए ने केंद्र सरकार से ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स-ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च को कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की डी मांग की है। एआईडीए ने कहा है, इससे संकट और कम होगा।

कोयला आयात 4.2% घटकर 21.3 करोड़ टन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल से जनवरी के दौरान 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन रहा है। समुद्री मार्ग से ढुलाई महंगी होने के कारण अभी कोयला आयात कमजोर ही रहने की संभावना है। आयात में गिरावट का यह भी संकेत है कि देश में कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ रहा है। हालांकि, भूराजनीतिक तनाव की वजह से वैश्विक स्तर पर तापीय कोयले की कीमतें चढ़ रही हैं।

बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान गैरकोकिंग कोयले का आयात 12.78 करोड़ था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 14.11 करोड़ टन के आंकड़े से कम है। एमजंक्शन सर्विसेज सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है। अप्रैल-जनवरी, 2025-26 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 5.03 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.58 करोड़ टन था। जनवरी में देश का कोयला आयात 22.1 प्रतिशत घटकर 1.66 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.13 करोड़ टन रहा था। जनवरी में हुए कुल आयात में से, गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 94.5 लाख था, जो पिछले साल जनवरी के आंकड़े 1.23 करोड़ टन से कम है।

कोकिंग कोयले का आयात 42.3 लाख था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 52.3 लाख टन रहा था।

- चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों का आंकलन, आगे भी आयात कमजोर रहने की संभावना

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था।

नेगी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

भारतीय कंपनियां एआई अपनाने में आगे, पर विशेषज्ञता में काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियां कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के मामले में अपने वैश्विक समकक्षों से आगे निकल रही हैं। हालांकि, एआई को तेजी से अपनाने के बावजूद इसमें एक महत्वपूर्ण क्षमता अंतराल भी दिखाई देता है, क्योंकि भारत में वैश्विक औसत की तुलना में एआई विशेषज्ञता का स्तर काफी कम है।

डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ज्यादातर संगठन अगले साल अपने एआई बजट में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।वर्ष 2026 की ''स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियां परीक्षण के दौर से आगे बढ़ते हुए प्रमुख कार्यों में बड़े पैमाने पर एआई को अपना रही हैं। डेलॉयट ने कहा, बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग उत्पाद विकास (62 प्रतिशत), रणनीति और संचालन (56 प्रतिशत), विपणन और बिक्री (55 प्रतिशत) और आपूर्ति श्रृंखला (48 प्रतिशत) में सबसे मजबूत है। इससे संकेत मिलता है कि एआई तेजी से उन कार्यों में शामिल हो रहा है जो विकास, दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ावा देते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाताओं ने महत्वपूर्ण या पूर्ण एआई उपयोग की जानकारी दी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 28 प्रतिशत है। रिपोर्ट में 200 से अधिक व्यापारिक और प्रौद्योगिकी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। दूसरी ओर डेलॉयट ने पाया कि केवल 0-4 प्रतिशत भारतीय कंपनियों के पास उच्च स्तर की एआई विशेषज्ञता है, जो 2-8 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी पीछे है।

- डेलॉयट ने अपनी रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज' में साफ की स्थिति

छोटे शहरों में ईवी विंडसर की बिक्री बढ़ाएगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल विंडसर की बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान गैर महानगरों का है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है इसी का लाभ उठाकर और जागरूकता बढ़ाकर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अपनी बिक्री बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

एमजी विंडसर को अक्टूबर, 2024 में पेश किया गया था। तब से अब तक इस मॉडल की कुल बिक्री लगभग 65,000 इकाई रही है। इस मॉडल की कुल बिक्री में से चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई का हिस्सा 30 प्रतिशत रहा है। शेष भारत ने इसमें 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस रुख पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री शुरू में महानगरों में ही थी, जिसका मुख्य कारण कम जागरूकता और ऐसे उत्पाद की कमी थी जो सच में आम लोगों को पसंद आते। उन्होंने दावा किया, एमजी विंडसर के आने से यह माहौल बदल गया और यह मॉडल गैर-महानगर शहरों में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह सही समय पर पेश किया गया सही उत्पाद था। इन बाजारों में ग्राहकों को एक टिकाऊ ड्राइविंग का अनुभव दिया गया है, जिससे उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 5 का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।

असल स्थिति अभी परिदृश्य में नहीं

कच्चे तेल का अदृश्य संकट

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई जैसे वैश्विक बेंचमार्क तेल बाजार की वास्तविक कमी और संकट को पूरी तरह नहीं दर्शा रहे हैं। यानी यह संकट उससे भी ज्यादा गहरा है जो वर्तमान में दिख रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कच्चे तेल का वास्तविक संकट वैश्विक स्तर पर परिलक्षित होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन यह जब सामने आएगा तो वर्तमान संकट से भी ज्यादा गहरा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की जो कीमतें फिलहाल स्क्रीन पर दिख रही हैं, वे जमीनी हकीकत से काफी अलग हैं। केवल ब्रेंट या डब्ल्यूटीआई चार्ट देखकर समझना कि तेल बाजार शांत है, भूल हो सकती है। असली महंगाई और किल्लत उन स्थानीय बाजारों और रिफाइंड प्रोडक्ट्स में दिख रही है, जो वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं।

इन्वेंट्री डेटा

बेंचमार्क कीमतें अक्सर साप्ताहिक इन्वेंट्री रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करती हैं। यह डेटा पिछला होता है। वास्तविक समय में समुद्र में टैंकरों की आवाजाही, लोडिंग में देरी या किसी टर्मिनल पर तकनीकी खराबी जैसी भौतिक कमियों को ये बेंचमार्क कुछ दिनों की देरी से पकड़ते हैं।

बेंचमार्क बनाम फिजिकल मार्केट

- ब्लूमबर्ग और जेपी मॉर्गन का तर्क है कि ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई वायदा बाजार की कीमतों में क्षेत्रीय इन्वेंट्री और पॉलिसी हस्तक्षेप के कारण स्थिरता दिख रही है। लेकिन फिजिकल मार्केट जहां वास्तविक तेल खरीदा-बेचा जाता है, वहां स्थिति गंभीर है।
- मध्य पूर्व के बेंचमार्क जैसे दुबई और ओमान के नकद दाम 155 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। यह अंतर बताता है कि खाड़ी देशों से आने वाले तेल की भारी कमी है, जो वैश्विक बेंचमार्क में अभी पूरी तरह प्राइस इन नहीं हुई है।

रिफाइंड उत्पादों में भारी महंगाई

- कच्चा तेल तो फिर भी 110 डॉलर के करीब है, लेकिन वास्तविक अर्थव्यवस्था जिस चीज का उपयोग करती है, जैसे डीजल, गैसोलीन और बंकर फ्यूल, उनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं।
- सिंगापुर में बंकर फ्यूल की कीमतें 140 से 175 डॉलर तक पहुंच गई हैं। इसे ऑयल क्राइसिस- 2.0 कहा जा रहा है, जहां कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पाद के बीच का पारंपरिक संबंध टूट गया है।

अदृश्य संकट के कारण

- मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके नतीजे आने बाकी हैं।
- शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम बढ़ गया है, जिससे तेल की वास्तविक कीमत बहुत अधिक हो गई है।

क्षेत्रीय सीमाओं का असर

- डब्ल्यूटीआई अमेरिका के ओक्लाहोमा में पाइपलाइन और स्टोरेज की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर वहां स्टोरेज फुल है, तो कीमतें गिर सकती हैं, जबकि शेष दुनिया में तेल की भारी किल्लत हो सकती है।
- ब्रेंट उत्तरी सागर के तेल क्षेत्रों से जुड़ा है, जिनका उत्पादन धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह पूरी दुनिया (खासकर एशिया और मध्य पूर्व) के 'हैवी' और 'सोर' क्रूड की कमी को सटीक रूप से नहीं दर्शाता।

जयशंकर भारत-रूस व्यापार पर केंद्रित सम्मेलन को संबोधित करेंगे

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के उनके समकक्ष सर्गेई लावरोव सोमवार को डिजिटल तरीके से एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के विशेषज्ञ खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ईरान का बंदर अंजली बंदरगाह मुंबई और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करने वाले गलियारे पर स्थित प्रमुख बंदरगाह है। यह स्वेज नहर को दरकिनार करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। इस बंदरगाह को 18 मार्च को अमेरिका-इजराइल द्वारा किए गए मिसाइल हमले में नुकसान पहुंचा था।

भारत-रूस दोनों ने इस गलियारे पर उम्मीदें टिका रखी हैं कि इससे द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जैसा कि मोदी और पुतिन ने दिसंबर में नई दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। 'रूस और भारत: द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नए एजेंडे की ओर' सम्मेलन दोनों देशों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने को रोडमैप तैयार करेगा।

- दोनों पक्ष खाड़ी क्षेत्र में तनाव से उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों पर करेंगे विचार

आर्थिक उथल-पुथल

भारतीय शेयरों में फिलहाल विश्वास नहीं, इक्विटी में भी घटाया निवेश

विदेशी निवेशकों ने इस महीने निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था।

एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 2,911.27 करोड़ रुपये कम हुआ। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे।

एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है।

आज एफपीआई निपटान नियमों में ढील पर विचार करेगा सेबी बोर्ड

नई दिल्ली। सेबी बोर्ड सोमवार को एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है। इसमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कोष निपटान नियमों को आसान बनाने और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामकीय ढांचे में बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं। एजेंडा का एक प्रमुख हिस्सा एफपीआई को उसी दिन के नकद बाजार व्यापार के लिए 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव है। मौजूदा ढांचे के तहत, एक एफपीआई को इक्विटी नकद बाजार सौदों का निपटान सकल आधार पर करना होता है। यानी प्रत्येक खरीद लेनदेन के लिए अलग से फंड देना होता है, भले ही उसी दिन कोई बिक्री लेनदेन भी हुआ हो। सेबी ने ''फंड नेटिंग'' की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एफपीआई उसी दिन की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग खरीद देनदारियों को चुकाने के लिए कर सकेंगे। इससे उन्हें केवल शुद्ध देय राशि ही चुकानी होगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंका में फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कोलंबो। श्रीलंका ने अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के प्रभावों का सामना करने के लिए दो हफ़्तों में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमत 317 श्रीलंकाई रुपये से बढ़कर 398 रुपये प्रति लीटर हो गयी है, जबकि डीज़ल की कीमत 79 रुपये बढ़कर 382 रुपये के चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गयी है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस ताज़ा बढ़ोतरी से ईंधन की खपत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

पांडिचेरी विवि में पद्मश्री पलानिवेल का सम्मान

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम के मशहूर विशेषज्ञ पद्मश्री पलानिवेल को तमिलनाडु की देसी मार्शल विरासत को बचाने और बढ़ावा देने में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्हें इस कला के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण और योगदान और युवा पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर सांस्कृतिक संयोजक प्रो. श्रीकला ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का जश्न मनाने में इस कार्यक्रम की अहमियत पर ज़ोर दिया।

ईरान ने जापानी के एक नागरिक को किया रिहा

तोक्यो। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने 'फूजी टेलीविजन' के एक 'टॉक शो' में कहा कि यह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है। जो व्यक्ति ईरान में अब हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता का एक पत्रकार है।

ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची

काहिरा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, रमजान समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी है।

कतर में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, छह लोगों की मौत

- एक व्यक्ति लापता, बचाव अभियान अभी जारी

दोहा, एजेंसी

कतर के क्षेत्रीय समुद्री जलक्षेत्र में तकनीकी खराबी के कारण हुए हेलीकॉप्टर हादसे में तुर्की के तीन नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सात में से छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके एक सैनिक और हथियार बनाने वाली कंपनी आसेलसन के दो तकनीशियनों सहित सात लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना के कारण का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। कतर के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पहले बताया था कि नियमित ड्यूटी के दौरान कतर के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से वह समुद्र में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने कुछ घंटों बाद जानकारी दी कि जारी तलाशी अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सात में से छह लोगों को खोज लिया गया है, जिनकी मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। शेष एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना के बाद व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

जंग में अमेरिका को लगा तगड़ा झटका

आधुनिक युद्धक विमानों के इतिहास में 19 और 20 मार्च, 2026 की तारीखें एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में दर्ज की गई हैं। जिसे दुनिया आसमान का भूत कहती थी और जिसे अजेय मानकर अमेरिकी वायुसेना अपनी श्रेष्ठता का दंभ भरती थी, उस एफ-35 के सुरक्षा कवच में ईरान ने सेंध लगा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि एक एफ-35 विमान को ईरानी हमले के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लेकिन ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने दावा है कि उन्होंने विमान को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है और इसके क्रैश होने की संभावना बहुत अधिक है। यह घटना केवल एक विमान के क्षतिग्रस्त होने की खबर नहीं है, बल्कि उस अरबों डॉलर की स्टेल्थ टेक्नोलॉजी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब तक कोई भी रडार पकड़ने में नाकाम रहा था।

एफ-35 का मारा जाना

एफ-35 की अजेयता का रहस्य

- अदृश्य स्टेल्थ : इसके डिजाइन में सपाट सतहों और समकोणों को खत्म कर दिया गया है ताकि रडार की तरंगें टकराकर वापस न जाएं। इस पर एक विशेष रडार-अवशोषक सामग्री (रैम) की कोटिंग होती है जो इसे रडार स्क्रीन पर एक चिड़िया जितना छोटा दिखाती है।
- सेंसर फ्यूजन : एफ-35 को फ्लाइंग कंप्यूटर कहा जाता है। यह अपने रडार, इन्फ्रारेड और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से मिलने वाले डेटा को एक साथ जोड़कर पायलट को 360-डिग्री की जानकारी देता है।
- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर : इसमें एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है जो दुश्मन के रडार को जाम कर सकती है, जिससे इसे निशाना बनाना लगभग असंभव माना जाता था।

ईरान की तकनीक : कैसे किया शिकार

- स्वदेशी तकनीक : ईरान ने दावा किया है कि उसने एफ-35 को गिराने के लिए अपनी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने पैसिव इन्फ्रारेड सेंसर तकनीक का उपयोग किया है।
- हीट ट्रैकिंग : रडार की जगह ईरान के एडी-08 माजिद एयर डिफेंस सिस्टम ने विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को ट्रैक किया।
- बिना सिग्नल का हमला : रडार आधारित सिस्टम तरंगें भेजते हैं जिससे विमान को पता चल जाता है कि उसे ट्रैक किया जा रहा है। लेकिन पैसिव इन्फ्रारेड सिस्टम कोई तरंग नहीं छोड़ता, इसलिए एफ-35 के पायलट को पता ही नहीं चला कि वह निशाने पर है।
- पहले का अनुभव : इस तरह की तकनीक का उपयोग यमन में हूतियों द्वारा भी किया जा चुका है, जहां उन्होंने अमेरिकी ड्रोनों को निशाना बनाया था।

किन देशों के पास है यह तकनीक

- एफ-22 रैप्टर (अमेरिका) : यह दुनिया का सबसे बेहतरीन एयर-सुपीरियरिटी फाइटर माना जाता है, लेकिन इसे अमेरिका किसी भी दूसरे देश को नहीं बेचता।
- जे-20 माइटी ड्रैगन (चीन) : चीन का पांचवीं पीढ़ी का विमान जो एफ-35 का मुख्य प्रतिस्पर्धी है।
- एसयू-57 फेलान (रूस) : रूस का स्टेल्थ फाइटर जो अपनी गति और चपलता के लिए जाना जाता है।
- जे-35 (चीन) : यह चीन का नया स्टेल्थ विमान है।

साख को क्षति

- एफ-35 का शिकार होना अमेरिका के लिए एक वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक छवि का संकट है। दुनिया यह मानने लगी है कि अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक को सस्ते और स्वदेशी हीट-सीकिंग मिसाइलों से भी भेदा जा सकता है।

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा

यूएन महिला आयोग : अमेरिका की जिद पर उत्पन्न हुआ तीखा गतिरोध, हुई वोटिंग

- यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर रही तल्खी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) का हालिया सत्र महिलाओं के अधिकारों और न्याय तक पहुंच जैसे गंभीर विषयों पर गहरे कूटनीतिक विभाजन का गवाह बना। दशकों से चली आ रही आम सहमति की परंपरा तब टूट गई, जब जेंडर की परिभाषा और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच तीखा गतिरोध पैदा हो गया।

अमेरिका के पेश किए गए संशोधनों और उस पर बेल्जियम के लाए गए नो एक्शन मोशन ने माहौल को तल्खियों से भर दिया। इसके परिणामस्वरूप मुख्य निष्कर्षों को सर्वसम्मति के बजाय मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इस ऐतिहासिक खींचतान के बीच, भारत सहित छह देशों ने मतदान से दूरी बनाए रखी, जो वैश्विक मंच पर सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों और बहुपक्षवाद के भविष्य पर उठते बड़े सवालों की ओर इशारा करता है। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) के हाल ही में आयोजित 70वां सत्र मुख्य रूप से जेंडर की परिभाषा, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और संप्रभुता जैसे विषयों पर सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। सत्र की शुरुआत में ही एक अभूतपूर्व घटना घटी। इस वर्ष का मुख्य विषय सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना और उसे मजबूत करना था। आमतौर पर आयोग के निष्कर्ष सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन पेश किए गए संशोधनों को इस बार अमेरिका के खारिज करने के बाद, निष्कर्षों को मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इसमें 37 देशों ने पक्ष में मतदान किया, जबकि अमेरिका ने विरोध में और भारत समेत छह देशों ने मतदान नहीं किया। सत्र के अंतिम दिन पाकिस्तान, नाइजीरिया और सेनेगल जैसे देशों ने मतदान के जरिये निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चिंता जताई। इन देशों का मानना था कि मतदान से निष्कर्ष निकालना बहुपक्षवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रस्ताव का वह समर्थन करता है, लेकिन यह सभी देशों की साझा सहमति को नहीं दर्शाता। वहीं, वेटिकन ने 'जेंडर' और 'प्रजनन अधिकार' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर अपनी पुरानी आपत्तियों को दोहराया।

अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के किया खारिज

सत्र के दौरान सबसे बड़ा विवाद अमेरिका के पेश किए गए प्रस्ताव को लेकर हुआ। इसमें जेंडर शब्द की सीमित और रूढ़िवादी व्याख्या करने की कोशिश की गयी थी। बेल्जियम ने यूरोपीय संघ की ओर से इस पर नो एक्शन मोशन पेश किया। इसका अर्थ था कि इस प्रस्ताव पर कोई चर्चा ही न की जाए। बेल्जियम का तर्क था कि यह प्रस्ताव 30 साल पहले बीजिंग घोषणापत्र में तय की गई परिभाषाओं को बदलने और वैश्विक प्रगति को पीछे ले जाने की कोशिश है। अंतत: 23 मतों के साथ इस मोशन को मंजूरी मिली और अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के खारिज कर दिया गया।

भारत का रुख सुस्पष्ट रहा

सत्र के दौरान न्याय तक पहुंच से जुड़े मुख्य निष्कर्षों पर भारत का पारंपरिक और सुस्पष्ट रुख यह रहा है कि महिलाओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील वैश्विक विषयों पर निर्णय मतदान के बजाय आम सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए, क्योंकि मतदान सदस्य देशों के बीच विभाजन पैदा करता है। भारत ने महिलाओं के उत्थान के मूल उद्देश्यों का तो समर्थन किया, लेकिन जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जैसी शब्दावलियों पर थोपी जाने वाली परिभाषाओं और मतभेदों के कारण खुद को मतदान से दूर रखा।

ईओडब्ल्यू का अधिकारी बनकर 9.5 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 9.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए। इस संबंध में प्रार्थी ने अपने परिचित धर्मेन्द्र को जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में रोप-वे ट्राली टूटी, एक महिला की मौत

- महासमुंद जिले में खल्लारी मंदिर में हुए हादसे में छह अन्य

महासमुंद, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। बागबाहरा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नमिता मारकोले ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ, जब पहाड़ी से सात यात्रियों को नीचे लाते समय ट्रॉली का केबल टूट गया।

इससे पहले ट्रॉली में आठ लोगों के सवार होने की सूचना दी गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए। अधिकारियों के अनुसार ट्रॉली करीब 200 से 300 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरी। घटना नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान बागबाहरा तहसील के खल्लारी (भीमखोज) गांव स्थित खल्लारी माता मंदिर में हुई। लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। एसडीएम ने बताया कि रायपुर निवासी आयुषी सतकार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ऋषभ धवरे और रिश्तेदार छायांश धवरे समेत छह लोग घायल हो गए। अन्य घायलों की पहचान गोविंद स्वामी , नमिता स्वामी और कुष्मिता स्वामी तथा मानशवी गोदारिया के रूप में हुई है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूडान के अस्पताल पर हमले में 64 लोगों की मौत

जिनेवा/खार्तूम। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्वी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-दईन स्थित अल-दईन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे, दो महिला नर्स, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसुस ने कहा कि इस घटना के साथ ही सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों में मरने वालों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। संगठन के अनुसार, करीब तीन साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक 213 हमलों में 2036 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा हमले में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें आठ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हमले में अस्पताल के शिशु, मातृत्व और आपातकालीन विभागों को भारी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।

पांच राज्यों में होंगे विस चुनाव महासंग्राम

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत गठबंधन से अलग हुई टीवीके

- सत्ताधारी दल के बड़े भाई वाले रवैये का किया विरोध

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में तमिलगा वाझवुरिमई काची' (टीवीके) ने रविवार को सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। टीवीके ने सत्ताधारी दल के 'बड़े भाई' वाले रवैये का विरोध किया और स्टालिन सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया।

वहीं, मार्क्सवादी पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में लड़ने के लिए दी गयी पांच सीटों की पेशकश पर कोई फैसला नहीं लिया है। मार्क्सवादियों और दलित संगठन 'विदुथलाई चिरुथाइगल काची' (वीसीके) की ओर ज़्यादा सीटों की मांग के चलते द्रमुक के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में 'वन्नियार' समुदाय का चेहरा माने जाने वाले टीवीके के संस्थापक-अध्यक्ष टी. वेलमुरुगन ने यहां कहा कि हमारे प्रति द्रमुक का रवैया 'बड़े भाई' जैसा था। हम अपनी पार्टी के साथ इस तरह के बर्ताव को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम गठबंधन इसलिए नहीं छोड़ रहे हैं कि पिछली बार के मुकाबले ज़्यादा सीटों की हमारी मांग ठुकरा दी गई, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार नहीं किया गया। तमिल राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाली टीवीके का जनाधार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वन्नियार समुदाय के बीच है, खासकर कुड्डालोर, नेवेली और चिदंबरम के साथ-साथ विलुप्पुरम ज़िलों में। यह पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ चुनावी समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। कुड्डालोर ज़िले के पनरुति से मौजूदा विधायक टी. वेलमुरुगन ने हम 2019 के लोकसभा चुनावों से ही द्रमुक के साथ हैं। सीटों के बंटवारे पर पहली बातचीत के दौरान द्रमुक ने हमें सिर्फ़ एक सीट देने की पेशकश की थी, लेकिन हमने और सीटों की मांग की। हमने अपनी मांगों का एक चार्टर भी सौंपा था, जिसमें तमिल लोगों को रोज़गार में प्राथमिकता देने के लिए कानून बनाना, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना करवाना और अन्य मांगों के साथ-साथ वन्नियार समुदाय के लिए 10.5 प्रतिशत का विशेष आरक्षण तय करना शामिल था। सरकार ने हमारी इन मांगों को नज़रअंदाज़ कर दिया है। उन्होंने इन्हीं बातों को कई पार्टियों वाले और मज़बूत द्रमुक नीत एसपीए को छोड़ने की वजह बतायी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया, वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया, पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है। इस प्रक्रिया के तहत, कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भांगर थाने का दौरा किया और संभाग के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने उन्हें आयोग के दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी।

नंद ने बताया, सभी अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। मतदाताओं को बिना किसी डर के अपना वोट डालने में सक्षम होना चाहिए। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विश्वास बढ़ाने और सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया, "हमने संवेदनशील क्षेत्रों, बस्तियों व व्यक्तियों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने जैसे कई कदम उठाए हैं। प्रेसिडेंसी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कंकर प्रसाद बरुई ने नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर थानों का दौरा किया तथा विशेष रूप से कोलकाता के निकट ग्रामीण बूथों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बरुई ने बताया, चुनाव की घोषणा के बाद हमने तैयारियों की समीक्षा की है। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा हुई। हर पहलू की जांच की गई है।

केरल में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्राथमिकी

त्रिशूर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में गुरुवायूर से पार्टी उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन के खिलाफ एक प्रचार वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवायूर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने से जुड़ी है जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में वर्गों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले वीडियो को हटाने के लिए पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को निर्देश दे दिए गए हैं। यह घटनाक्रम चुनाव गोपालकृष्णन द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बीच आया है। राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)और विपक्षी कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

असम में कांग्रेस की 7 और प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसन्न असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसाईगांव सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजनि से रजत कांति साहा और भेरगांव सीट से आंचुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माज़बत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद जैन को कटिगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं। राज्य में कांग्रेस नीत गठबंधन में छह दल है और उसने 15 सीट सहयोगियों के लिए छोड़ी है। असम विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

वोट की आस में उम्मीदवार बेल रहे रोटियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं। हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की। वोट मांगते हुए रोटियां बेलने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

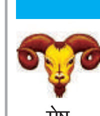
मेष: आज आप अधिकारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं। अनावश्यक खर्च से बचें।

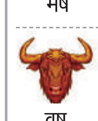
वृष: आज भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन: आज कारोबारी मामलों में अड़चन आने की संभावना है। छोटी-मोटी बातों पर अधिक आक्रामक न हों। लोग आपको धोखा दे सकते हैं।

कर्क: आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। खानपान अत्यंत संतुलित रखें।

सिंह: आज परिवार में काम की थोड़ी अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

कन्या: आज व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करना पड़ेगा। बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है।

तुला: आज का दिन अपनों के बीच शांति से बिताएंगे। अनैतिक कार्यकलापों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। कोई निर्णय भी सोच-समझकर ही लें।

वृश्चिक: आज दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है। आपकी योजनाएं सफल होंगी। घर में कुछ आगंतुकों का आगमन हो सकता है।

धनु: आज घर का वातावरण अनुशासित रहेगा। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें।

मकर: आज उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। आलस्य में अपना समय व्यर्थ न करें। अपनी योग्यताओं पर संदेह न करें।

कुंभ: आज उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे। आपको सफलता मिल सकती है। धन लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

मीन: आज आप काम के प्रति एकाग्र रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगी। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

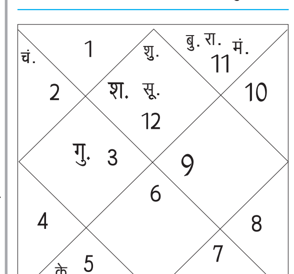

आज की ग्रह स्थिति : 23 मार्च, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 18.38 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 20.49 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 96 का हल

9	1	4	6	2	8	5	7	3
3	2	6	9	7	5	4	8	1
8	7	5	1	3	4	9	2	6
6	9	7	8	4	1	2	3	5
4	8	2	5	6	3	7	1	9
1	5	3	2	9	7	6	4	8
7	6	8	3	5	2	1	9	4
5	4	1	7	8	9	3	6	2
2	3	9	4	1	6	8	5	7

सुडोकू -97

		9				6		
5					9		1	
7		8		4				2
		3	6		8		4	
		7				8		
	2		5		3			
4				1				8
	3		2				5	
		6				9		

‘नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

-इरफान पठान

हाईलाइट

शनाका को साइन करने के लिए तैयार राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

गोल्फर अदिति शीर्ष पांच से बाहर

मेनलो पार्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक फोर्टिनेट फाउंडर्स कप के तीसरे दिन एक ओवर 73 स्कोर करके संयुक्त तीसरे से संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गई। यो जू किम अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पांच स्ट्रोक्स आगे शीर्ष पर है। नेली कोरडा दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर रूइक्सिन लियू और गैबी लोपेज हैं।

अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में

मुंबई। भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पीएसए स्पर्धा में ख़िताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफ़ाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 (11-6, 9-11, 11-8, 11-2) से हराया। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 (11-9, 9-11, 11-3, 11-8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

डुप्लांटिस ने जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया।

आईपीएल में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान के रूप में यह सत्र साबित हो सकता निर्णायक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं।

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और सहयोगी स्टाफ पंत के बल्लेबाजी क्रम पर एकमत हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एमएस धोनी, पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन, अनिरुद्ध श्रीकांत और अन्य लोग। एजेंसी

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके का हुआ मेगा फैन शो

चेन्नई। क्रिकेट। पुरानी यादें। म्यूजिक। प्योर सुपर किंग्स स्पिरिट, व्हिसल पोडू। पहले कभी न देखे गए सेलिब्रेशन में, पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का रोअर'26 - अपनी तरह का पहला मेगा फैन इवेंट रविवार शाम को यहां मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुआ। युगों के एक ऐतिहासिक मेल में, ओजी सुपर किंग्स, जिसकी लीडरशिप सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, मैथ्यू हेडन, मुरली विजय और एस बद्रीनाथ जैसे खिलाड़ी कर रहे थे, अपने मशहूर मैदान पर फिर से इकट्ठा हुए और मौजूदा सीएसके टीम का सामना हाई-एनर्जी, पहले कभी न देखे गए मैचों की एक सीरीज में किया। इस शाम को मशहूर ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाले म्यूज़िक डायरेक्टर एआर रहमान ने एक स्पेशल लाइव परफॉर्मेंस भी दी, जिससे चेपॉक म्यूज़िक और रोशनी से जगमगाता हुआ अखाड़ा बन गया, और इसे सेलिब्रेशन और फैंस के जबरदस्त एक्सपीरियंस से भर दिया, जिससे ज़िंदगी भर यादें बनीं। सीएसके के एमडी कासी विश्वनाथन ने कहा कि यह मेगा सेलिब्रेशन सिर्फ़ एक इवेंट नहीं है। यह सीएसके के सफर और फैंस के अटूट प्यार को एक ट्रिब्यूट है। पुराने जमाने के यादगार पलों से लेकर भविष्य के वादे तक, यह एक ऐसी रात थी जहाँ क्रिकेट और एंटरटेनमेंट का सबसे शानदार तरीके से मिलन हुआ, जिसमें यादगार पल, दोस्ताना मुकाबले और रात को रोशन करने वाली ढेर सारी येलो लाइटें देखने को मिलीं।

प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की केकेआर ने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है।

पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्यकार्यकारी बिंदा डे ने कहा प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बराबर की श्रृंखला

वेलिंगटन, एजेंसी

कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया। उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई।

केशव महाराज का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते प्रेनेलन सुब्रायन। एजेंसी

न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम ने कहा मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था।

हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन है जिसका हमें नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई। इससे पहले एस्टरहुइज़ेन ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था।दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा। टोनी डी ज़ोर्ज़ी (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से गड़बड़ाए समीकरण

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं।

कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे।

जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

पोलैंड के टोरुन में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले हीट में पुर्तगाल की फातौमाता बिंटा डियालो सबसे आगे जीत के करीब पहुंचीं। ● एजेंसी

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल

● पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताई टूर्नामेंट की तैयारी

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पीएसएल अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया। नकवी ने कहा क्षेत्र के हालात को देखते हुए मितव्ययिता की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है। विदेशी खिलाड़ी आज रात से यहां पहुंच रहे हैं।

नकवी ने यह भी कहा कि पीसीबी का कानूनी विभाग उन क्रिकेटरों के मामले देख रहा है जिन्होंने आईपीएल खेलने के लिये पीएसएल अनुबंध रद्द किए।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल जनवरी से मार्च तक पांच टेस्ट खेलेगा भारत

● कंगारू टीम ने जारी किया 2026-27 के लिए कार्यक्रम

मेलबर्न, एजेसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा।

अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट सीरीज में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के लिए कड़ी चुनौती बताया है।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम

अगस्त : बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच

अक्टूबर : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच

दिसंबर-जनवरी : न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच

जनवरी-मार्च : भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच

11-15 मार्च : इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच

जून : विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

जून-अगस्त : इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच।

लिवरपूल और चेल्सी पर बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

मियामी ओपन | दामिर जुमहुर को एकतरफा मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया

सिनर ने जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी, एजेंसी

जैनिक सिनर ने शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी, जो 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में टाइटल जीतने के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 12 मैच जीतने के सिलसिले पर, सिनर ने उस लेवल पर लगातार सबसे ज्यादा सेट जीतने के नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड (24) की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर अपने बड़े विरोधी से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

जब सिनर से मास्टर्स 1000 में लगातार सीधे सेटों में जीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज़्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे एटीट्यूड के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।" इस जोड़ी की पहली लेक्सस हेड2हेड मीटिंग में वर्ल्ड नंबर 76 जुमहुर को हराने के लिए टॉप-क्लास सर्विंग परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ, सिनर ने अपनी 71 मिनट की जीत के दौरान नेट पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। 25 बार के टूर-लेवल चैंपियन ने आगे बढ़ते हुए 17 में से 14 पॉइंट जीते।

'मेरे लिए ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी'

सिनर ने कहा, मेरे लिए, ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिसे हमने बहुत बेहतर बनाने की कोशिश की है। यह थोड़ा-बहुत दिन-ब-दिन पर भी निर्भर करता है। आज, सीधे ब्रेक से शुरुआत करते हुए, मैंने थोड़ा अग्रेसिव होने की कोशिश की। कभी-कभी यह बहुत अच्छा काम करता था, कभी-कभी मैंने कुछ अनफोर्स्ड गलतियां कीं, लेकिन मेरे पास यहां एडजस्ट करने के लिए ज्यादा समय नहीं था। यह इंडियन वेल्स से बहुत अलग है। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, इसलिए मैं खुश हूँ।

लोक दर्पण

"गर फिरदौस बर-रु-ए-जमीं अस्त, हमीं अस्त ओ हमीं अस्त ओ हमीं अस्त।" अर्थात् यदि धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। नामचीन शायर अमीर खूसरो द्वारा लिखा उक्त शेर कश्मीर की खूबसूरती को खुले दिल से बयां करने को काफी है। यहां के बारे में यह भी कहा जाता कि "पड़ता है आसमान का साया जमीन पर।" यूं तो समूचा कश्मीर ही नयनाभिराम, लेकिन लिद्दर पहाड़ियों की गोद में बसे पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी तथा डल झील में नौका विहार की तो बात ही निराली है। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद कश्मीर संभाग के दस जिलों में आधारभूत संरचनाओं को और मजबूती मिली है। स्मार्ट सिटी सिस्टम, कुटीर व क्राफ्ट उद्योग, फ्लोरीकल्चर, हार्टिकल्चर ने यहां गति पकड़ ली है। बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और बेहतर जीवन स्तर को वहां बल मिला है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सौजन्य से पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत गत दिनों अमृत विचार को भी कश्मीर में सरकार की योजनाओं को जानने का अवसर मिला।

पेश है विशेष रिपोर्ट...

अनिल त्रिगुणायत

वरिष्ठ पत्रकार

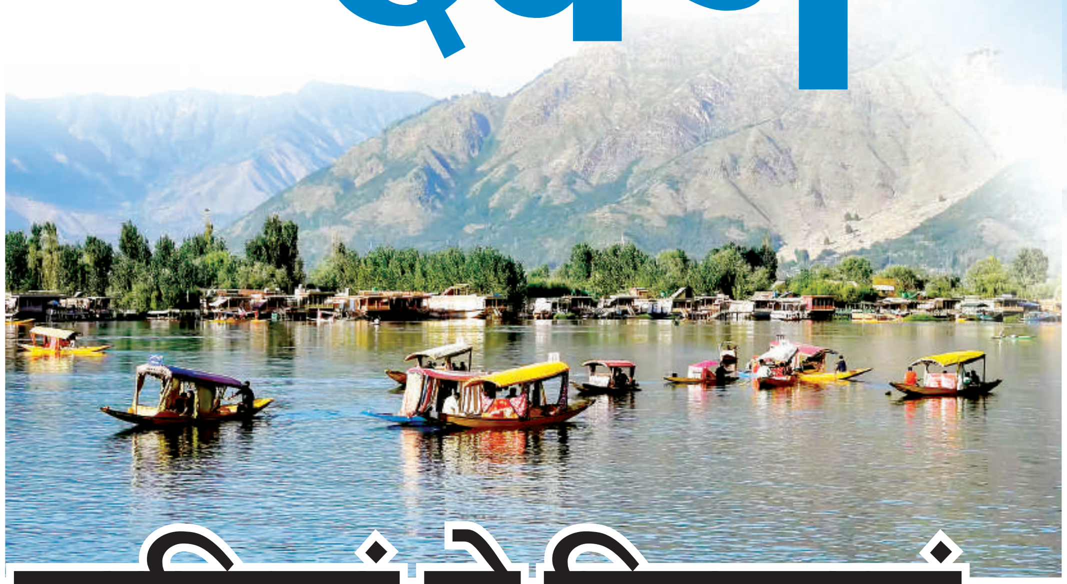

वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें...

बर्फ से ढंकी वादियों, झीलों, ऊंची चोटियों से गिरते चश्मों- झरनों, कल-कल निनाद करते दरियों, चिनार के रंग-बिरंगे पत्तों, देवदार, विलो, अखरोट के वृक्षों अलावा पोपलर, फर और चीड़ के पत्तों के मखमली स्वरूपों, हरे-भरे घास के मैदानों, पहाड़ों की सर्पीली सड़कों, हाउसबोट्स में बैठने तथा शिकारों में रहकर कुदरत को महसूस करना हो, तो धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर जरूर जाएं। केसर की खेती, अखरोट, बादाम व सेब के बागानों की जब बात होती है, तब हमारा ध्यान कश्मीर की ओर बरबस खींचा चला आता है। यकीन मानें, कश्मीर आज भी उतना ही खूबसूरत है, जितना कभी पहले था। सच में यह धरती का स्वर्ग ही है। अप्रैल-मई के अंत तक बर्फ देखनी हो तो कश्मीर। झीलों के पानी पर तैरते हाउसबोट्स व शिकारों में बैठ मनमोहिनी रात में चांद को निहारना है, तो भी कश्मीर। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने कश्मीर को कुदरत ने भरपूर नवाजा है। बर्फ से लकदक पहाड़ों से होने वाला जल प्रवाह जब मैदानों में दरिया का रूप अख्तियार करता है, तो उनका लय-छंद इंसान के रोम-रोम को झंकृत कर देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 की समाप्ति तथा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश बन जाना बदलाव की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 1989 के मध्य में शुरू हुए पाक प्रायोजित आतंकवाद ने कश्मीर को थोड़ा असहज जरूर किया, लेकिन बमों के धमाके व गोलियों की तड़तड़ाहट यहां आने वाले सैलानियों के कदम कभी नहीं रोक पाई। कश्मीर में मनोरम व रमणीय स्थलों की सूची थोड़ी लंबी है। यहां कई स्थान हैं, जिनका चक्कर लगाए बगैर मन नहीं मानेगा। विश्व के प्रसिद्ध हिल-स्टेशनों में से एक गुलमर्ग और सोनमर्ग की तो बात ही निराली। गुरेज वैली की वादियों में बिताए पल स्वर्ग में रहने की अनुभूति कराते हैं। यहां के पर्वतों की हिमाच्छादित चोटियां नयनाभिराम। इन पर जब सूरज की रोशनी पड़ती है, तो लगता है जैसे धरा पर स्वर्ण आभाएं अवतरित हो चली हों। गुलमर्ग में गंडोला के कारण आने वाले पर्यटक भारत-पाक नियंत्रण रेखा के करीब तक जा सकते हैं। कश्मीर के अन्य भागों में बर्फ से लदी पहाड़ियां, फूलों से गुलजार बाग-बगीचे, मनमोहक ट्यूलिप गार्डन, हरी-भरी वादियां, झीलें और झरने बहुतायत में मिल जाएंगे।

श्रीनगर से मात्र 96 किमी दूर करीब 7200 फीट ऊंची लिद्दर घाटी के बीचों-बीच बसे पहलगाम को कुदरत ने खूबसूरती से भरपूर नवाजा है। हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखला इतनी मनोहारी की सैलानी मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारने को बेबस हो जाता है। चारों ओर मखमली घास और लिद्दर नदी का कलकल निनाद पहलगाम की शोभा में चार चांद लगा देता है। यहां आइस स्कीइंग, स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग भी की जाती है। पहलगाम से सटा अनंतनाग जिला कश्मीर के हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। इसे कश्मीर के इतिहास व संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। जहां गब्बों, नमदों, पेपरमाशी के कार्य करने वालों की लाइनें तो लगी ही होती हैं, पहलगाम की बेताब घाटी तो बेहद मनोहारी। तारसर, मार्सर व तुलियान झील जैसे खूबसूरत पर्यटक स्थल इसके आसपास ही बसे हैं। चीड़ व देवदार के वृक्षों के बीच बसा पहलगाम अपने में सारे जहां के सौंदर्य को समेटे हुए है। पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के मनसूबे को धता बताने वाले यहां पर्यटकों की भीड़ फिर से लौट आई है। यहां के बाजार, होटल और सड़कें गुलजार नजर आ रही हैं। देशभर से आए सैलानी घाटी की खूबसूरती, मौसम और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का आनंद ले रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। 'चरवाहों की घाटी' (पहलगाम) में पुनः रौनक-ए-बहार है।

पर्यटकों का जमावड़ा

पहलगाम में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

दस जिलों वाले कश्मीर संभाग में पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसमें डल झील, निगीन झील, हाउसबोट व शिकारा सफारी देखना हो, तो श्रीनगर जाएं। एशिया की सबसे मीठे पानी की झील वुलर व प्रसिद्ध गुरेज घाटी देखना हो तो बांदीपोर जिले में अवश्य जाएं। मौसम के अनुसार वुलर झील के आकार में बहुत विस्तार-संकुचन होता रहता है। इसका अकार 30 वर्ग किमी. से 260 वर्ग किमी. के बीच बदलता है। प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात लोलाब घाटी कुपवाड़ा जिले, जबकि झेलम नदी के किनारे स्थित बारामूला जिला स्कीइंग डेस्टिनेशन (गुलमर्ग) के लिए प्रसिद्ध है। श्रीनगर से सटे जिले बडगाम जिले में प्रसिद्ध चरार-ए-शरीफ दरगाह स्थित है। बेहद शांत स्थान के रूप में प्रख्यात यूसमर्ग भी यहीं है। 'कश्मीर का आनंद' कहे जाने वाले पुलवामा जिले में शुद्ध दूध उत्पादन और केसर की खेती बहुतायत में होती है। इसकी मुख्य खेती पंपोर क्षेत्र में होती है। पंपोर को 'केसर शहर' भी कहा जाता है। इसके अलावा किश्तवाड़ और आसपास के करेवा (ऊंची भूमि) क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाला केसर उगाया जाता है। 'सेब नगरी' के नाम से मशहूर शोपिया जिला 60 प्रतिशत से अधिक आबादी के लिए रोजगार का केंद्र है। कुलगाम में धान की खेती की जाती है, इस जिले को 'कश्मीर का चावल का कटोरा' भी कहा जाता है।

ट्यूलिप गार्डन : बस रह जाएंगे निहारते

श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी स्मारक ट्यूलिप गार्डन एशिया में सबसे बड़ा है। डल झील के किनारे तथा जबरवन पहाड़ियों की गोद में बसे इस बाग में इस वर्ष 70-75 किस्मों के 18 लाख से ज्यादा ट्यूलिप खिले हैं। गत वर्ष 8.55 लाख से भी अधिक सैलानी इस बाग को देखने यहां आए थे। संभावना है कि इस वर्ष यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से यह बाग विश्व प्रसिद्ध हो चला है। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने बताया कि मनमोहक ट्यूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले ट्यूलिप गार्डन में डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन फूल भी खिले हैं।

गुरेज वैली : इसके बिना कश्मीर की यात्रा अधूरी

श्रीनगर से लगभग 123 किमी की दूरी पर स्थित गुरेज वैली वर्ष के छह माह तक हिमाच्छादित ही रहती है। इस घाटी से किशनगंगा नदी बहती है, जो आगे चलकर पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में झेलम नदी में मिल जाती है। इस घाटी के लोग मूलत: कश्मीरी नहीं हैं। यहां के निवासी दर्द शिन आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करीब 60 साल तक इस जगह पर बाहर के लोगों को आने की मनाही थी। वर्ष 2007 में ये जगह पर्यटकों के लिए खोल दी गई।

रेशम उत्पादन : गांदरबल का रेशम सीड फार्म

रेशम उत्पादन कश्मीर के प्राचीन व्यवसायों में से एक है। यह उद्योग रेशम कीट पालन के माध्यम से लगभग 30 हजार परिवारों को अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है। रेशम की चार किस्में अर्थात शहतूत, एरी, मूगा और तसर हैं। शहतूत का रेशम देश के रेशम उत्पादन में 87 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। गांदरबल जिले के मनसबल स्थित रेशम सीड फार्म हाउस में सेरी टूरिज्म प्रोजेक्ट कई एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस फार्म हाउस में भारत के अलावा जापान, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश में उगने वाले मलबरी पौधे लगाए गए हैं। फार्म के विज्ञानी डॉ. राजेश ने बताया कि मलबरी की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों से किण्वन कराने की यहां पद्धति है। इस कार्य में कई लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। यहां रेशम म्यूजियम भी है, जहां रेशम की कई किस्में रखी हुई हैं, केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से संचालित हैं।

कश्मीर: पश्मीना शाल के क्या कहने..

श्रीनगर-गुलमर्ग मार्ग के समीप स्थित कश्मीर हस्तकरघा सेंटर पर लेडीज सूट को हाथ से बुनतीं महिलाएं।

पश्मीना शॉल बुनने में काफी समय लगता है और यह काम के प्रकार पर निर्भर करता है। एक शॉल को पूरा करने में आमतौर पर लगभग 72 घंटे या उससे अधिक समय लगता है। पश्मीना शॉल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लद्दाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है। एक पश्मीना शॉल की न्यूनतम कीमत चार हजार, जबकि अधिकतम कीमत करीब दस लाख रुपये तक होती है। कुछ पश्मीना शॉल तो ऐसे भी होती हैं कि उन्हें बुनने में कारीगर को एक से डेढ़ वर्ष तक लग जाते हैं। कश्मीरी रेशम, बसोहली चित्रकला, विलो की टोकरियां और मिट्टी के बर्तन इस क्षेत्र की कुछ अन्य शिल्पकलाओं के उदाहरण हैं। कश्मीर में बुना जाने वाला ट्वीड कपड़ा विश्व प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कपड़ों में से एक माना जाता है। कश्मीरी कढ़ाई भारत और अन्य देशों में भी मशहूर है। स्थानीय रूप से कसीदा के नाम से जानी जाने वाली इस कढ़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजाइन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित हैं। कश्मीरी कारीगर, जो अपनी जटिल काष्ठ कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। हाथ से बुनी गई अनूठी कश्मीरी कालीनों में डिजाइन निर्देशों के लिए तालीम नामक कोडित लिपि का उपयोग किया जाता है। कश्मीरी पुरुषों और महिलाओं की पारंपरिक पोशाक को फेरन कहा जाता है। फेरन ऊन से बना एक लंबा, ढीला गाउन होता है।

विकास की राह पर कश्मीर

कश्मीर अब शांति, सुरक्षा व विकास के पथ पर गतिमान हो चला है। बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम कश्मीर को सशक्कत कर रहा है। यहां दैनिक हड़तालें, पत्थरबाजी और बाजारबंदी अब अतीत की बातें रह गई हैं। परोक्ष नागरिक हानि (कोलेटरल डैमेज) न के बराबर हो गई है, आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है। पुख्ता सुरक्षा तथा बेहतर कानून व्यवस्था की वजह से वर्ष 2025 में कुल 1.77 करोड़ सैलानी कश्मीर (मिनी स्विट्जरलैंड) आए, जिनमें करीब 36 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए जम्मू-कश्मीर में अनाधिकारिक रूप से करीब तीन लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इसमें सेना तथा पैरामिलिट्री फोर्स आतंक विरोधी घटनाओं से निपटने को तत्पर हैं। गरीबी, स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और बुनियादी ढांचों में भी यहां सुधार हो रहा है।

बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को मिल रही रफ्तार

कश्मीर महिला सशक्तिकरण की ओर भी बढ़ चला है। यहां लैंगिक भेदभाव गुजरे जमाने की बात रह गई है। पर्यटन उद्योग कश्मीर का आर्थिक मेरुदंड है। सर्दियों में कश्मीर से करीब छह माह तक संपर्क कटे रहने वाले लद्दाख तक पहुंच के लिए जोजिला सुरंग यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा, पर्यटन को इससे उड़ान मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-444 का ब्राजलू ब्रिज इसी माह निर्मित हो जाएगा। इससे दक्षिणी कश्मीर के कई जिले विशेषकर कुलगाम की श्रीनगर व एनएच-44 कनेक्टिविटी में सुधार हो जाएगा। पीर की गली टनल बनाने को टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पुंछ व शोपियां के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी देगी। साधना टनल दूर के सीमावर्ती जिलों सहित करनाह इलाके को स्थिर व सुरक्षित कनेक्टिविटी देगी। यह टनल खतरनाक साधना दर्रे की जगह लेगी। कुपवाड़ा में त्रेहगाम-छमकोट रोड प्रोजेक्ट उत्तरी कश्मीर के गावों के बीच बेहतर संपर्क बनाएगी। निर्माणाधीन श्रीनगर रिंग रोड जम्मू, बारामूला, गांदरबल और पुलवामा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच सुगम संपर्क स्थापित करेगी। वर्ष 2018 में 1500-1600 किमी के मुकाबले कश्मीर में सड़क निर्माण आज करीब 3200 किमी हो गया है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने को तत्पर है। चेनाब नदी पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा (359 मीटर) रेलवे पुल है। यह पुल कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 191 किमी की दूरी को महज दो घंटे 58 मिनट में पूरी कर लेती है। श्रीनगर में भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले शेख उल-आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के अन्य स्थानों के लिए विमान सेवाएं हैं। शहरी सुधार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन व गतिशील रेल परियोजनाओं के अलावा फिल्म, खाद्य-प्रसंस्करण व बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रीनगर में लालचौक-पारिंपरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। अवंतीपोरा में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल घाटी के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती को तैयार है।

स्थान जो अपनी ओर बरबस खींचते

- **अच्छाबल :** श्रीनगर से 58 किमी दूर तथा 1677 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान कभी नूरजहां के पर्यटनस्थल के रूप में जाना जाता था। जहां मुगल उद्यान भी हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।
- **मट्टन :** पहलगाम मार्ग पर स्थित इस स्थान पर हिंदुओं की आस्था का केंद्र प्राचीन शिव मंदिर है। यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षत करते हैं।
- **गुलमर्ग :** बारामूला जिले में स्थित यह स्थान फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर है। समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर बसा गुलमर्ग सैलानियों के लिए किसी तीर्थ स्थान से कम नहीं। देश के शीतकालीन खेलों का यह बड़ा केंद्र भी है। बर्फ से ढकीं यहां की पर्वत चोटियां सैलानियों को बुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।
- **सोनमर्ग :** यह मनोरम स्थल श्रीनगर से लेह की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ता है। हिमाच्छादित पर्वतों पर सूरज की किरणें जब पड़ती हैं, तो यहां का दृश्य मन को लुभाने वाला और अविस्मरणीय हो जाता है।
- **जामिया मस्जिद :** इस मस्जिद का निर्माण सुलतान सिकंदर ने 1400 ईसवी में करवाया था और बाद में उनके बेटे जेन-उल -अबीदीन ने इसके क्षेत्रफल को और बढ़ाया था।
- **परी महल :** यह महल कभी बौद्ध मठ था। मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसे ज्योतिष के एक स्कूल के रूप में बदल दिया था।
- **डल झील :** श्रीनगर के बीच में स्थित डल झील में नौकाविहार के आनंद के क्या कहने। करीब 12 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले इस झील में अनेक टापू भी हैं, जो सैलानियों को लुभाते हैं। इस झील में स्थित शिकारों में रहने का अलौकिक अनुभव मिलता है। डल झील को 'कश्मीर का ताज' व 'श्रीनगर का गहना' भी कहा जाता है। यह झील तैरते हुए बाजारों के लिए भी मशहूर है।
- **शंकराचार्य मंदिर :** श्रीनगर स्थित यह मंदिर जमीन से करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसे तख्त-ए-सुलेमान के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा अशोक के बेटे जलुका ने 200 ईसा पूर्व में करवाया था। इस मंदिर से पूरी पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला और श्रीनगर का प्रत्येक भाग देखा जा सकता है।
- **हजरतबल दरगाह :** यह दरगाह डल झील के पश्चिमी किनारे पर निशात बाग के बिल्कुल सामने है। एक ओर झील तथा दूसरी ओर पर्वत श्रृंखला होने के कारण इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। हजरत मुहम्मद साहब की निशानी के रूप में उनका एक पवित्र बाल इसमें रखा गया है।

वसंत ऋतु में वजन घटाना
आयुर्वेद, पंचकर्म और योग के साथ

वसंत ऋतु प्रकृति में नवजीवन का संदेश लेकर आती है। इस समय वातावरण सुहावना होता है और चारों ओर हरियाली दिखाई देती है, लेकिन शरीर के अंदर भी महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। शीत ऋतु में जमा हुआ कफ दोष इस मौसम में पिघलकर सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर में भारीपन, आलस्य और सुस्ती महसूस हो सकती है। यही वह समय है, जब शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को शुद्ध करने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार और दिनचर्या अपनाई जाए, तो यह ऋतु स्वास्थ्य सुधारने और वजन घटाने का सबसे अच्छा अवसर बन जाती है।

सर्दियों में भारी, तैलीय और मीठा भोजन अधिक लेने से शरीर में चर्बी और कफ बढ़ जाता है। वसंत ऋतु के आगमन पर तापमान बढ़ने से यह कफ पिघलने लगता है और शरीर में गतिशील हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यही स्थिति वजन घटाने के लिए अनुकूल होती है, क्योंकि इस समय शरीर जमा हुई वसा को कम करने के लिए तैयार रहता है। यदि इस समय व्यक्ति हल्का, सुपाच्य और कफ को कम करने वाला आहार लेता है तथा नियमित व्यायाम करता है, तो वजन कम करना आसान हो जाता है। इसलिए वसंत ऋतु को प्राकृतिक रूप से वजन घटाने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

दिनचर्या और जीवनशैली का महत्व

वसंत ऋतु में सही दिनचर्या अपनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना सही आहार लेना। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, दिन में न सोना और रात का भोजन हल्का व समय पर लेना वजन घटाने में सहायक होता है। देर रात खाना खाने और निष्क्रिय जीवनशैली से कफ बढ़ता है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए संतुलित जीवनशैली अपनाकर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

आहार की भूमिका

वजन घटाने में आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस ऋतु में पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर होती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया, जौ की रोटी और सत्तू जैसे आहार शरीर को ऊर्जा देते हैं, लेकिन चर्बी नहीं बढ़ाते। साथ ही कड़वे और कसैले स्वाद वाले पदार्थ जैसे करेला, मेथी और हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को शुद्ध करती हैं और कफ को कम करती हैं। सुबह गुनगुने पानी में शहद और नींबू का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसके विपरीत तले, मीठे और ठंडे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कफ और मोटापा दोनों बढ़ाते हैं।

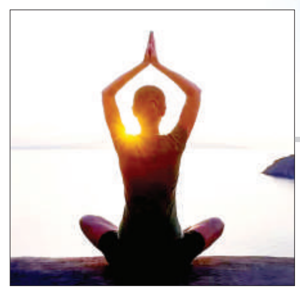

शहद और हर्बल पेयों का महत्व

वसंत ऋतु में शहद का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसे 'लेखन' गुण वाला बताया गया है, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, ध्यान रहे कि शहद को कभी भी ज्यादा गर्म पानी में नहीं पीना है। इसके साथ ही जीरा, धनिया और सौंफ का पानी, अदरक और तुलसी की चाय जैसे हर्बल पेय शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं।

योग का महत्व प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय

योग वसंत ऋतु में वजन घटाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर का व्यायाम है, जो कैलोरी बर्न करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। कपालभाति प्राणायाम पेट की चर्बी कम करने और पाचन को सुधारने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम तनाव को कम कर शरीर को संतुलित रखता है। इसके अलावा भुजंगासन, पवनमुक्तासन और त्रिकोणासन जैसे योगासन पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित योग करने से न केवल वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी बनी रहती है।

पंचकर्म की भूमिकाः गहराई से शरीर की सफाई

वसंत ऋतु में पंचकर्म उपचार विशेष रूप से प्रभावी होता है, क्योंकि इस समय कफ दोष को शरीर से निकालना आसान होता है, हेमंत में संचित कफ दोष वसंत में सूर्य की तेज होती किरणों से स्वतः पिघलने लगता है जिसे 'वासंतिक वमन कर्म' द्वारा आसानी से निकाला जा सकता है। पंचकर्म की प्रमुख प्रक्रियाओं में वमन, विरेचन, स्वेदन और उद्वर्तन शामिल हैं। वमन चिकित्सा के द्वारा शरीर से अतिरिक्त कफ बाहर निकाला जाता है, जो मोटापा और एलर्जी में लाभकारी है। उद्वर्तन में हर्बल चूर्ण से मसाज की जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है और त्वचा टोन होती है। स्वेदन (भाप) शरीर के रोमछिद्रों को खोलकर विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, जबकि विरेचन पाचन तंत्र को साफ कर शरीर को हल्का बनाता है। इन प्रक्रियाओं से शरीर अंदर से शुद्ध होता है और वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स और फिटनेस का समय

वसंत ऋतु को शरीर के लिए प्राकृतिक डिटॉक्स का समय कहा जाता है। इस मौसम में शरीर स्वयं ही विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार, पंचकर्म और योग को मिलाकर अपनाया जाए, तो शरीर अंदर से पूरी तरह साफ हो जाता है और वजन स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। यह एक ऐसा समय है, जब बिना कठोर डाइटिंग के भी अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। वसंत ऋतु वजन घटाने के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। इस समय शरीर में जमा कफ पिघलता है, जिससे चर्बी कम करना आसान हो जाता है। यदि इस मौसम में आयुर्वेद के अनुसार आहार लिया जाए, पंचकर्म के द्वारा शरीर की गहराई से सफाई की जाए और नियमित योग को दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो न केवल वजन कम किया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसलिए वसंत ऋतु को केवल मौसम परिवर्तन न मानकर, अपने शरीर को स्वस्थ, हल्का और ऊर्जावान बनाने का सर्वोत्तम समय समझना चाहिए।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थान है, जहां पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पंचकर्म चिकित्सा (वमन, विरेचन, स्वेदन आदि), योग एवं प्राणायाम केंद्र, पथ्य (डाइट) परामर्श, तंबाकू/नशा मुक्ति केंद्र एवं आयुर्वेदिक आहार योजना, ओपीडी एवं आईपीडी सेवा को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रदान किया जाता है।

यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को व्यक्तिगत प्रकृति (प्रकृति-आधारित) के अनुसार उपचार और आहार सलाह दी जाती है, जिससे वजन घटाने और संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार में विशेष लाभ मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश- +91 8077808309

एआई से पूछकर न करें इलाज चिकित्सकीय सलाह बेहद जरूरी

इंदु सिंह
लेखिका

वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ता जा रहा है। जानकारी प्राप्त करना हो, किसी विषय पर राय लेनी हो या फिर व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान ढूंढना हो- लोग अब पहले की अपेक्षा अधिक एआई पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति को एक ऐसा 'सलाहकार' मिल गया है, जो हर समय उपलब्ध है और हर प्रश्न का उत्तर देने को तैयार रहता है।

एआई के लाभ और उपयोगिता

निस्संदेह, एआई का उपयोग कई मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विशेषकर ज्ञानवर्धन, जिज्ञासा शांत करने, सामान्य जानकारी प्राप्त करने या किसी समस्या के संभावित समाधान समझने में यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज के दौर में जब परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और लोग अपने विचार खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब एआई एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है, जहां व्यक्ति बिना झिझक अपनी बात कह सकता है।

युवाओं के लिए नया साथी

विशेषकर अकेले रहने वाले बच्चे, किशोर और युवा, जिनके मन में अनेक प्रश्न और उलझनें होती हैं, लेकिन उन्हें सुनने वाला कोई नहीं होता, वे एआई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके लिए यह एक ऐसा साथी बन गया है, जो बिना टोकाटाकी के उनकी बात सुनता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। आज की स्मार्ट पीढ़ी एआई को केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और कभी-कभी भावनात्मक सहारा मानने लगी है।

जब एआई को डॉक्टर समझ लिया जाता है

अब तक एआई का उपयोग जानकारी और संवाद तक सीमित रहता, तो स्थिति संतुलित कही जा सकती थी, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब लोग इसे विशेषज्ञों का विकल्प मानने लगते हैं। आजकल कई लोग एआई को केवल सलाहकार नहीं, बल्कि डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक तक समझने लगे हैं। वे अपने स्वास्थ्य संबंधी लक्षण बताते हैं और फिर उसके आधार पर दवाइयों के नाम पूछकर स्वयं ही उपचार करने लगते हैं।

स्वयं इलाज के खतरे

यहीं से एक गंभीर खतरे की शुरुआत होती है। किसी भी बीमारी का सही निदान केवल लक्षणों के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकीय जांच, अनुभव और व्यक्ति विशेष की शारीरिक स्थिति को समझना आवश्यक होता है। एआई सामान्य जानकारी दे सकता है, लेकिन वह आपके शरीर की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं कर सकता।

एआई बनाम विशेषज्ञ

एआई, गूगल या यूट्यूब जैसे माध्यम हमें सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, जो पहले से उपलब्ध ज्ञान पर आधारित होती है। ये हमें दिशा दिखा सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय या उपचार का विकल्प नहीं हो सकते। इसके विपरीत, एक प्रशिक्षित चिकित्सक न केवल आपकी समस्या को गहराई से समझते हैं, बल्कि आपकी स्थिति के अनुसार उचित जांच, दवा और परामर्श भी प्रदान करता है।

उदाहरण और बढ़ती समस्या

हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने इंटरनेट या एआई की सलाह पर दवाइयां लीं और उनकी स्थिति और बिगड़ गई। कुछ चिकित्सकों ने भी यह चिंता जताई है कि मरीज बिना परामर्श के दवाइयां लेने लगे हैं, जिससे जटिलताएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर भी बिना चिकित्सकीय पर्चे के, केवल समस्या सुनकर या ऑनलाइन जानकारी देखकर दवाइयां दे दी जाती हैं, जो अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है।

हर व्यक्ति के लिए अलग उपचार

यह समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारी की प्रकृति अलग होती है। एक ही दवा हर व्यक्ति पर समान प्रभाव नहीं डालती। गलत दवा लेने से एलर्जी, साइड इफेक्ट्स या गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार छोटी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारण बन जाती है।

विज्ञानः वरदान या अभिशाप

विज्ञान को सदैव दो धार वाली तलवार कहा गया है। यह वरदान भी है और अभिशाप भी। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है, लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया जाए, तो यह नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। एआई भी इसी श्रेणी में आता है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली और उपयोगी साधन है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

सही उपयोग की आवश्यकता

इसलिए आवश्यक है कि हम एआई का उपयोग सीमित और समझदारी से करें। इसे ज्ञान प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और सामान्य मार्गदर्शन के लिए उपयोग करें, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों में इसे अंतिम निर्णयकर्ता न बनाएं। किसी भी प्रकार की बीमारी, मानसिक तनाव या शारीरिक असुविधा होने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना ही सर्वोत्तम और सुरक्षित विकल्प है।

जागरूकता ही सुरक्षा

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाए रखें। सुविधा के चक्कर में अपने स्वास्थ्य के साथ जोखिम न लें। याद रखें एआई आपकी मदद कर सकता है, लेकिन आपका इलाज नहीं कर सकता। सही समय पर सही चिकित्सक तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी और स्वस्थ जीवन की पहचान है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह अपनी सेहत, संबंध और कामकाज को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आप अपने कार्यालय में सावधान होकर कार्य करें। अपने काम को पूरे मनोयोग के साथ करें अन्यथा आपको बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

वृष
इस सप्ताह आपको अपने कामकाज के सिलसिले अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। इस दौरान स्वजनों से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन न मिल पाने आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

मिथुन
इस सप्ताह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कर्क
इस सप्ताह आपको किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य आदि को लेकर नकारात्मक धारणा बनाने से बचना चाहिए। समस्याएं घर-परिवार से जुड़ी हों अथवा करियर-कारोबार से, आपको उनसे भागने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नौकरीपेशा लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह
यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभता और लाभ लिए हुए है, लेकिन संबंधों की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे और रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं, तो सप्ताह के अंत तक आपको इससे जुड़ी शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।

कन्या
इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को सावधानी के साथ करें तथा जल्दबाजी से बचें। विशेष तौर पर वाहन सावधानी से चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बनी रहेगी।

तुला
इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप बीते कुछ समय से संतान से जुड़ी किसी समस्या को लेकर जूझ रहे थे, तो उसका समाधान निकल आएगा। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य विशेष की मदद से पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे।

वृश्चिक
इस सप्ताह करियर आदि में किसी भी प्रकार का शार्टकट लेने अथवा नियम कानून का उल्लंघन करने से बचें अन्यथा लाभ की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। लोगों के साथ वाद-विवाद करने से बचना चाहिए। परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी।

धनु
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। किसी प्रभावी व्यक्ति से मेल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपको करियर-कारोबार से जुड़ बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्ता-सरकार से जुड़े कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे।

मकर
इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इसी से आपकी बात बन और बिगड़ सकती है। आपका मन किसी अनजान चिंता को लेकर ग्रसित रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको बेवजह की चीजों में उलझाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ
यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। किसी व्यक्ति विशेष से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं पालने की बजाय अपने कार्य को अपने दम पर करने का प्रयास करें अन्यथा समय पर समर्थन और सहयोग न मिल पाने पर मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के अंत में अपने क्रोध और वाणी नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

मीन
इस सप्ताह अचानक से घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों का पहाड़ गिर सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो काम के बोझ से परेशान होने की बजाय धैर्यपूर्वक चीजों को एक-एक करके निपटाएं तथा अपने सहयोगियों से मदद मांगने में किसी प्रकार का संकोच न करें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 51

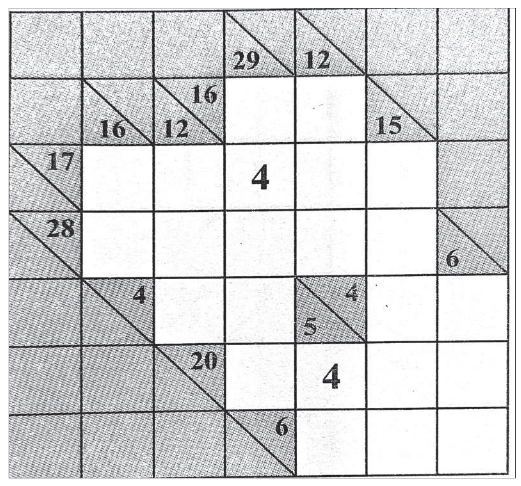

काकुरो 50 का हल

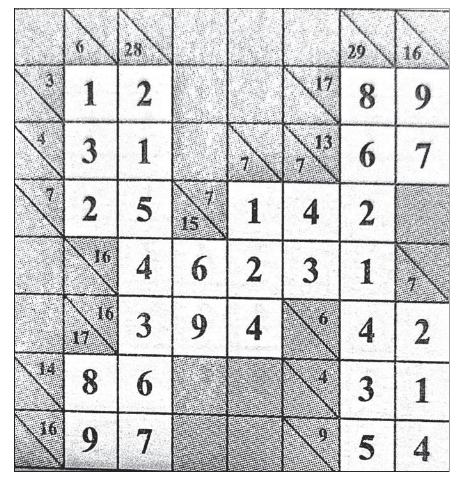

शब्द संसार

कहानी

जहन्नुम की आग

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

उत्तर भारत के विस्तृत मैदानी भूभाग में बसा एक छोटा-सा कस्बा, खैराबाद। कभी यह कस्बा अपने सौम्य वातावरण, आपसी भाईचारे और जीवंत सामाजिक जीवन के लिए जाना जाता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही यहां की गलियां जीवन से भर उठती थीं। खेतों की ओर जाते किसान, दुकानों के सामने बैठकर चाय पीते व्यापारी और चौपालों पर राजनीति व समाज की बातें करते बुजुर्ग, ये सब मिलकर खैराबाद की पहचान थे, लेकिन समय की गति किसी के लिए नहीं रुकती। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में कई परिवार धीरे-धीरे शहरों की ओर चले गए। कुछ ही वर्षों में कस्बे की चहल-पहल कम होने लगी। कई मकान सूने पड़ गए, कुछ घरों के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए और कभी जीवंत रहने वाली गलियां अब शांत दिखाई देने लगीं। कस्बे के ठीक बीचों-बीच एक पुराना किला खड़ा था। वह किला समय की मार झेलते-झेलते जर्जर हो चुका था। उसकी दीवारों में दरारें पड़ गई थीं और कई जगह पत्थर गिर चुके थे। किले के चारों ओर उगी झाड़ियां और बेलें उसे एक रहस्यमय स्वरूप प्रदान करती थीं, लेकिन उस किले की असली पहचान उसकी जर्जरता नहीं, बल्कि उससे जुड़ी एक भयावह कथा थी। लोग उसे 'जहन्नुम का किला' कहते थे। कस्बे के बुजुर्ग बताते थे कि किले के नीचे एक गहरा तहखाना है जहां 'जहन्नुम की आग' जलती है। यह आग कोई साधारण आग नहीं थी। कहा जाता था कि जो भी व्यक्ति उस आग के पास जाता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। यह कथा वर्षों से लोगों के बीच प्रचलित थी, लेकिन लगभग पचास वर्ष पहले घटी एक घटना ने इस विश्वास को और भी दृढ़ बना दिया था।

एक अमावस की रात थी। पूरा कस्बा गहरी नींद में डूबा हुआ था। अचानक कुछ लोगों ने किले की दिशा में एक विचित्र दृश्य देखा। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक और खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।

उस घटना के बाद से किले के आसपास का इलाका लगभग वीरान हो गया। सूर्यास्त के बाद उस रास्ते से गुजरने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी। माताएं अपने बच्चों को चेतावनी देतीं, "शाम के बाद किले की तरफ मत जाना, वहां जहन्नुम की आग है।" धीरे-धीरे डर की यह कथा पूरे कस्बे के जीवन का हिस्सा बन गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात को किले के भीतर आग की लपटों में किसी आकृति को हिलते हुए देखा है। किसी ने कहा कि वहां से चीखने की आवाज आती है। डर और कल्पना मिलकर इस कथा को और भी रहस्यमय बना देते थे। समय के साथ कई परिवार कस्बा छोड़कर चले गए। खैराबाद की रौनक धीरे-धीरे कम होती गई।

कई साल बाद शहर से एक युवा शोधार्थी आरव वहां पहुंचा। आरव लोककथाओं और अंधविश्वासों पर अध्ययन कर रहा था। उसका मानना था कि समाज में फैली कई रहस्यमय कहानियों के पीछे कोई न कोई प्राकृतिक कारण अवश्य होता है। जब उसने 'जहन्नुम की आग' की कथा सुनी, तो उसकी जिज्ञासा बढ़ गई। उसने कस्बे के कुछ बुजुर्गों से इस घटना के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बुजुर्ग ने गंभीर स्वर में कहा, "बेटा, उस किले के पास मत जाना। हमने अपनी आंखों से वह आग देखी है। वहां कुछ अच्छा नहीं है।" आरव ने विनम्रता से उत्तर दिया, "कभी-कभी डर के पीछे छिपी सच्चाई को समझना जरूरी होता है।"

एक शाम वह टॉर्च, कैमरा और कुछ वैज्ञानिक उपकरण लेकर किले की ओर निकल पड़ा। सूरज ढल चुका था और अंधकार धीरे-धीरे फैल रहा था। किले की टूटी दीवारें अंधेरे में किसी मौन प्रहरी की तरह खड़ी थीं। जैसे ही वह भीतर पहुंचा, उसे दूर से एक हल्की लाल चमक दिखाई दी। वह सावधानी से आगे बढ़ा। तभी उसे एक लंबी गूंजती हुई आवाज सुनाई दी, मानो कोई कराह रहा हो। क्षण भर के लिए उसके मन में भी भय की एक लहर उठी, लेकिन उसने स्वयं को संभाला और आवाज का पीछा करते हुए तहखाने तक पहुंच गया। तहखाने में पहुंचकर उसने देखा कि जमीन में एक चौड़ी दरार है। उसी दरार से हल्की-हल्की आग की लपटें उठ रही थीं। आरव ने तुरंत अपने उपकरण से जांच की। कुछ ही क्षणों में परिणाम सामने आ गया, वहां से मीथेन गैस निकल रही थी। उसने चारों ओर ध्यान से देखा तो उसे कुछ पुराने औजार और जंग लगे पाइप भी दिखाई दिए। अब उसे पूरी स्थिति समझ में आने लगी। कई दशक पहले उस स्थान पर गैस या कोयले की खोज के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन वह प्रयास अधूरा रह गया। खुदाई के कारण जमीन में दरारें पड़ गईं और उन्हीं दरारों से गैस बाहर निकलने लगी। जब यह गैस किसी चिंगारी के संपर्क में आती, तो छोटी-छोटी लपटें उठने लगतीं। जहां तक कराह जैसी आवाज का सवाल था, वह तहखाने की सुरंगों और दरारों से गुजरती हवा की गूंज थी। संकरी जगहों से गुजरती हवा अक्सर ऐसी ध्वनि उत्पन्न कर देती है, जो मानवीय कराह जैसी प्रतीत होती है। अब आरव को पूरा सच समझ में आ चुका था। जिसे लोग वर्षों से 'जहन्नुम की आग' समझते रहे, वह वास्तव में एक साधारण प्राकृतिक घटना थी। डर और अज्ञानता ने मिलकर इस घटना को एक भयावह दंतकथा में बदल दिया था। अगले दिन आरव ने अपनी खोज के प्रमाणों के साथ प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही समय बाद वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और जांच के बाद वही निष्कर्ष सामने आया।

गैस के रिसाव को नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशप्त मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा।

एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।

काव्य

एक जीवन के लिए

मैं जानता हूं बेटा
तुम अपने अधिकारों के साथ
अपने वृहत आकाश में
उड़ना चाहते हो
मुझे खुशी होती है
जब मैं तुम्हारे लिए
तुम्हारी पसंद की चीजें
लाकर रखता हूं
तुम्हारे सामने
और प्रतीक्षा करता हूं
तुम्हारी प्रतिक्रिया की
देखता हूं तुम्हारी आंखों में
संतोष की एक चमकती रेखा
किंतु बेटे
तुम्हारा यह संतोष पोंछ
नहीं पाता
मेरे आंसुओं को
जब मैं देखता हूं
तुम्हारे जैसे बच्चों का एक झुंड
जिनके हाथों में रोटियां नहीं हैं
शरीर पर कपड़े नहीं हैं
मेरे बेटे
एक जीवन के लिए
किस कदर वो चीख रहे हैं
तुम सुन पा रहे हो न
उन लोगों की चीखें
बस मुझे इतनी आजादी दो
कि मैं तुम्हारे आकाश में से
एक छोटा टुकड़ा
उन सब में बांट सकूं
ताकि उन सबका विश्वास
कभी न मर सके

श्याम सुंदर चौधरी
लेखक

नववर्ष

हम अपना नववर्ष मनाएं,
चलो चलें सब नाचें, गाएं।

धरा पुष्प से लदी हुई है,
शस्य श्यामला फसल हुई है।
कली हंसी, भंवरे मुस्काएं,
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ग्रह,नक्षत्र,तिथि, वार मुदित हैं,
सूर्य गगन पर पूर्ण उदित हैं।
प्रमुदित दिखतीं दसों दिशाएं।
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ठंड गर्म सब दूर हो गई,
धरा अन्न फूलों से लद गई।
बहें वसंती मस्त हवाएं,
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

झूम रहीं पेड़ों पर कलियां,
होरियारों से भरी हैं गलियां।
आम जनों की बात करें क्या,
आम्र मंजरी भी बौराएं।।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

है आमंत्रण अटल घाट पर,
छेड़ रहे जन मंजु मृदुल स्वर,
आओ पंडित कृष्ण बुलाएं।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

दया शंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

बेटियां

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो संस्कार हैं,
बेटियां तो कुलवंती हैं,
बेटियां तो सम्मान हैं।
फिर बेटियों से भेदभाव
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो लक्ष्मी हैं,
बेटियां तो दुर्गा हैं,
बेटियां तो अभिमान हैं।
फिर बेटियों का बलात्कार
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो राजकुमारी हैं,
बेटियां तो राजदुलारी हैं।
फिर बेटियों का तिरस्कार
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो बेटा से ऊपर हैं,
बेटियां तो बेटा के बराबर हैं।
फिर बेटियों का गर्भपात
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?

डॉ. शकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

ऋषि और कीड़े

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका

एक वन में एक महान ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। वे घंटों ध्यान में बैठते। उसी स्थान पर एक छोटा सा कीड़ा रहता था। जब ऋषि ध्यान में बैठते, वह कीड़ा उन्हें बार-बार काट लेता। काटने से पीड़ा होती, पर ऋषि न क्रोधित होते, न उसे मारते। वे बस धीरे से कीड़े को अपनी देह से हटाकर पास रख देते और फिर ध्यान में बैठ जाते। यह क्रम रोज़ चलता रहा। कीड़ा काटता रहा,ऋषि हटाते रहे। एक दिन कीड़े ने फिर काटा,यह बात काफी दिन से उनका एक शिष्य देख रहा था। उससे रहा नहीं गया और बोला, गुरुजी मैं काफी दिन से देख रहा हूं कि कीड़ा आपको बार बार काटता और नाली में चला जाता है लेकिन आप उसे उठाकर बार बार सड़क के सहारे रख देते हो।

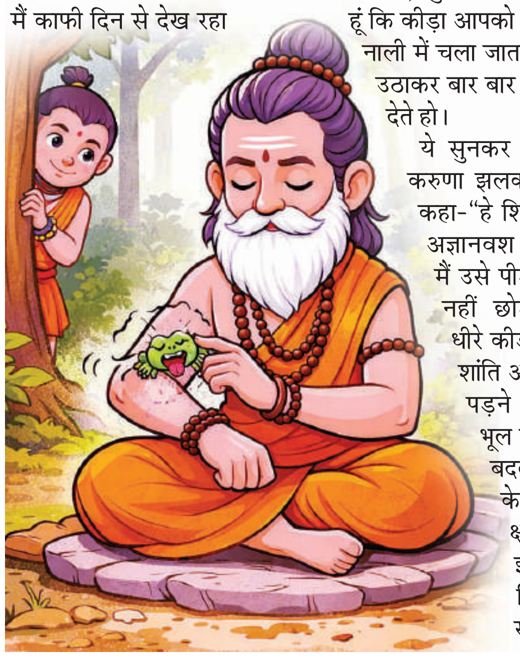

ये सुनकर ऋषि की आंखों से करुणा झलक उठी और ऋषि ने कहा-"हे शिष्य मैं जानता हूं वो अज्ञानवश ऐसा करता है पर मैं उसे पीड़ा देकर अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।" धीरे-धीरे कीड़े पर ऋषि के संयम, शांति और करुणा का प्रभाव पड़ने लगा। वह काटना भूल गया। उसका स्वभाव बदल गया-अब वह ऋषि के शरीर पर चढ़ता, पर क्षति नहीं पहुंचाता। इसीलिए कहते हैं कि-हिंसा से नहीं, करुणा से स्वभाव बदलता है।

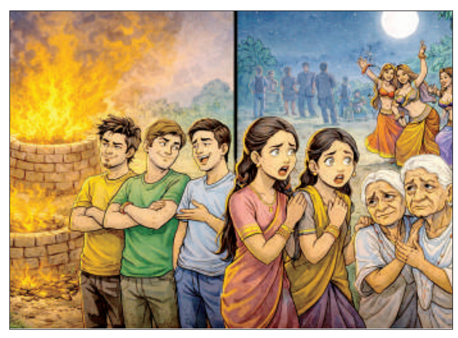

आंखों देखा

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सांझ हुई। चारों तरफ खबरें फैली-"नगर से कुछ दूर, सूख चुके अंधे कुओं में आग लग गई।" युवक हंसे-'लगने दो! हमें क्या?" दौड़ी आई कुंवारी लड़कियां-"नहीं रे! क्यों ऐसा बोलते हो। आग लगी है, तो बुझाने को दौड़ो न?" ठेंगे दिखाती, बदन छलकाती, शोर मचाती वधुएं आई और बोलने लगी-"फूंस ही तो जलेगा?..जलने दो! तुम रहो सुकून से, जलने दो!"

सुबह सोकर उठे तो देखा-"नगर में एक भी बूढ़ा, एक भी बूढ़ी दादी और बूढ़ी अम्मां दिखाई नहीं पड़ रही थी। पूछने लगी लड़कियां-"कहां गई कहां गई?" वधुएं बोली-"फूंस ही तो था... जल गया...जल गया?" युवक अभी तक रोमांस के नशे में मदमस्त झूम रहे थे। वधुओं ने उन्हें घेरे में लेकर नाचना शुरू किया। जिस्म की झलक शुरू हुई। फिर एक स्वर में युवकों ने कहा-"जाने दो! जहां गए हमें क्या?"

आपका हृदय मित्र अर्जुन का वृक्ष

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

मैं रामायणकालीन वृक्ष अर्जुन हूं। सदाबहार, छायादार, सघन, हरीतिमा से पूर्ण औषधीय। मुझे संस्कृत में ककुभ (अपने सफेद फूलों के कारण) कहते हैं और स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने मुझे तिलक वृक्ष की उपाधि दी थी, क्योंकि माता सीता को मैं अत्यंत प्रिय था और पंचवटी में पाए जाने वाले अन्य वृक्षों जैसे कदंब, बिल्व, अशोक, ताल , जामुन , कनेर, आम, साल, कटहल, कुरव, धव, अनार, वकुल, चंदन, केवड़े आदि की अपेक्षा अधिक शिखरवत हूं।

महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने-ककुभः शीतलो हृद्य ः क्षत क्षय विषास्रजित् ,मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्। हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव -कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखना है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कमोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।

व्यंग्य

अविश्वास है, तो है

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मुझे अविश्वास प्रस्ताव लाना है। मुझे नहीं हमें कहो, तुम अकेले अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकते, पर अविश्वास प्रस्ताव लाना क्यों है? हैड मास्टर मुझे क्लास में बोलने नहीं देता। क्यों बोलने नहीं देता? मुझे क्या पता, क्यों नहीं बोलने देता, मैं कुछ भी बोलता हूं, तो कहता है कि विषय पर बोलो। क्या तुम विषय पर नहीं बोलते? मैं अपने हिसाब से अपने विषय पर बोलता हूं। कभी बोलता हूं, कभी नहीं भी बोलता। हैड मास्टर सही तो बोलता है, विषय पर बोलोगे, तो बोलने देगा।

मैं कुछ नहीं जानता, मैं इतना जानता हूं कि मैं ही विषय पर बोलता हूं, मेरे अलावा कोई ऐसे विषय पर नहीं बोलता, जैसे विषय पर मैं बोलता हूं। कोई तो कारण होगा, जो तुम्हें बोलने से रोका जाता है? यह तो वही जाने, अब मुझे उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना है। अविश्वास प्रस्ताव में क्या कहेंगे? यही कि हेडमास्टर भेदभाव करता है। अपने चहेते बालकों को बोलने की परमीशन देता है, जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूं, तो रोक-टोक करता है। कोई तो कारण होगा?

मैं इतिहास की क्लास में खड़े होकर जब जूडो कराटे के दाव समझाता हूं, तो वह कहता है विषय पर बोलो। सही तो कहता है, विषय पर बोलो, जब विषय से भटक कर ऊटपटांग बेसिर पैर की बातें करोगे, तो वह विषय पर बोलने के लिए कहेगा ही। मैं विषय पर ही तो बोलता हूं। क्लास के विषय पर या अपने विषय पर। अपने मनमाफिक विषय पर, जो मैं बोलना चाहता हूं, बोलता हूं। क्लास के विषय पर बोलना चाहिए। मेरी मर्जी, मैं किसी भी विषय पर बोलूं। जो विषय मेरी समझ में आएगा, उसी पर तो बोलूंगा। कोई बात नहीं, पर इसमें अविश्वास की बात कहां से आ गई?

मुझे ऐसा मास्टर नहीं चाहिए, जो मुझे बोलने से रोके, मेरे मुंह पर टेप चिपकाने की कोशिश करें। आखिर मैं स्वतंत्र देश का स्वतंत्र नागरिक हूं। मुझे अपने मन की बात करने का पूरा अधिकार है। यह तो बताओ, कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से हासिल क्या होगा? अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे, हेडमास्टर को हटाएंगे। क्या तुम्हें विश्वास है, कि तुम हेडमास्टर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को पास करा पाओगे? अपने साथियों का इतना समर्थन जुटा पाओगे कि हेडमास्टर को हटाया जा सके। मुझे पास फेल से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बार-बार फेल होता हूं, फिर भी हिम्मत नहीं हारता। तुम हिम्मत नहीं हारते, मगर तुम्हारा साथ निभाने वालों की तो बेइज्जती होती है। होती रहे, मुझे क्या, मुझे तो अविश्वास प्रस्ताव लाना है, हेडमास्टर को सबक सिखाना है। यदि अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया, तब किस मुंह से हेडमास्टर के सम्मुख जाओगे? इसी मुंह से जिससे हर बार जाता हूं।

अपनी नहीं तो अपने साथियों की इज्जत का तो ध्यान रखो। इज्जत-बेइज्जत से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लगता है कि तुम नहीं सुधरोगे। यह सुधरना किस चिड़िया का नाम है? तुम्हारे लिए किसी चिड़िया का नहीं। जाओ विदेश घूम आओ, मौज मस्ती सैर सपाटा कर आओ, बाकी हम हैं न, तुम्हारी हर सनक का बचाव करने ले लिए।

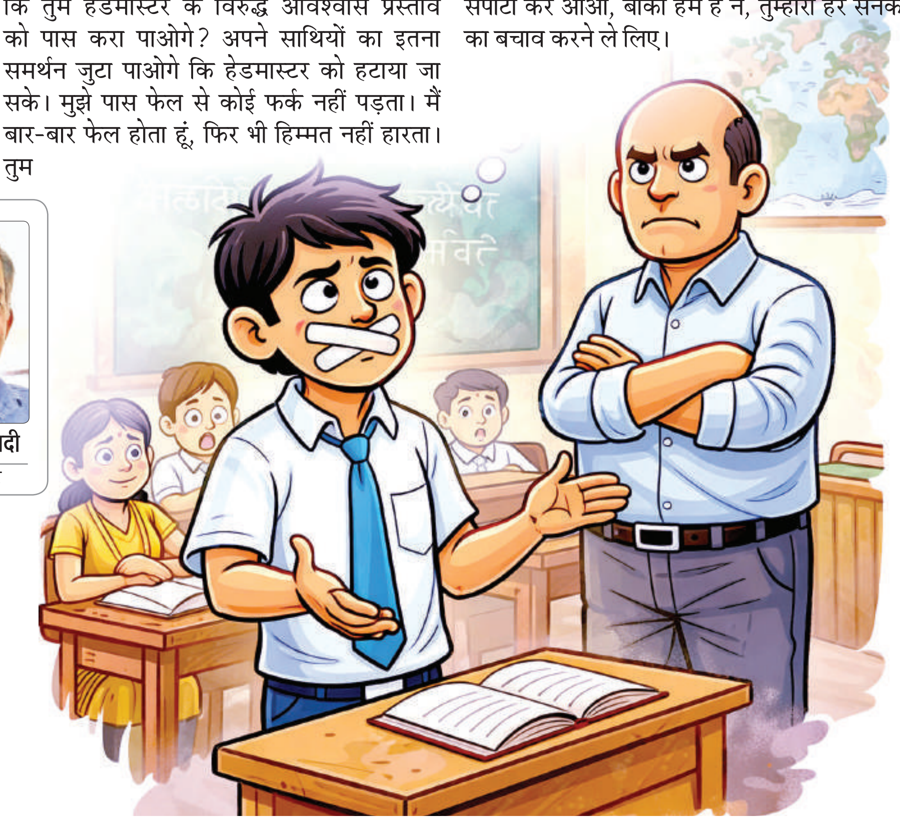

समीक्षा

अर्तम: शब्दों का सृजन

कविता लिखना और कविता को जीना दोनों अलग-अलग मार्ग हैं। जो कविता लिखते-लिखते कविता जीना सीख गया, उसी की कविता सिर चढ़कर बोलती है। एक ऐसा ही काव्य संग्रह शीर्षक - 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल) है। यह संग्रह छोटी-बड़ी कविताओं से सुसज्जित है। कवयित्री के लेखन में वैचारिक परिपक्वता, संवेदना की संपन्नता तथा शब्दों में भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चिंतन की ठोस भूमिका भी मौजूद है। अर्तम शीर्षक पर सबसे अंतिम कविता है, जो यह दर्शाता है कि अंतः अस्ति प्रारंभः, जिसका अर्थ है अंत ही शुरूआत है। अर्तम अर्थात माथे पर सुनहरा कमल-यह बिंब भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन कविताओं में पवित्र जागरण और आत्मबोध ही नहीं, अपितु आत्मसम्मान, तेजस्विता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का संदेश भी है। काव्य संग्रह की कविताएं 'शिवत्व' प्रतीक का प्राण बिंदु है। इसमें जीवन के संघर्ष और हलाहल का कोलाहल भी है। इन कविताओं का अंतिम सत्य जीवन के सूक्ष्म क्षणों की यात्रा में विस्तार करना है। संवेदनाओं की परतें, रिश्तों की आंतरिक ऊर्जा तथा स्त्री मन की पीड़ाओं के साथ-साथ उसके अंतर में छिपी उस अदम्य शक्ति को काव्य भूमि में सजीव हो उठी हमें नजर आती है- जैसे जब वह निजी जिंदगी के द्वंद्व पर लिखती हैं। इस काव्य संग्रह में अन्य कविताएं, जैसे मिट्टी, जियो और जीने दो, सफलता का स्वेटर, मानवता की पुकार, मेरे निश्छल मन की गति को देखों, धुआं-धुआं आदि अपने आप में एक नई पृष्ठभूमि का निर्माण करती हैं, जो समकालीन समय में प्रासंगिक भी है।

पुस्तक :'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल)
लेखक : दिव्या सक्सेना
प्रकाशक : वेरा प्रकाशन, हिंदी अकादमी, नई दिल्ली
मूल्य : 250
समीक्षक : – हरि शंकर शर्मा, जयपुर

गर्मियों का मौसम आते ही ऑफिस जाने वाली महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, ऐसा आउटफिट चुनना जो आरामदायक भी हो, प्रोफेशनल भी लगे और स्टाइलिश भी दिखाई दे। इस मौसम में कॉटन फैब्रिक को सबसे भरोसेमंद माना जाता है, क्योंकि यह हल्का, सांस लेने योग्य और पूरे दिन शरीर को ठंडक देने वाला होता है। आजकल मार्केट में कॉटन सूट के इतने आकर्षक और आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें पहनकर ऑफिस में भी आप बेहद एलिगेंट और सॉफिस्टिकेटेड लुक पा सकती हैं। खास बात यह है कि ये सूट केवल आराम ही नहीं देते, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी निखारते हैं।

ऑफिस के परफेक्ट आउटफिट्स
स्टाइल के साथ एलिगेंट लुक

फ्लोरल, ए-लाइन और एथनिक प्रिंट जैसे डिजाइन इस समय खासे ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपने ऑफिस लुक में नया बदलाव चाहती हैं, तो इन कॉटन सूट डिजाइनों के साथ-साथ कुछ और स्टाइलिश आउटफिट्स को भी अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट

अगर आप अपने ऑफिस लुक में थोड़ा पारंपरिक आकर्षण जोड़ना चाहती हैं, तो एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट एक शानदार विकल्प है। छोटे-छोटे ब्लॉक प्रिंट, बुटी या ज्यामितीय पैटर्न वाले कुर्ते देखने में बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक लगते हैं। इंडिगो प्रिंट, अज्रक डिजाइन या हैंडब्लॉक प्रिंट वाले कॉटन सूट इन दिनों काफी लोकप्रिय हैं। ये आउटफिट ऑफिस के साथ-साथ सेमी-फॉर्मल मौकों पर भी पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। आप इन्हें सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज्ड झुमके या छोटे स्टड ईयररिंग्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद सादा, लेकिन प्रभावशाली दिखाई देगा।

कॉटन साड़ी

जो महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं, उनके लिए कॉटन साड़ी भी ऑफिस के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। कॉटन साड़ी हल्की होती है और गर्मियों में पहनने पर काफी आराम देती है। पेस्टल रंगों या हल्के बॉर्डर वाली साड़ी ऑफिस के माहौल में बेहद गरिमामय लगती है। इसके साथ साधारण ब्लाउज और हल्की ज्वेलरी पहनकर आप एक क्लासी और प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं। कई कॉर्पोरेट और शिक्षण संस्थानों में कॉटन साड़ी को आज भी सबसे सुसंस्कृत और सम्मानजनक पहनावे के रूप में देखा जाता है।

फ्लोरल कॉटन सूट डिजाइन

फ्लोरल प्रिंट हमेशा से ही महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन रहा है। हल्के फूलों वाले प्रिंट किसी भी आउटफिट को सॉफ्ट और ग्रेसफुल लुक देते हैं। ऑफिस के लिए फ्लोरल कॉटन सूट सबसे अच्छे विकल्पों में से एक माना जाता है। इन दिनों पेस्टल शेड्स जैसे पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, पीच, लैवेंडर और बेबी पिंक रंगों में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जा रहे हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और ऑफिस के शांत वातावरण के साथ भी मेल खाते हैं।

फ्लोरल कॉटन सूट की खासियत यह है कि इसे आप केवल ऑफिस ही नहीं बल्कि छोटे-मोटे पारिवारिक कार्यक्रमों में भी आसानी से पहन सकती हैं। यदि आप इसे सिंपल दुपट्टे और हल्की ज्वेलरी के साथ स्टाइल करें, तो यह लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

स्ट्रेट कुर्ता विद प्लाजो

स्ट्रेट कट कुर्ता और प्लाजो का कॉम्बिनेशन भी ऑफिस के लिए बेहद आरामदायक और स्टाइलिश माना जाता है। प्लाजो पैंट का ढीला और फ्लोई डिजाइन गर्मियों में हवा के संचार को आसान बनाता है, जिससे पूरे दिन आराम महसूस होता है। स्ट्रेट कुर्ता के साथ प्लेन या हल्के प्रिंट वाले प्लाजो पहनने से लुक बेहद संतुलित दिखाई देता है। यह आउटफिट खासकर उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो दिनभर काम में व्यस्त रहती हैं और आराम को प्राथमिकता देती हैं। इसके साथ हल्की जूती या फ्लैट सैंडल पहनकर आप अपने ऑफिस लुक को सहज और आकर्षक बना सकती हैं।

ए-लाइन कुर्ता विद ट्राउजर

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ए-लाइन कुर्ता एक बेहद लोकप्रिय और सुविधाजनक विकल्प बन चुका है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि यह लगभग हर बॉडी टाइप पर अच्छी तरह फिट बैठता है और शरीर को संतुलित आकार देता है।

ए-लाइन कुर्ता ऊपर से फिट और नीचे की ओर हल्का फैला हुआ होता है, जिससे चलने-फिरने में भी आराम मिलता है। जब इसे ट्राउजर या स्ट्रेट पैंट के साथ पहना जाता है, तो यह आउटफिट एक मॉडर्न और प्रोफेशनल लुक देता है। अगर आप इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ ब्लॉक हील्स, कोल्हापुरी सैंडल या सिंपल फ्लैट्स पहन सकती हैं। हल्की घड़ी और छोटे स्टड ईयररिंग्स इस लुक को पूरा करने के लिए काफी हैं।

कॉटन कुर्ता विद जींस

आजकल ऑफिस फैशन में इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपके ऑफिस का ड्रेस कोड थोड़ा कैजुअल है, तो कॉटन कुर्ता के साथ जींस पहनना एक स्मार्ट विकल्प हो सकता है। लॉन्ग या मिड-लेंथ कुर्ता के साथ स्ट्रेट या स्लिम फिट जींस पहनने से एक सिंपल, लेकिन ट्रेंडी लुक मिलता है। यह स्टाइल खासतौर पर उन युवतियों के बीच लोकप्रिय है, जो पारंपरिक और आधुनिक फैशन का मिश्रण पसंद करती हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए आप स्नीकर्स, बैले फ्लैट्स या लोफर्स पहन सकती हैं। इसके साथ एक स्लीक बैग और हल्का मेकअप आपके व्यक्तित्व को और निखार देगा।

आउटफिट चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

ऑफिस के लिए कपड़े चुनते समय केवल फैशन ही नहीं, बल्कि कुछ व्यावहारिक बातों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।

- हल्के रंग चुनें- गर्मियों में पेस्टल और सॉफ्ट रंग ज्यादा आरामदायक होते हैं।
- फैब्रिक का ध्यान रखें – कॉटन, लिनन या खादी जैसे प्राकृतिक फैब्रिक शरीर को ठंडक देते हैं।
- कम्फर्ट सबसे जरूरी – ऐसे कपड़े चुनें, जिनमें आप पूरे दिन सहज महसूस करें।
- ज्यादा भारी कढ़ाई से बचें – ऑफिस आउटफिट में सादगी ही सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है।

गर्मियों में ऑफिस के लिए सही आउटफिट चुनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन यदि आप सही फैब्रिक और डिजाइन का चयन करें, तो यह काम बेहद आसान हो जाता है। कॉटन सूट, ए-लाइन कुर्ता, एथनिक प्रिंटेड डिजाइन, प्लाजो सेट, कुर्ता-जींस या कॉटन साड़ी ये सभी विकल्प आपको आराम, स्टाइल और प्रोफेशनल लुक एक साथ प्रदान कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपका आउटफिट आपकी व्यक्तित्व के अनुरूप हो और उसमें आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही कपड़ों का चयन न केवल आपकी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाता है, बल्कि आपके कामकाजी दिन को भी ज्यादा सहज और सुखद बना देता है।

स्मार्ट पेरेंटिंग: बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन

बच्चों का बचपन केवल खेलने-कूदने का समय नहीं होता, बल्कि यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला भी होता है। इसी दौर में उनके विचार, आदतें और संस्कार आकार लेते हैं, जो आगे चलकर उनके जीवन की दिशा तय करते हैं। माता-पिता के लिए यह समय जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना आसान नहीं होता। आज के बदलते दौर में जहां तकनीक और बाहरी प्रभाव तेजी से बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, वहां अच्छे संस्कारों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। यदि बचपन में ही बच्चों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए, तो वे न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बन सकते हैं।

सम्मान की भावना का विकास

बच्चों को बचपन से ही बड़ों के प्रति सम्मान और आदर का भाव सिखाना आवश्यक है। यह केवल शिष्टाचार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके संस्कारों की पहचान भी होता है। जब बच्चे बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं, तो वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही रास्ता चुनने में सक्षम होते हैं। विनम्रता और सम्मान का यह गुण उन्हें समाज में प्रिय बनाता है।

परिश्रम की आदत डालना

जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत छिपी होती है। कहानियों, उदाहरणों और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से उन्हें परिश्रम का महत्व सिखाया जा सकता है। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ईमानदारी की नींव मजबूत करना

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा में बनाए रखता है। बच्चों को बचपन से ही सच बोलने और सही आचरण करने की प्रेरणा देनी चाहिए। यदि वे ईमानदारी को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो भविष्य में वे किसी भी परिस्थिति में गलत रास्ता अपनाने से बचेंगे और समाज में विश्वसनीय बनेंगे।

असफलता से सीखने की समझ

असफलता जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे स्वीकार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता से डरना नहीं, बल्कि उससे सीख लेना चाहिए। जब वे समझेंगे कि हर असफलता उन्हें कुछ नया सिखाती है, तो वे चुनौतियों का सामना अधिक साहस और धैर्य के साथ कर पाएंगे।

समय प्रबंधन की समझ

समय का सही उपयोग करना एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। बच्चों को शुरुआत से ही समय की कीमत समझानी चाहिए, ताकि वे अपने कार्यों को सही ढंग से व्यवस्थित कर सकें। पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बनाना सिखाकर उन्हें अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित किया जा सकता है। यह आदत आगे चलकर उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है।

चेहरा धोने के लिए इस्तेमाल करें घरेलू उत्पाद खिल उठेगी त्वचा

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

आज के दौर में चमकती और बेदाग त्वचा हर किसी की चाहत है, लेकिन इस चाहत को पूरा करने के लिए हम अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों के जाल में फंस जाते हैं। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर दिखने वाले ये विज्ञापन हमें महंगे और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पादों को खरीदने के लिए मजबूर कर देते हैं। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश उत्पादों में कठोर रसायनों का उपयोग किया जाता है।

लंबे समय तक इन केमिकल युक्त फेस वॉश और क्रीम का इस्तेमाल करने से चेहरे पर दाग-धब्बे, झाइयां और कील-मुंहासे उभरने लगते हैं। स्थिति तब और बिगड़ जाती है, जब इन समस्याओं को छिपाने के लिए हम और अधिक कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जिससे त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खो देती है और बेजान दिखने लगती है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ और हर्बल क्वीन शहनाज हुसैन का मानना है कि सुंदरता का असली राज रसायनों में नहीं, बल्कि हमारी रसोई में मौजूद प्राकृतिक और हर्बल उत्पादों में छिपा है। यदि हम अपनी दिनचर्या में घरेलू उपचारों को शामिल करें, तो न केवल जेब पर बोझ कम होगा, बल्कि त्वचा को भी स्थायी और सुरक्षित निखार मिलेगा।

दूध: प्रकृति का सबसे कोमल क्लींजर

दूध को सदियों से सौंदर्य निखारने का सबसे उत्तम साधन माना गया है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने और उसे गहराई से पोषण देने में सक्षम है।

- **हल्दी और दूध का फेस पैक :** हल्दी अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जानी जाती है। आधा छोटा चम्मच हल्दी में दो चम्मच दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर पैक की तरह लगाएं और सूखने दें। जब यह हल्का सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धीरे-धीरे रगड़ते हुए धो लें। यह पैक न केवल रंगत साफ करता है, बल्कि त्वचा के संक्रमण को भी रोकता है।
- **कच्चा दूध और क्लींजिंग :** यदि आप फेस वॉश का विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो कच्चा दूध सबसे बेहतर है। एक कॉटन पैड की मदद से कच्चा दूध पूरे चेहरे पर लगाएं और कम से कम पांच मिनट तक हल्की मालिश करें। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से कील-मुंहासे कम होते हैं और त्वचा रेशम जैसी मुलायम हो जाती है।

दही: फ्रेशनेस और टैनिंग का काल

दही केवल सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अद्भुत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को भीतर से ठंडा रखते हैं।

- **समय का महत्व :** दही लगाने का सबसे सही समय सुबह या रात का होता है। सुबह दही लगाने से त्वचा दिनभर खिली-खिली रहती है, वहीं रात को लगाने से दिनभर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण आसानी से साफ हो जाता है।
- **बेसन, दही और हल्दी का पारंपरिक उबटन :** पुराने समय से चले आ रहे इस नुस्खे का कोई मुकाबला नहीं है। दो चम्मच दही में दो चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। यह पेस्ट हर तरह की स्किन के लिए अनुकूल है। दही नमी देती है, हल्दी चमक लाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इसे 20-25 मिनट लगाकर रखें और फिर सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा: हमारी त्वचा का सुरक्षा कवच

एलोवेरा या घृतकुमारी एक ऐसा जादुई पौधा है, जो नमी का भंडार है। गर्मियों के मौसम में यह त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों से होने वाली जलन को शांत करता है।

- **ताजे जेल का उपयोग :** शहनाज हुसैन के अनुसार, पौधे से सीधे निकाली गई लुगदी सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। एलोवेरा की पत्ती को अच्छी तरह धोकर उसका जेल निकालें और 20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। यह बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेट रखता है और बढ़ती उम्र के निशानों को कम करने में मदद करता है।

- **एलो-बादाम नाइट क्रीम :** यदि आपकी त्वचा बहुत रूखी रहती है, तो एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जेल और दो चम्मच बादाम का तेल मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण से चेहरे की मालिश करें। यह मिश्रण रात भर त्वचा की मरम्मत करता है और उसे युवा बनाए रखता है।

स्वच्छता और धैर्य है जरूरी

घरेलू और हर्बल उत्पादों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। हालांकि शहनाज हुसैन स्वच्छता पर विशेष जोर देती हैं। किसी भी घरेलू उपचार को अपनाने से पहले चेहरे और उपयोग की जाने वाली सामग्री (जैसे एलोवेरा की पत्तियां) को अच्छी तरह साफ करना अनिवार्य है। प्राकृतिक उपचार रातों-रात जादू नहीं करते, लेकिन इनका नियमित उपयोग आपको ऐसी स्थायी सुंदरता प्रदान करता है, जो किसी भी महंगे कॉस्मेटिक से संभव नहीं है।

खाना खजाना

खस्ता करारी मूंग दाल की बाटी

खस्ता करारी मूंग दाल मसाला बाटी सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक स्वाद-यात्रा का अनुभव है। देसी घी की खुशबू, सोंधी-सोंधी बाटी और मसालेदार मूंग दाल का संगम हर खाने वाले को लुभा लेता है। यह डिश खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक में अपनी अलग पहचान रखती है। घर पर आसानी से बनने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता का भी बेहतरीन मेल है। अगर आप भी अपने किचन में रेस्टोरेंट जैसा राजस्थानी स्वाद लाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

सामग्री

- गेहूं का आटा – 2 कप
- सूजी – 2 टेबल स्पून
- घी – 4 टेबल स्पून
- अजवाइन- टी स्पून
- नमक- स्वादानुसार
- दूध/पानी – जरूरत अनुसार
- मूंग दाल मसाला के लिए
- धुली मूंग दाल – 1 कप (2-3 घंटे भिगोई हुई)
- प्याज- 1 बारीक कटा
- टमाटर – 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च – 1-2 बारीक कटी
- अदरक-लहसुन पेस्ट – 1 टी स्पून
- जीरा – 1 टी स्पून
- हींग – चुटकी भर
- हल्दी – टी स्पून
- धनिया पाउडर – 1 टी स्पून
- लाल मिर्च – स्वादानुसार गरम मसाला – टी स्पून
- घी- 2 टेबल स्पून
- हरा धनिया – सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और सूजी लें। इसमें नमक, अजवाइन और घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें ताकि मिश्रण में मोयन अच्छी तरह मिल जाए। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी या दूध डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा ज्यादा नरम न हो, तभी बाटी खस्ता बनेगी। गूंथे हुए आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें। इसके बाद मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें और हल्का सा दबा दें।

अब इन बाटियों को पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 सी पर 30-35 मिनट तक बेक करें। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी तरफ से समान रूप से सुनहरी हो जाएं। यदि ओवन उपलब्ध न हो, तो आप कुकर (बिना सीटी) या अप्पे पैन में धीमी आंच पर भी इन्हें सेक सकते हैं। जब बाटियां बाहर से कुरकुरी और अंदर से पूरी तरह सिक जाएं, तो इन्हें निकालकर तुरंत गर्म घी में डुबो दें, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

मूंग दाल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले भिगोई हुई मूंग दाल को कुकर में डालकर 2-3 सीटी आने तक नरम उबाल लें। ध्यान रखें कि दाल अधिक गल न जाए, बल्कि दानेदार बनी रहे। अब एक कड़ाही में घी गरम करें। इसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालकर तड़का लगाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं ताकि कच्चापन खत्म हो जाए। अब टमाटर की प्यूरी डालें और धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मसाले से घी अलग न होने लगे। इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसाले को अच्छे से भूनें। अब उबली हुई दाल डालें और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाएं। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि मसाले का स्वाद दाल में अच्छी तरह समा जाए। अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

परोसने का तरीका

गरमा-गरम बाटियों को हल्का सा तोड़कर प्लेट में रखें और ऊपर से तैयार मूंग दाल मसाला डालें। इसके साथ चूरमा, लहसुन की चटनी और कच्चे प्याज परोसें। घी की खुशबू और मसालों के लाजवाब मेल के साथ यह व्यंजन आपको शुद्ध राजस्थानी स्वाद का असली आनंद देगा।